■ राजग की सरकार बनने पर बनेगा रक्षा गलियारा, बाढ़ नियंत्रण आयोग का होगा गठन-12

■ वर्ष- 2030 तक 300 अरब डॉलर की हो सकती है भारत की जैव-अर्थव्यवस्था-12

■ ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही ठहराया-13

■ गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर वापसी की : हरमनप्रीत-14

आज का मौसम
28.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.19
सूर्यास्त 05.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 10:36 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 4 नवंबर 2025, वर्ष 5, अंक 254, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

शराबी ड्राइवर ने 17 वाहन रौंदे, 14 की मौत

जयपुर में कार को टक्कर मारने के बाद हुई कहासुनी तो चालक ने 100 की रफ्तार से दौड़ाया डंपर

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के हरमाड़ा इलाके में सोमवार दोपहर एक तेज रफ्तार डंपर ड्राइवर ने तबाही मचा दी। डंपर ने अपने सामने आए 17 वाहनों को टक्कर मारी जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई व 10 घायल हो गए। जयपुर के जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि यह डंपर रोड नंबर 14 से लोहा मंडी पेट्रोल पंप की ओर तेज गति से जा रहा था और रास्ते में आने वाले वाहनों को टक्कर मारता चला गया। सोनी ने बताया कि घायलों का एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज किया जा रहा है और कई की हालत गंभीर है।

पुलिस के अनुसार, यह भीषण टक्कर लोहा मंडी के पास हुई जब कथित तौर पर शराब के नशे में धुत डंपर चालक ने कम से कम 17 वाहनों को टक्कर मारी और फिर एक अन्य ट्रेलर से टकराकर रुक गया। हादसा इतना भयावह था कि डंपर की चपेट में आने वाले लोगों के शव सड़क पर इधर-उधर पड़े थे। कई मोटरसाइकिल डंपर के पहियों के नीचे आकर कुचल गईं। अनेक कारें भी चकनाचूर हुईं। प्रत्यक्षदर्शियों ने इस दृश्य को 'नरसंहार' से कम नहीं बताया। स्थानीय दुकानदार महेश शर्मा ने कहा, हमने लोगों को क्षतिग्रस्त कारों से एक के बाद एक शव निकालते देखा। कुछ अंदर फंसे हुए थे, कुछ सड़क पर पड़े थे। चारों ओर अफरा-तफरी, चीख-पुकार और खून ही खून था। घटनास्थल पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजीव पचार ने बताया कि डंपर चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और उसने एक कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने उसका पीछा किया। उनके मुताबिक, उसने डंपर को और तेज रफ्तार से चलाया और सड़क पर पैदल चल रहे लोगों और बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इसके बाद, दिल्ली-अजमेर राजमार्ग पर एक ट्रेलर ट्रक और एक कार से टकराने के बाद वह रुक गया। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में डंपर को 100 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से दौड़ते हुए वाहनों को टक्कर मारते और मोटरसाइकिल सवारों को कुचलते हुए देखा जा सकता है। लोगों ने चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

जयपुर में डंपर के नीचे दबी कार।

- प्रत्यक्षदर्शी बोले- नरसंहार हुआ रास्ते में आने वाले वाहनों को मारता चला गया टक्कर
- प्रधानमंत्री ने सड़क दुर्घटना में हुई मौतों पर दुख व्यक्त किया अनुग्रह राशि की घोषणा की

पीड़ितों में आगरा के परिवार के कई सदस्य

जानकारी के मुताबिक पीड़ितों में आगरा के एक परिवार के सदस्य शामिल हैं जिसमें – नानजी भाई, उनके भाई, दो महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं, जो खाटूश्यामजी से पूजा-अर्चना करके लौट रहे थे। नानजी भाई ने कहा, हमारी कार सड़क किनारे खड़ी थी तभी डंपर ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। परिवार के पांच लोग घायल हो गए हैं। मृतक महेंद्र (38) के रिश्तेदार राकेश ने बताया कि उनके बड़े भाई की दो बेटियां वर्षा (19) और भानु (5) अपने चाचा के साथ दिवाली मनाने जयपुर आई थीं और छुट्टियों के बाद महेंद्र दोनों बच्चियों को बस स्टैंड पर बस में चढ़ाने गया था, तभी यह हादसा हुआ। उन्होंने बताया कि वर्षा ट्रॉमा सेंटर में भर्ती है जबकि महेंद्र और भानु की मौत हो गई है। इस दुर्घटना के बाद इलाके के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और निवासियों ने सड़क सुरक्षा कानूनों को सख्ती से लागू करने की मांग की। राजस्थान में दो दिन में यह दूसरी बड़ी सड़क दुर्घटना है। रविवार को टेम्पो ट्रैवलर के खड़े ट्रेलर से टकरा जाने से 15 लोगों की मौत हो गई थी।

तेलंगाना में बस-ट्रक के बीच टक्कर, 19 की गई जान

हैदराबाद। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में बजरी से लदे एक ट्रक और एक बस की सोमवार को आमने-सामने की टक्कर होने से 13 महिलाओं एवं एक बच्ची समेत कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। ट्रक हैदराबाद से करीब 50 किलोमीटर दूर चेवेल्ला के पास तेलंगाना सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) की बस से टकरा गया जिसके बाद बजरी बस पर गिर गई। बस कंडक्टर के अनुसार, दुर्घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने बताया कि दुर्घटना में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आमने-सामने की टक्कर तब होती है जब कोई वाहन गलत दिशा में होता है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना का कारण जांच के बाद पता चलेगा। बस पर बजरी गिरने से कई यात्री वाहन के अंदर फंस गए और अधिकारियों ने मशीनों की मदद से बचाव एवं राहत अभियान चलाया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बस में सवार यात्रियों को वाहन से बाहर निकाल लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दुर्घटना में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये एवं घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि दिए जाने की घोषणा की। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने चेवेल्ला स्थित उस सरकारी अस्पताल का दौरा किया, जहां दुर्घटना के पीड़ितों को भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, दुर्घटना में 19 लोग मारे गए हैं। प्रभाकर ने बताया कि राज्य सरकार मृतकों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देगी। उन्होंने बताया कि टीजीएसआरटीसी की ओर से मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि भी दी जाएगी।

- दुर्घटना के समय बस में 72 यात्री सवार थे, हादसे में 22 घायल

डिजिटल अरेस्ट मामलों में 3000 करोड़ से अधिक उगाही पर सख्ती से निपटेंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में भारी वृद्धि पर सोमवार को आश्चर्य जताया और कहा कि इनसे सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। 'डिजिटल अरेस्ट' तेजी से बढ़ता साइबर अपराध है, जिसमें जालसाज ऑडियो या वीडियो कॉल पर खुद को कानून प्रवर्तन एजेंसियों, अदालत या सरकारी विभागों के कर्मचारी के रूप में पेश कर पीड़ितों को डराते-धमकाते हैं और उन पर रुपये देने का दबाव बनाते हैं। देश में 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामलों में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से अब तक 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही किए जाने का अनुमान है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मामले में न्यायालय की मदद के लिए एक न्यायमित्र नियुक्त किया और गृह मंत्रालय व सीबीआई की ओर से सीलबंद लिफाफों में पेश दो रिपोर्ट का अवलोकन किया। पीठ ने कहा, 'यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों सहित पीड़ितों से 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है। अगर हम कड़े और कठोर आदेश पारित नहीं करते हैं, तो यह समस्या और बढ़ जाएगी।'

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि सीबीआई ने बताया है कि अपराध सिंडिकेट का संचालन विदेश से किया जा रहा है, जहां उनके वित्तीय, तकनीकी और मानव श्रम आधार वाले 'व्यापक घोटाला नेटवर्क' हैं।

केंद्र और सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय का साइबर अपराध प्रभाग इन मुद्दों से निपट रहा है। कोर्ट ने कहा कि 'हमें न्यायिक आदेशों से एजेंसियों के हाथ मजबूत करने होंगे। अगली सुनवाई 10 नवंबर तय की है।

- शीर्ष कोर्ट ने देश में ऐसे मामलों में भारी वृद्धि पर जताया आश्चर्य
- सरकार ने कहा- गृह मंत्रालय इससे निपटने को कर रहा कार्य

न्यूज ब्रीफ

मासूम की हत्या में सौतेली मां गिरफ्तार

देहरादून : डोईवाला क्षेत्र में चार साल के मासूम की गैर इरादतन हत्या में पुलिस ने सौतेली मां को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी के अनुसार, मृत बच्चे विवान के पिता राहुल कुमार ने अपनी पत्नी प्रिया के खिलाफ रविवार को दर्ज कराए मुकदमे में बताया था कि पहली पत्नी की मौत के बाद उसने प्रिया से दूसरी शादी की थी। बीती 27 अक्टूबर को उसके काम पर जाने के बाद विवान की घर में चोटें लगने से मौत हो गई थी। आरोप है कि, प्रिया, विवान से क्रूर व्यवहार करती थी तथा उसे छोटी-छोटी बात पर पीटती थी। शक था कि प्रिया की पिटाई से ही पुत्र की मौत हुई है। थाना प्रभारी के अनुसार, गहन जांच के बाद प्रिया को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसने गुस्से में विवान को जोर से धक्का देकर फर्श पर गिराया था, जिससे गंभीर चोटें आने पर उसकी अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई थी।

मोदी और योगी पर आपत्तिजनक पोस्ट करने पर मुकदमा

भदोही (उप्र)। भदोही जिले में प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और मुख्यमंत्री योगी की फोटो लगाकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने को लेकर एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुरयावा थाना क्षेत्र के चकजीत राय गांव के चौकीदार जयपाल गौतम की तहरीर पर इसी थाना क्षेत्र के हरिपुर गांव के निवासी आकाश यादव नाम के युवक के खिलाफ रविवार शाम को मामला दर्ज करने के बाद उसकी तलाश की जा रही है।

हाईकोर्ट ने याचिका पर मांगा जवाब

रैगिंग रोकथाम को कानून क्यों नहीं बना रही सरकार

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने प्रदेश के मेडिकल कालेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के मामले में सुनवाई करते हुए सोमवार को राज्य सरकार से पूछा है कि क्या वह रैगिंग को लेकर कोई कानून अस्तित्व में ला रही है। राज्य सरकार को इस मामले में 17 नवम्बर तक जवाब देना है।

हरिद्धार निवासी सचिदानंद डबराल की जनहित याचिका पर खंडपीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षण संस्थानों में लगातार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकार इस पर रोक लगाने में नाकाम हो रही है। केन्द्र सरकार भी मूक दर्शक बनी है। याचिकाकर्ता की ओर से यह भी कहा गया कि देश में तीन वर्षों में वर्ष 2022 से 2024 के मध्य 3156 मामले सामने आए हैं। रैगिंग के चलते 51 छात्रों की मौत हुई है। मेडिकल कॉलेज इस मामले में हॉट स्पॉट बनकर सामने आए हैं। यहां कई गुना मामले बढ़े हैं। उत्तराखंड में भी 10 मामले सामने आए हैं। याचिकाकर्ता की ओर कहा गया कि सरकार ने जो रिपोर्ट पेश की है, वह गलत और गुमराह करने वाली है।

दूसरी ओर सरकार की ओर से कहा गया कि सरकार की ओर से रैगिंग की रोकथाम के लिए हर एहतियाती कदम उठाए गए हैं। सभी संस्थानों में रैगिंग रोकने के लिए एंटी रैगिंग कमेटी का गठन किया गया है। खंडपीठ ने इसे गंभीरता से लेते हुए सरकार से पूछा कि इस मामले में कोई कानून क्यों नहीं बनाया गया। खंडपीठ ने मुख्य स्थायी अधिवक्ता सीएससी चंद्र शेखर रावत को निर्देश दिए कि वह राज्य सरकार से पूछकर जवाब पेश करें। सरकार को 17 नवम्बर तक प्रतिशपथ पत्र पेश करने को भी कहा है।

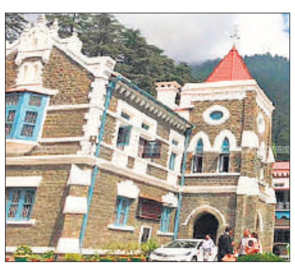

- अब 17 को होगी सुनवाई

भारत तकनीक से बदलाव लाने का लीडर : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

इमर्जिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनोवेशन कॉन्क्लेव में हुए शामिल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के कोष की सोमवार को शुरुआत करते हुए घोषणा की कि उनकी सरकार अब उच्च जोखिम एवं उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं का समर्थन कर रही है, क्योंकि भारत का लक्ष्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महाशक्ति के रूप में उभरना है।

नीति निर्माताओं, नवप्रवर्तकों और वैश्विक दूरदृष्टि वाले लोगों के वार्षिक प्रमुख आयोजन के तहत पहले 'उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने देश में नवाचार के आधुनिक परिवेशी तंत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण सुधार पेश किए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व वैश्विक व्यवस्था में एक नए बदलाव का गवाह बन रहा है और परिवर्तन की गति बहुत तीव्र है। मोदी ने वार्षिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के आयोजन के कारणों को बताते हुए कहा, 21वीं सदी के इस समय में, दुनिया भर के विशेषज्ञों को उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ आने की बहुत आवश्यकता है और उन्हें एक साथ मिलकर दिशा दिखानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने सम्मेलन में इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक लाख करोड़ के अनुसंधान, विकास और नवाचार कोष की घोषणा की। उन्होंने कहा, इस महत्वपूर्ण निवेश का उद्देश्य जनता को लाभ पहुंचाना और अवसरों के नए रास्ते खोलना है। हमारा लक्ष्य निजी क्षेत्र में भी अनुसंधान और विकास की संस्कृति को बढ़ावा देना है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.6 प्रतिशत अनुसंधान एवं विकास पर खर्च करता है, जो वैश्विक औसत से कम है।

- प्रधानमंत्री बोले- उच्च जोखिम, उच्च प्रभाव वाली अनुसंधान व विकास परियोजनाओं का समर्थन कर रहा है भारत
- एक लाख करोड़ की स्कीम लॉन्च की, कहा- हमारे पास सबसे सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर

शोध कार्य में सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर रही

मोदी ने कहा कि सरकार शोध कार्य में सुगमता पर ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि भारत में नवाचार का एक आधुनिक परिवेशी तंत्र विकसित हो सके। उन्होंने कहा, इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए हमारी सरकार ने वित्तीय विनियमों और खरीद नीतियों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इसके अतिरिक्त, हमने 'प्रोटोटाइप' को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रोत्साहनों और आपूर्ति श्रृंखला ढांचे को सुव्यवस्थित किया है।

ईडी ने अनिल अंबानी की 3000 करोड़ रुपये की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत 3,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने पीएमएलए के तहत 42 संपत्तियों को कुर्क करने के लिए चार अनंतिम आदेश जारी किए थे।

इन संपत्तियों में अंबानी (66) के परिवार का मुंबई के पाली हिल स्थित घर और उनके समूह की कंपनियों की अन्य आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियां शामिल हैं। दिल्ली में महाराजा रणजीत सिंह मार्ग पर रिलायंस सेंटर के एक भूखंड के अलावा, आरआईएल की कई अन्य संपत्तियां, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, मोहनबीर हाई-टेक बिल्ड प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, विहान43 रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड और कैंपियन प्रॉपर्टीज की संपत्तियां कुर्क की गई हैं।

- पाली हिल वाला घर भी शामिल, इसमें हेलीपैड से लेकर जिम और लाउंज

26/11 मामले के मास्टर मांइड 'अबू जंदल' पर मुकदमा 7 साल बाद फिर

मुंबई, । 26 नवंबर 2008 के आतंकी हमलों के कथित 'मास्टर माइंड' अबू जंदल के खिलाफ रुकी हुई सुनवाई 7 साल बाद फिर शुरू होगी।

बंबई हाईकोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश को सोमवार को रद्द कर दिया, जिसमें अधिकारियों को गोपनीय दस्तावेज आरोपी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति आरएन लड्ढा की पीठ ने दिल्ली पुलिस, नागर विमानन मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की ओर से दायर याचिका को अनुमति दे दी, जिसमें जंदल को गोपनीय दस्तावेज सौंपने के निर्देश संबंधी निचली अदालत के 2018 के आदेश को चुनौती दी गई थी।

- मुंबई आतंकी हमला : जंदल को कागजात मुहैया कराने के खिलाफ याचिका मंजूर

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)
प्रो. (कर्नल) दीवान एस. रावत, एफ.एन.ए.
कुलपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय एवं
कार्य परिषद् व विद्या परिषद् के सदस्यगण, कुमाऊँ विश्वविद्यालय के
बीसवें दीक्षान्त समारोह
के अवसर पर विक्रम संवत् 2082, कार्तिक मासे, मंगलवार 19 गते दिनांक 4 नवंबर 2025 को पूर्वान्ह 11:30 बजे डी.एस.बी. परिसर, नैनीताल के ए.एन. सिंह सभागार में
आपको सादर आमंत्रित करते हैं।
श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति
समारोह की मुख्य अतिथि होंगी एवं दीक्षांत भाषण देंगी।
ले ज गुरमीत सिंह
पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, वीएसएम (से नि)
माननीय राज्यपाल, उत्तराखण्ड
व कुलाधिपति, कुमाऊँ विश्वविद्यालय
समारोह की अध्यक्षता करेंगे।
डॉ. धन सिंह रावत
माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार
समारोह में विशिष्ट अतिथि होंगे।
उत्तरापेक्षी- डॉ. मंगल सिंह मन्द्रवाल,
कुलसचिव, कुमाऊँ विश्वविद्यालय नैनीताल
(कृपया प्रातः 8:30 बजे तक अपना स्थान ग्रहण करने की कृपा करें।)
मो. 9412965477, फोन: 05942-235563, ई-मेल: registrar@kunainital.ac.in

राज्य दिवस — राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य की रजत जयंती पर विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया

25 वर्षों की यात्रा में उत्तराखंड ने हासिल किए विकास के प्रभावी लक्ष्य

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने इस ऐतिहासिक अवसर के लिए उत्तराखंड विधानसभा के पूर्व और वर्तमान सदस्यों तथा सभी राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि, अटल बिहारी के प्रधानमंत्री कार्यकाल में यहां के जनमानस की आकांक्षा के अनुरूप, बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास की दृष्टि से नवंबर 2000 में इस राज्य की स्थापना की गई।

विगत पचीस वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं। पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है। इसी तरह डिजिटल और फिजिकल कनेक्टिविटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलमेंट के क्षेत्रों में भी विकास हुआ है। राष्ट्रपति ने राज्य में महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना कर कहा कि, इससे राज्य में सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी। ऐसे ही ऋतु खंडूडी को पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त कर विधानसभा का गौरव बढ़ाया है।

विस परिसर में राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत करते राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री धामी।

बेटियों का विश्व को संदेश-हम किसी से कम नहीं

राष्ट्रपति ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्वकप जीतने पर सदन से बधाई देते कहा कि, आज पूरे देश और विश्व के लिए बहुत खुशी का दिन है, क्योंकि आज हमारी बेटियों ने पूरे विश्व को एक संदेश दिया है कि हम किसी से कम नहीं हैं। यहां के युवा ऊर्जावान हैं और महिलाएं भी पीछे नहीं हैं। मुर्मू ने कहा कि भारत में 140 करोड़ लोग हैं जिसमें से आधी महिलाएं हैं और 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में सभी का सहयोग जरूरी है। राष्ट्रपति की इस बात का सदन में मौजूद सभी विधायकों ने मेजें थपथपाकर समर्थन किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अपने संबोधन में विश्वकप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम को बधाई देते कहा कि, मैं इस सदन के माध्यम से भारत मां की उन बेटियों को बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने कल महिला विश्वकप जीतकर हमारी करोड़ों बेटियों को एक नयी प्रेरणा दी है। मुख्यमंत्री के इस वक्तव्य पर पूरे सदन ने तालियां बजाकर खुशी जाहिर की।

देवभूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित

राष्ट्रपति ने कहा कि इस देवभूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। कुमांऊ और गढ़वाल रेजीमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है। यहां के युवाओं में भारतीय सेना के जरिए मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है।

स्टेट ब्रीफ

घूस मांगने के आरोप में मेडिकल अफसर धरा

देहरादून : विजिलेंस ने नर्सिंग अधिकारी से उनकी नियुक्ति पीएचसी पर ही बनाए रखने के एवज में बीस हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप में एक मेडिकल ऑफिसर को गिरफ्त में लिया है। आरोप है कि, प्रभारी सीएचसी ने नर्सिंग अधिकारी से उनकी नियुक्ति पीएचसी पर ही बनाये रखने के एवज में बीस हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत पीड़िता ने विजिलेंस से की थी, जिसके बाद ट्रैप टीम ने सोमवार को अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी के आवास पर भी चल-अचल सम्पति के सम्बन्ध में तलाशी व पूछताछ की जा रही है।

दून में दो युवकों में हुई मारपीट, एक की मौत

देहरादून : प्रेम नगर क्षेत्र में सोमवार को एक युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, शव की पहचान अरुण कुमार उर्फ डीके पुत्र तिलकराज के रूप में हुई। अरुण मूल रूप से दिल्ली का रहने वाला था, जो कई वर्षों से देहरादून में रह रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अरुण के खिलाफ वर्ष 2022 में थाना प्रेमनगर में जान से मारने के प्रयास का केस दर्ज था, जिसमें वह दो माह पूर्व ही जमानत पर बाहर आया था। घटना में पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है, जिसने पूछताछ में बताया कि, अरुण तथा उसके बीच पूर्व में हुई मारपीट के कारण रंजिश चल रही थी, इस दौरान आज प्रेमनगर क्षेत्र में दोनों में फिर से झगड़ा हो गया था। मारपीट में अरुण बेहोश होकर गिर गया था।

उत्तराखंड को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए करें सामूहिक प्रयास : राष्ट्रपति मुर्मू

राष्ट्रपति मुर्मू ने राज्य स्थापना की रजत जयंती पर दिया उत्तराखंड विधानसभा में ऐतिहासिक अभिभाषण

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि, हम सब जानते हैं कि 25 साल एक युवा अवस्था होती है। 25 साल के युवा के मन और शरीर में जो ऊर्जा होती है, जमीन तो जमीन, पूरा आकाश जीत जाने का जो जज्बा होता है, मुझे लगता है कि ये सोच सभी विधायक व सदस्यों के मन में होगी और आप लोगों से प्रेरणा लेकर ये जमीन के युवा ऊर्जावान होकर राज्य को आगे ले जाने के लिए प्रयास करेंगे।

उत्तराखंड की रजत जयंती पर उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि, आज 25 साल मनाने की बहुत खुशी तो है ही, लेकिन यह दिन आत्मसमीक्षा करने का भी होना चाहिए। हम अभी तक 25 साल कितनी दूर राज्य को आगे ले जा पाए हैं और आगे हम क्या करेंगे, इस राज्य को पूरे देश में नंबर वन बनाने के लिए प्रयास कैसे कर सकते हैं इसलिए भी योजना बनाने का सम्मिलित कार्य होना चाहिए। उत्तराखंड की 25 वर्ष की विकास यात्रा, विधायकों के योगदान से ही संभव हो पाई है। आशा है कि जन-आकांक्षाओं को आप सब सक्रिय अभिव्यक्ति देते रहेंगे।

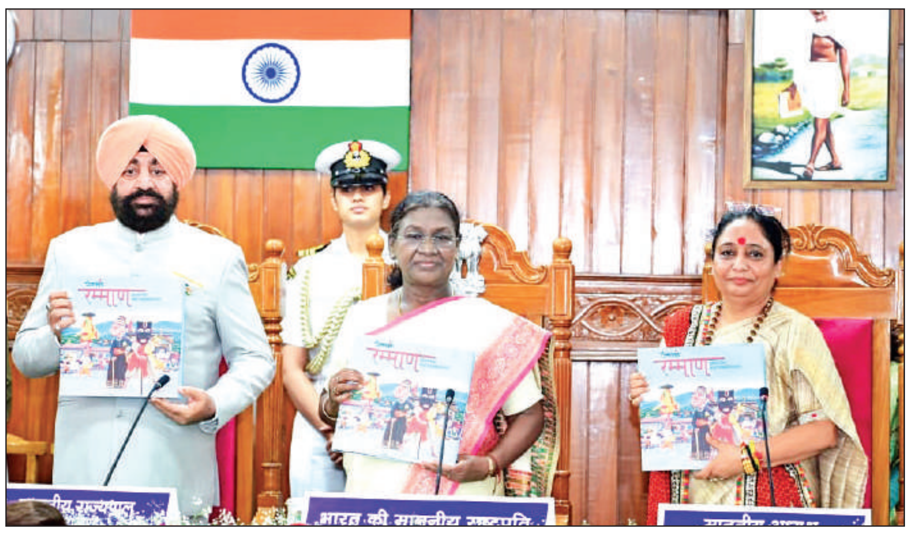

विस के विशेष सत्र में पुस्तक का विमोचन करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, साथ में राज्यपाल गुरमीत सिंह, विस अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता के निर्माण के लिए संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत प्रावधान किया था। संविधान निर्माताओं की इसी भावना के अनुरूप अब उत्तराखंड विधानसभा ने समान नागरिक संहिता विधेयक लागू कर दिया है, जिसकी वे सराहना करती हैं। कहा कि उत्तराखंड विधानसभा में 550 से अधिक विधेयक पारित किए गए हैं।

उन विधेयकों में उत्तराखंड लोकायुक्त विधेयक, उत्तराखंड जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था विधेयक तथा नकल विरोधी विधेयक शामिल हैं, इससे पारदर्शिता, नैतिकता और सामाजिक न्याय की भावना मजबूत हुई है।

कहा कि विधानसभाएं हमारी संसदीय प्रणाली का प्रमुख स्तम्भ हैं। बाबा साहब डॉ. अंबेडकर ने कहा था कि संविधान निर्माताओं ने संसदीय प्रणाली को अपनाकर निरंतर उत्तरदायित्व को अधिक महत्व दिया था। जनता के प्रति निरंतर उत्तरदायी बने रहना संसदीय प्रणाली की शक्ति व चुनौती है। विधायक, जनता और शासन के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने कहा कि, जमीनी स्तर पर जनता से जुड़कर उनकी सेवा करने का अवसर मिलना बड़े सौभाग्य की बात है।

अनुभव भी साझा किए

राष्ट्रपति ने अपना अनुभव साझा करते कहा कि एक विधायक के रूप उन्हें भी नौ वर्ष जन-सेवा का अवसर मिला है इसलिए वे अपने अनुभव से कह सकती हैं कि यदि विधायक सेवा-भाव से निरंतर जनता की समस्याओं के समाधान तथा उनके कल्याण में सक्रिय रहेंगे तो जनता और जनप्रतिनिधि के बीच विश्वास का बंधन अटूट बना रहेगा। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि विकास तथा जन-कल्याण के कार्यों को सभी लोग पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाएं। ऐसे कार्य दलगत राजनीति से ऊपर होते हैं। सबको समाज के वंचित वर्गों के कल्याण एवं विकास पर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य करने की जरूरत है।

आप बेस्ट प्रेक्टिस को अपना सकते हैं

राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तराखंड विधानसभा में इस वर्ष राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन की व्यवस्था का शुभारंभ हुआ है, इसके माध्यम से दो सत्रों का संचालन किया जा चुका है। इस एप्लीकेशन के जरिये सभी विधायक, संसद तथा अन्य विधानसभाओं एवं विधान परिषदों के बेस्ट प्रेक्टिस को अपना सकते हैं। उत्तराखंड में अनुपम प्रकृति के उपहारों का संरक्षण करते हुए राज्य को विकास के मार्ग पर आगे ले जाना है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना के साथ राज्य तथा देश को विकास पथ पर तेजी से आगे ले जाने की जरूरत है।

समृद्ध व सशक्त उत्तराखंड की दिशा में निरंतर अग्रसर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- राज्यपाल गुरमीत सिंह ने दिया विधानसभा में अभिभाषण

अमृत विचारः राज्यपाल गुरमीत सिंह ने अभिभाषण में कहा कि यह कालखंड उत्तराखंड के लिए आर्थिक समृद्धि, सुशासन, सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत संरचना निर्माण का स्वर्णिम दौर रहा है। उत्तराखंड 'समृद्ध एवं सशक्त उत्तराखंड' की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि इस विशेष सत्र के माध्यम से राज्य की विकास यात्रा पर चर्चा के साथ आगामी वर्षों के नए विकास रोडमैप का निर्माण होगा। विश्वास जताया कि, यह सत्र राज्य के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेगा। कहा किख् विकसित उत्तराखंड का अर्थ आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समावेशी और चहुंमुखी विकास से है, जहां प्रकृति और प्रगति दोनों साथ चलें। उन्होंने राज्य के लिए समृद्ध गांव, सशक्त युवा, सशक्त नारी व सुरक्षित पर्यावरण का मंत्र दिया।

कहा कि आने वाले 25 वर्षों में उत्तराखंड को आध्यात्मिकता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, जैविक कृषि और हरित ऊर्जा के आदर्श राज्य के रूप में विकसित किया जाएगा। पलायन रोकने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान देने और पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। विश्वास जताया कि कि सामूहिक प्रयासों से उत्तराखंड 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे एकजुट होकर प्रदेश के हर नागरिक के जीवन में समृद्धि और सम्मान सुनिश्चित करें।

नेता सदन पुष्कर सिंह धामी ने नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से विशेष सत्र से पूर्व भेंट की।

एफआरआई परिसर में अधिकारियों से प्रधानमंत्री के भ्रमण को लेकर की गईं तैयारियों की जानकारी लेते मुख्यमंत्री धामी।

प्रधानमंत्री मोदी के सानिध्य में यह प्रेरणादायक अवसर

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- एफआरआई पहुंचे मुख्यमंत्री धामी ने तैयारियों का लिया जायजा
- निर्देश- यह ऐतिहासिक अवसर गरिमामय तरीके से मनाया जाए

अमृत विचारः उत्तराखंड स्थापना के रजत जयंती उत्सव के नौ नवंबर को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। आला अधिकारियों के साथ एफआरआई पहुंचे मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया और उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने आयोजन स्थल, सुरक्षा व्यवस्था, दर्शक दीर्घा, यातायात प्रबंधन, सांस्कृतिक मंच और स्वागत तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य स्थापना दिवस का यह ऐतिहासिक अवसर गरिमामय और व्यवस्थित तरीके से मनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन उत्तराखंड की 25 वर्ष की विकास यात्रा, संघर्ष और उपलब्धियों का प्रतीक है और प्रधानमंत्री के सानिध्य में यह रजत जयंती समारोह प्रदेश के लिए प्रेरणादायक अवसर होगा।

नौ नवंबर को राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और इस उपलक्ष्य में 11 नवंबर तक प्रदेश भर में रजत जयंती उत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सचिव डॉ. पंकज कुमार पांडेय, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, आईजी गढ़वाल राजीव स्वरुप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी एवं शासन-प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

राष्ट्रपति से हमें अमूल्य मार्गदर्शन मिला: सुमित

देहरादून, अमृत विचार : हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से हमें अमूल्य मार्गदर्शन मिला है। कहा कि, राष्ट्रपति का पक्ष-विपक्ष ने मिलकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। उत्तराखंड की विधानसभा को यह अवसर साल 2015 के बाद मिला है। उत्तराखंड राज्य की जो संपदा है, राज्य की जो भौगोलिक स्थितियां हैं, कैसे सीमांत प्रदेश होने के बावजूद भी यहां के लोगों का गौरव रहा है। चाहे वह सेना का रहा हो, चाहे हमारे किसानों-काश्तकारों का रहा हो, सभी पर राष्ट्रपति ने विशेष ध्यान आकर्षित किया है। मातृशक्ति पर उन्होंने विशेष फोकस किया। हम लोगों को भी आत्ममंथन करने के लिए बोला कि जनता ने जिस भरोसे और विश्वास के साथ हमें यहां भेजा है, उस भरोसे और विश्वास पर हमें लगातार खरा उतरना है, चाहे परिस्थिति कैसी भी हों।

रानीबाग में गुलदार का आतंक, कैमरे लगाए

भीमताल : रानीबाग के चौहानपाटा क्षेत्र में गुलदार का आतंक बना है, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। गुलदार कई लोगों के घरों के सीसीटीवी फुटेज में भी कैद हुआ है। हाल ही में, गुलदार को मेहरा निवास से निकलते हुए और नौगांई निवास के आगे से जाते हुए देखा गया। वन विभाग ने जहां गश्त तेज कर दी है तो ट्रैप कैमरे भी लगाए गए हैं।

उत्तराखंड निरंतर प्रगति व समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर: राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नैनीताल राजभवन के 125वें वर्षगांठ समारोह को संबोधित किया, लघु फिल्म का किया गया आयोजन

- राजभवन नैनीताल के वर्चुअल टूर का लोकार्पण किया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राजभवन नैनीताल की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने राजभवन नैनीताल के वर्चुअल टूर का लोकार्पण किया। इस वर्चुअल टूर के माध्यम से लोगों को ऐतिहासिक राजभवन के डिजिटल भ्रमण का अनुभव मिलेगा। यह वर्चुअल टूर दर्शकों को राजभवन के स्थापत्य कला, प्राकृतिक सौंदर्य तथा ऐतिहासिक महत्व से रूबरू कराएगा। वर्चुअल टूर को राजभवन की वेबसाइट governoruk.gov.in पर जाकर देखा जा सकेगा।

इस अवसर पर राजभवन नैनीताल पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। यह फिल्म राजभवन नैनीताल की गौरवशाली विरासत, स्थापत्य सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करती है। फिल्म के माध्यम से दर्शक राजभवन के इतिहास, उसकी स्थापत्य विशेषताओं और राज्य की समृद्ध विरासत से अवगत हो सकेंगे।

राजभवन नैनीताल के 125वें वर्षगांठ समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, राज्यपाल गुरमीत सिंह, मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी . नरेन्द्र, कैबिनेट मंत्री डॉ . धन सिंह रावत और समारोह में प्रतिभाग करने वाले कलाकार।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे स्वतंत्र भारत में राष्ट्रपति भवन गणराज्य का प्रतीक है, उसी प्रकार राज्यों में राजभवन लोकतांत्रिक व्यवस्था का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य के गठन के उपरांत यह ऐतिहासिक भवन राज्य की प्रगति का अभिन्न हिस्सा बन गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि संसदीय प्रणाली में राज्यपाल राज्य की शासन व्यवस्था के संवैधानिक प्रमुख होते हैं। संविधान निर्माताओं ने राज्यपाल के अधिकारों और कर्तव्यों को गहन विचार-विमर्श के उपरांत निर्धारित किया था। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता राजभवन को एक सम्मानित स्थान के रूप में देखती है, इसलिए राज्यपाल के कार्यालय से जुड़े सभी सदस्यों को सरलता, विनम्रता, नैतिकता और संवेदनशीलता जैसे गुणों का पालन करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने यह जानकर प्रसन्नता व्यक्त की कि उत्तराखंड राज्य अपने गठन से लेकर अब तक निरंतर प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्यपाल और उनकी टीम राज्य के नागरिकों को अमूल्य प्रेरणा प्रदान करते रहेंगे तथा उत्तराखण्ड निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहेगा।

इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राजभवन नैनीताल के प्रथम आगमन पर उनका हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का क्षण है।

उन्होंने राष्ट्रपति का राज्य के प्रति स्नेह, मार्गदर्शन एवं निरंतर सान्निध्य के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। राज्यपाल ने कहा कि जब राजभवन नैनीताल अपने 125वें वर्ष की गौरवशाली यात्रा पर है, यह अवसर हमारे अतीत की गौरवगाथा, वर्तमान की सृजनशीलता और भविष्य की प्रेरणा, तीनों का अद्भुत संगम है। कहा कि राजभवन नैनीताल के 3-डी वर्चुअल टूर की यह पहल डिजिटल इंडिया के उस विजन का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां तकनीक केवल सुविधा का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और विरासत के संरक्षण का सशक्त साधन बन रही है। राजभवन नैनीताल पर आधारित लघु फिल्म हमारी विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। फिल्म यह संदेश देती है कि परंपरा, स्थापत्य और प्रकृति का संतुलन ही हमारे जीवन मूल्यों की वास्तविक प्रेरणा है।

इस अवसर पर उत्तराखंड की समृद्ध लोक संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं, जिन्होंने अतिथियों को राज्य की सांस्कृतिक विविधता, लोक-परंपराओं और लोक नृत्य की सुंदर झलक से परिचित कराया। सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन ने गणमान्य लोगों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेन्द्र, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि के रूप में कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज तिवारी, महाधिवक्ता एस एन बाबुलकर, विधि परामर्शी राज्यपाल कौशल किशोर शुक्ल, आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत, आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल, अपर सचिव राज्यपाल रीना जोशी, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजभवन नैनीताल में संबोधन देतीं राष्ट्रपति।

द्रौपदी मुर्मू कैंची धाम के दर्शन को आने वालीं देश की पहली राष्ट्रपति

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार सुबह कैंची धाम के दर्शन के लिए आएंगी जिसके मद्देनजर मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा कारणों से श्रद्धालुओं से दोपहर 12 बजे के बाद मंदिर आने की अपील की है। अपने तीन दिवसीय उत्तराखंड प्रवास के दूसरे दिन राष्ट्रपति सोमवार को नैनीताल पहुंचीं जिसे देखते हुए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। कैंची धाम मंदिर प्रबंधन ने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रपति के दर्शन कार्यक्रम के कारण श्रद्धालुओं से अपील की गयी है कि वे दोपहर 12 बजे के बाद ही मंदिर आएं क्योंकि उसके बाद ही आम लोगों को दर्शन सुलभ होंगे। श्रद्धालुओं से सुरक्षाकर्मियों और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करने तथा निर्धारित समय के बाद ही आने का आग्रह किया गया है। यह निर्णय सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते लिया गया है । कैंची धाम के दर्शन के लिए आने वाली मुर्मू देश की पहली राष्ट्रपति हैं। पिछले साल 30 मई को तत्कालीन उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी कैंची धाम आए थे।

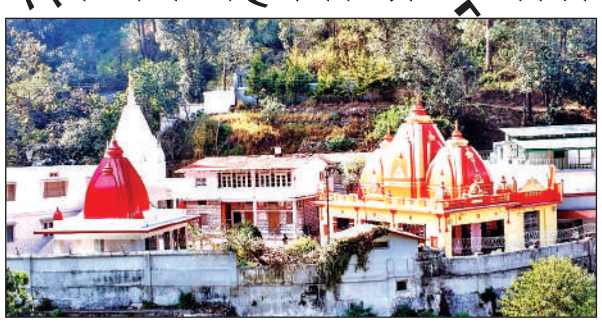

ड्यूटी प्वाइंट पर एसएसपी ने कर्मियों को कराया भोजन

हल्द्वानी : राष्ट्रपति के सुरक्षा बंदोबस्त में घंटों से तैनात ड्यूटी प्वाइंट पर तैनात पुलिस कर्मियों के बीच अचानक एसएसपी मंजूनाथ टीसी पहुंच गए। ड्यूटी प्वाइंटों पर आकस्मिक निरीक्षण कर उन्होंने पुलिस कर्मियों का न सिर्फ उत्साहवर्धन किया बल्कि उन्हें भोजन भी कराया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा दृष्टि से जिले में व्यापक पुलिस बल तैनात। मुख्य बाजारों, चौराहों, नैनीताल बैंक तिराहा, नरीमन तिराहा, तिकोनिया चौराहा, बीरशिवा तिराहा और आर्मी हेलीपैड पर तैनात पुलिस बल ने सतर्कता के साथ प्रभावी गश्त के साथ ही जांच जारी रखी।

सर्वोच्च सुरक्षा में गुजरा काफिला

- हेलीकॉप्टर के लैंड होने से पहले सड़कों पर आवागमन किया बंद
- शाम 4:15 बजे आर्मी हेलीपैड पर हुई हेलीकॉप्टर की लैंडिंग

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सर्वोच्च सुरक्षा के बीच सोमवार शाम सवा 4 बजे राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर ने आर्मी कैंट तिकोनिया के हेलीपैड पर लैंडिंग की। यहां उनका स्वागत किया गया और फिर सैकड़ों सुरक्षा कर्मियों के बीच 65 गाड़ियों के काफिले के साथ वह नैनीताल की ओर रवाना हुईं।

हेलीपैड पर शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह, महापौर गजराज सिंह बिष्ट, मंडलायुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल और एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने राष्ट्रपति का स्वागत किया। लगभग आधे घंटे से अधिक समय उन्होंने आर्मी कैंट में गुजारा और फिर 65 गाड़ियों के लंबे काफिला अचानक आर्मी कैंट से बाहर निकला। लैंडिंग से 10 मिनट पहले ही पुलिस ने नैनीताल रोड पर आवागमन बंद कर दिया था। दुकानें, सभी प्रतिष्ठान और ठंडी सड़क पर भी आवागमन रोक दिया गया। तिकोनिया से राष्ट्रपति का काफिला गुजरा तो उन्होंने हाथ हिला कर जनता का अभिवादन किया।

हल्द्वानी में आर्मी हेलीपैड पर राष्ट्रपति का स्वागत करते राज्यपाल एवं वरिष्ठ अधिकारी।

अधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

नैनीताल : पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने दिनभर शहर के विभिन्न इलाकों में गश्त कर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। सभी प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस, खुफिया और बम निरोधक दस्ते तैनात हैं ।राष्ट्रपति के नैनीताल आगमन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। सुरक्षा कारणों से आम जनता और पर्यटकों को अगले 24 घंटे तक शहर के प्रतिबंधित इलाकों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं।

रिक्शा संचालन रहा ठप

नैनीताल : सोमवार दोपहर 12 बजे के बाद नैनीताल में रिक्शा संचालन पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया। रिक्शा चालक समिति के खड़क सिंह ने बताया कि सुरक्षा कारणों के चलते मंगलवार को भी रिक्शा सेवा बंद रहेगी।

यह आत्मगौरव के साथ अत्यंत भावनात्मक क्षण

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया उत्तराखंड विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजतोत्सव पर आयोजित विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि, राष्ट्रपति का सम्पूर्ण जीवन संघर्ष, समर्पण और राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उनके व्यक्तित्व में मातृत्व की ममता, सेवा का संकल्प और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण का अद्भुत संगम निहित है। उन्होंने सदैव अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के कल्याण को प्राथमिकता देते हुए समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण हेतु कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु ने निजी जीवन में अत्यंत विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए भी हमेशा राष्ट्र सर्वोपरि की भावना से कार्य करते हुए समाज जीवन में अपना योगदान दिया। झारखंड की राज्यपाल के रूप में भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों का अनुसरण करते हुए उन्होंने जनजातीय समाज के उत्थान में अविस्मरणीय भूमिका निभाई। यह दूसरा मौका है कि जब उत्तराखंड की विधानसभा में हमारे देश के राष्ट्रपति का अभिभाषण हो रहा है, इससे पूर्व 18 मई 2015 को पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय प्रणव मुखर्जी ने विधानसभा को संबोधित किया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की प्रथम नागरिक के रूप में राष्ट्रपति द्वारा उत्तराखंड की विधानसभा में दिया जाने वाला ऐतिहासिक अभिभाषण हमारे राज्य के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित किया जाएगा। उनके प्रेरणादायी शब्द आने वाले 25 वर्षों तक उत्तराखंड की प्रगति के लिए हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे। उत्तराखंड 9 नवंबर को अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। यह ऐतिहासिक अवसर प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए आत्मगौरव का क्षण होने के साथ ही अत्यंत भावनात्मक क्षण भी है। उत्तराखंड राज्य हमारी उन असंख्य माताओं, बहनों, युवाओं और जननायकों के अदम्य साहस और संघर्ष का प्रतीक है, जिनके तप, त्याग और बलिदान के बल पर ये गौरवशाली राज्य अस्तित्व में आया।

मुख्यमंत्री ने सभी ज्ञात-अज्ञात राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि अमर आंदोलनकारियों के बलिदान को उत्तराखंड का कोई भी नागरिक कभी नहीं भुला सकता। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति के आशीर्वाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और उत्तराखंड की जनता के सहयोग से हम उत्तराखंड को एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करने के अपने विकल्प रहित संकल्प में अवश्य सफल होंगे।

विशिष्टताओं के साथ विडंबनाओं का भी राज्य

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि, विशिष्टताओं और विविधताओं के साथ उत्तराखंड राज्य विडम्बनाओं का प्रदेश भी है। हमें प्रकृति की मार भी झेलनी पड़ती है। इस साल की राज्य के अनेक पर्वतीय स्थानों के अलावा राजधानी देहरादून जैसे सुरक्षित शहर में भी दर्जनों लोगों ने आपदाओं में जान गंवाई है।

उन्होंने कहा कि, जंगली जानवरों के कारण उत्तराखंड के अधिकांश भू-भाग में खेती बरबाद हो रही है। खेत खलिहान ही नहीं हर सप्ताह हमारे लोग भी जंगली जानवरों के शिकार बन रहे हैं। वन कानून भी आम जन के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। देश की संसद में वर्ष 2006 से वन अधिकार कानून पास हो गया है लेकिन उत्तराखंड का दुर्भाग्य है कि, आज की तिथि तक 65 प्रतिशत वन भूमि वाले इस राज्य में वनाधिकार कानून के तहत दर्जन भर मामलों में भी अधिकार नहीं मिल पाए हैं। उत्तराखंड की सबसे बड़ी समस्या पहाड़ी जनमानस का तीव्रगति से शहरों की ओर पलायन है। कृषि योग्य भूमि की अपर्याप्तता, कष्टप्रद जीवन, रोजगार की तलाश, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाओं के अभाव के कारण पर्वतीय क्षेत्र से पुरुष कार्यकारी शक्ति का पलायन होता जा रहा है। पलायन के कारण गृहस्थी तथा कृषि अर्थव्यवस्था का सम्पूर्ण बोझ महिलाएं सम्भाले हुए हैं।

नहीं मिली पर्वतीय जनमानस को आत्मनिर्भरता, पलायन बढ़ा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, बेरोजगारी की समस्या, वैज्ञानिक कृषि पद्धति के अभाव, बागवानी एवं उद्यानिकी को समुचित प्रश्रय न मिलने तथा लघु एवं कुटीर उद्योगों की उपेक्षा के परिणामस्वरूप पर्वतीय अर्थव्यवस्था में वांछित सुधार और पर्वतीय जनमानस को आत्मनिर्भरता प्राप्त नहीं हो पाई है। इससे न केवल पलायन की समस्या बढ़ी है वरन सामाजिक-आर्थिक विकास के लिये भी गम्भीर चुनौती पैदा हुई है। अनेकों शिक्षण संस्थाओं की स्थापना के बावजूद पर्वतीय इलाकों में तकनीकी शिक्षा का पूर्णत: अभाव बना हुआ है। उत्तराखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में अभी भी कई चुनौतियां हैं, हमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का अभी बहुत विस्तार करना है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, इन सभी खूबियों और कमियों के साथ हम सभी विधानसभा के सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपने बीच पाकर अभिभूत हैं। हमारा सौभाग्य है कि, हम सभी को आज विधानसभा में राष्ट्रपति का मार्ग निर्देशन मिल रहा है। राष्ट्रपति के मार्ग निर्देशन का लाभ उत्तराखंड सरकार राज्य के हित में उठाएगी, ऐसा मेरा विश्वास है। इससे पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने पृथक प्रदेश उत्तराखंड के आंदोलन में प्राणों की आहूति देने वाले राज्य आंदोलनकारियों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

विस ने स्थापित किए अहम आयाम: खंडूडी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- विस के विशेष सत्र में विस अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी ने दिया संबोधन
- विधानसभा में अभी तक हुए विशेष कार्यों की जानकारी दी

अमृत विचारः विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूडी ने स्वागत संबोधन में कहा कि उत्तराखंड विधानसभा की पहली बैठक 12 जनवरी 2001 के दिन आयोजित की गई। तब से अब तक भारतीय लोकतंत्र के उच्च सिद्धांतों और परम्पराओं पर चलते हुए, उत्तराखंड विधानसभा ने कई महत्वपूर्ण आयाम स्थापित किए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के विकास में शोध के महत्व पर जोर देते हैं, इसके लिए भराडीसैंण विधानसभा के अंतर्गत, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. प्रवण मुखर्जी द्वारा स्वीकृत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पार्लियामेंट्री स्टडीज, रिसर्च एंड ट्रेनिंग शुरु किया गया है जिसे विधायी और संसदीय कार्य के साथ ही पॉलिसी प्लानिंग में उच्चकोटी के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने उम्मीद व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रपति के संबोधन से सबमें नई उर्जा का संचार होगा, जिससे उत्तराखंडवासी वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल की दिशा में संकल्पित होकर कार्य कर सकेंगे।

महिलाओं ने अहम भूमिका निभायी

विस अध्यक्ष ने कहा कि, राज्य आंदोलनकारियों का बलिदान हमें, उत्तराखंड के सर्वांगीण विकास के लिए चेष्टावान बनाए रखेगा। उत्तराखंड राज्य निर्माण में मातृशक्ति ने अहम भूमिका निभाई है। उत्तराखंड की महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण, खेती-बाड़ी, समाज सुधार से लेकर राज्य निर्माण आंदोलन में तक सक्रिय भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति के संबोधन से उत्तराखंड की मातृशक्ति गौरवांवित हुई है। कहा कि 25 वर्षों के कालखंड में उत्तराखंड विधानसभा ने महिला आरक्षण विधेयक सहित पांच सौ से अधिक विधेयक पारित किए हैं। वर्ष 2001 में अनंतिम विधानसभा से लेकर वर्तमान विधानसभा के सदस्यों ने महत्वपूर्ण अवसरों पर दलगत राजनीति से उठकर, प्रदेश के सामने उपस्थित चुनौतियों का सफलतापूर्वक सम्मान करते हुए, अपने ज्ञान, विवेक और परिश्रम से आम जनता की आशा, आकांक्षाओं को मूर्त रूप दिया है। इससे प्रदेश में संसदीय लोकतंत्र की नींव भी मजबूत हुई है।

रजत जयंती का उत्साह

उत्तराखंड सरकार के महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को पंख लगा गईं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति के अभिभाषण में निखरे महिला उत्थान के रंग

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः विधानसभा के विशेष सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी के बीच माहौल में कई तरह की खुशियां घुली-मिली रहीं। सबसे खास, उत्तराखंड की स्थापना की रजत जयंती की खुशी थी। एक दिन पहले ही, क्रिकेट में बेटियों के विश्व विजेता बनने की खुशी का भी अलग असर था। इन स्थितियों के बीच, राष्ट्रपति ने उत्तराखंड में नारी सशक्तिकरण के प्रयासों की खुले मन से सराहना की तो माहौल और भी गर्मजोशी से भर गया।

पूरे देश ने महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुए राष्ट्रपति को अक्सर देखा है। उत्तराखंड राज्य की स्थापना में आधी आबादी के प्रयासों का जिक्र अनिवार्य रूप से होता है। ऐसे में गुजरे 25 वर्षों की समीक्षा करते हुए जिस एक विषय को बेहद महत्वपूर्ण माना जाएगा, वो निश्चित तौर पर महिला सशक्तिकरण का विषय है। राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने ही अंदाज में महिला सशक्तिकरण के विषय को प्रभावी ढंग से संबोधित किया। राज्य सरकार के प्रयासों पर अपनी मुहर लगाकर उन्होंने उत्तराखंड को खुश होने का एक और मौका दे दिया।

राष्ट्रपति ने अभिभाषण में राज्य में महिला शिक्षा के विस्तार पर चर्चा की। मातृ-शिशु मृत्यु दर में कमी की बात को प्रमुखता से उभारा। पुरानी पीढ़ी की स्वर्गीय गौरा देवी से लेकर नई पीढ़ी की वंदना कटारिया का नाम लिया। उत्तराखंड आंदोलन में प्रमुख महिला चेहरा स्वर्गीय सुशीला बलूनी के साथ ही बछेंद्री पाल, राधा भट्ट जैसे प्रमुख नामों का उल्लेख किया। पहली महिला स्पीकर ऋतु खंडूडी भूषण की नियुक्ति पर तो उन्होंने कहा कि उत्तराखंड विस ने अपना गौरव बढ़ाया है। राष्ट्रपति ने विधानसभा में महिला सदस्यों की संख्या में वृद्धि की अपेक्षा भी जाहिर की। मुख्यमंत्री द्वारा भारतीय महिला क्रिकेट टीम के विश्व विजेता बनने का जिक्र करने पर राष्ट्रपति ने भी ताली बजाकर खुशी जाहिर की।

विशेष सत्र में विधायकों ने पारंपरिक संस्कृति एवं परिधान के साथ प्रतिभाग किया।

अभिभाषण में यूसीसी की खास तौर पर चर्चा

राष्ट्रपति मुर्मू ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने समानता की मजबूत पैरवी करने वाले संविधान के अनुच्छेद-44 का उल्लेख करते हुए यूसीसी लागू किए जाने की चर्चा की।

सिटी ब्रीफ

व्यापारियों को धूल से निजात दिलाई

भीमताल : भीमताल के ब्लाक रोड़ में इंटरलाकिंग के कार्य के चलते धूल हो गई थी। स्थानीय बाजार के व्यापारियों ने धूल से निजात दिलाने की मांग स्थानीय होटल कारोबारी और जिला मंत्री भाजपा मनोज भट्ट से की। उन्होंने लोनिवि के अवर अभियंता केके पाठक को अवगत कराया गया। जिसके बाद पानी छिड़काव कर लोगों को राहत पहुंचाई गई। स्थानीय व्यापारी धन सिंह राणा, मीनाक्षी भगत, भावेश बिष्ट, रिहान खान, अथर खान, प्रकाश सुयाल व हिमानी सुयाल ने आभार व्यक्त किया है।

निबंध प्रतियोगिता में ममता-प्रियंका अव्वल

रामनगर : राजकीय पॉलिटेक्निक में सतत विकास लक्ष्य सस्टेनलॉल विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में ममता, प्रियंका गौसाईं को प्रथम, रितु जोशी एवं सोहित को दूसरा, रिया बंगारी व प्रियंका रावत को तीसरा और आकृति रावत को चौथा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बीआईएस देहरादून के रिसोर्स पर्सन दीपक पांडे ने छात्रों को सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स की महत्ता एवं मानकीकरण के माध्यम से सतत विकास की दिशा में योगदान पर प्रकाश डाला। केसी पंत के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में विवेक चन्द्र दीक्षित ने कहा कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सतत विकास के लक्ष्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

उस्मान मामले में आईओ पर जुर्माना

हाईकोर्ट ने 13 नवंबर तक का दिया अंतिम अवसर, न्यायमूर्ति आलोक वर्मा की एकलपीठ में सुनवाई

- नाबालिग से यौन शोषण के आरोपी उस्मान का मामला

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट ने नाबालिग से यौन शोषण के आरोपी उस्मान खान के जमानत प्रार्थना पत्र पर सोमवार को सुनवाई करते हुए जांच अधिकारी पर दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

न्यायमूर्ति आलोक वर्मा की एकलपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। सरकार की ओर से और समय की मांग करते हुए कहा गया कि वह इस मामले में कुछ और दस्तावेज अदालत में पेश करना चाहती है। आरोपी की ओर से इसका विरोध करते हुए कहा गया कि राज्य सरकार इस मामले को लटका रही है।

19 जुलाई को सरकार आपत्ति दर्ज कर चुकी है जबकि 16 सितंबर को फॉरेन्सिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट भी पेश करने के साथ ही जवाबी हलफ़नामा दायर कर चुकी है। अब राज्य सरकार दस्तावेज़ दाखिल करने के नाम पर और समय की मांग कर रही है। आरोपी के अधिवक्ता डॉ. कार्तिकेय हरि गुप्ता ने कहा कि पीठ ने सरकार को अंतिम अवसर देते हुए 13 नवंबर की तिथि तय कर दी और साथ ही जांच अधिकारी पर दस हज़ार रुपये का जुर्माना लगा दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 13 नवंबर को होगी।

फॉरेस्ट फायर पर सुनवाई जारी

नैनीताल : हाइकोर्ट ने फायर सीजन में प्रदेश के जंगलों में लगने वाली आग पर स्वत: संज्ञान लिए जाने वाली जनहित याचिका सहित कई अन्य जनहित याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने हाईकोर्ट के पूर्व के आदेशों के अनुपालन सम्बन्धी रिपोर्ट पेश न करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए 4 नवम्बर को रिपोर्ट पेश करने को कहा है। याचिका की सुनवाई आज भी जारी रहेगी। कोर्ट ने कहा कि जंगलों की आग से पर्यावरणीय क्षति, जंगलों में रहने वाले पशु, आम नागरिकों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। कोर्ट वर्ष 2017 से राज्य सरकार का मार्गशन करते हुए निर्देश दे रही है किन्तु अभी तक सरकार उन निर्देशों का अनुपालन नहीं कर रही है। राज्य सरकार कोर्ट को बताए कि पूर्व में दिए गए दिशा निर्देशों पर कितना अमल किया गया।

शपथपत्रों से संतुष्ट नहीं हुई कोर्ट

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने वन विभाग, राजकीय राजमार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग, वन भूमि व राजस्व भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई को 6 नवम्बर की तिथि नियत की है। सरकार द्वारा पूर्व में दिए गए शपथपत्रों से खंडपीठ सन्तुष्ट नहीं हो पाई। कोर्ट ने पूर्व में कहा था कि पूर्व में जारी आदेशों का अनुपालन राज्य सरकार विधि अनुसार करे लेकिन अभी तक कागजी कार्यवाही के अलावा धरातल पर कोई कार्य नहीं किया जिस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से अभी तक दिए गए दिशा निर्देशों पर जवाबी हलफनामा पेश करने को कहा है।

आज रिपोर्ट पेश करे सिंचाई विभाग

नैनीताल : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने गोमुख से उत्तरकाशी तक भागीरथी ईको सेंसेटिव जोन में एनजीटी के निर्देशों के विपरीत अवैध होटल और रिसॉर्ट बनाने की अनुमति देने के मामले में राज्य सहित सिंचाई विभाग से मंगलवार तक रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सोमवार को सुनवाई पर डीएम उत्तरकाशी सहित कई अधिकारी कोर्ट में व्यक्तिगत उपस्थित हुए। उनके द्वारा कोर्ट में पेश किए गए रिकॉर्ड से कोर्ट सन्तुष्ट नहीं हुई जिस पर कोर्ट ने उनसे प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

स्वास्थ्य शिविर में हुए 15 आपरेशन

लालकुआं: ग्राम सभा दौलिया हल्दूचौड़ के शहीद जगदीश जोशी सभागार में माधवी फाउंडेशन के नेतृत्व में दो एकीकृत निशुल्क शिविरों का सफल आयोजन किया गया। इन शिविरों में प्रभु नेत्रालय, रुद्रपुर के सहयोग से नेत्र जांच शिविर और पशुपालन विभाग के सहयोग से पशु चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित किए गए।

नेत्र जांच शिविर में 15 जरूरतमंद लोगों को मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। शिविर में प्रभु नेत्रालय, रुद्रपुर के अनुभवी नेत्र चिकित्सकों ने सेवाएं प्रदान कीं। पशुपालन विभाग के सहयोग से आयोजित इस शिविर में पशुओं का चिकित्सीय परीक्षण, टीकाकरण और दवाइयों का वितरण किया गया। पशु चिकित्साधिकारी हिमांशु धर्मसत्तू ने बताया कि दुधारू पशुओं के लिए डिवार्मिंग दवाइयाँ, मिनरल मिक्सचर व अन्य आवश्यक दवाइयाँ पंजीयन शुल्क पर उपलब्ध कराई गईं। विभाग ने पशुपालकों को निःशुल्क चारे के बीज भी वितरित किए, जिससे उन्हें मौसमी चारे की समस्या में तुरंत राहत मिली। माधवी फाउंडेशन के अध्यक्ष पीयूष जोशी, प्रधान राधा कैलाश भट्ट, रुक्मणी नेगी, कनिष्ठ प्रमुख कमल भंडारी, अनिल कुमार सती आदि मौजूद रहे।

जंगल में मिला महाराष्ट्र के युवक का कंकाल

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रविवार देर शाम रामनगर वन प्रभाग के अंतर्गत टेडा जंगल के भीतर एक नर कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया।

पुलिस की माने तो फॉरेस्ट गार्ड ने गश्त के दौरान जंगल में साल के पेड़ के नीचे कुछ हड्डियां और पास ही एक जबड़ा देखा। उसने तत्काल इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलने पर कोतवाल सुशील कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। मौके से पुलिस को एक क्षतिग्रस्त लैपटॉप और एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ। मोबाइल की जांच में दो सिम कार्ड और एक मेमोरी चिप मिली, जिसमें कई फोटोग्राफ्स मौजूद थे। सिम में दर्ज नंबरों के आधार पर जब पुलिस ने संपर्क किया तो एक नंबर मृतक के परिजनों का निकला।

पुलिस ने बताया कि परिजनों से बातचीत में मृतक की पहचान प्रशांत सिल्के उम्र 21 वर्ष पुत्र रामचंद्र निवासी अहिल्या नगर, थाना अकुले, महाराष्ट्र के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि प्रशांत करीब डेढ़ साल पहले घर से दिल्ली नौकरी की तलाश में गया था, लेकिन उसके बाद से उसका कोई पता नहीं चला। इस मामले में परिजनों ने 31 जुलाई 2024 को थाना उद्योग विहार, जिला गुरुग्राम (हरियाणा) में प्रशांत की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। तब से उसका मोबाइल फोन बंद था और परिवार उसकी लगातार तलाश कर रहा था। पुलिस ने बताया कि जिस स्थान पर कंकाल मिला, वहां पेड़ पर जूते के फीते बंधे हुए पाए गए, जिससे प्रथम दृष्टया यह प्रतीत होता है कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की होगी। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मृत्यु का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी है और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। परिजन सोमवार देर शाम तक रामनगर पहुंचने वाले हैं।

गश्त पर उठे सवाल

वन विभाग की वन सुरक्षा के लिए होने वाली नियमित गश्त पर भी सवाल उठे है। एक व्यक्ति का शव जंगल में सड़ गल को कंकाल के रूप में तब्दील हो गया और जंगलों में गश्त करने वाले वन कर्मियों को इसकी जानकारी तक नहीं मिली।

खाटू श्याम के भजनों की धुन पर जमकर थिरके भक्त

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचारः प्राचीन शिव मंदिर में कांवड़ सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार रात को बाबा खाटू श्याम के जन्मोत्सव पर भव्य जागरण का आयोजन किया गया। श्रद्धा व भक्ति के माहौल में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में देर रात तक क्षेत्र के श्रद्धालु झूमते व भजन-कीर्तन में डूबे दिखाई दिए। दिन में हनुमान मंदिर से शिव मंदिर तक ध्वज यात्रा निकाली गई, जिसमें भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

देर शाम को कार्यक्रम आयोजक मयंक गुप्ता ने बाबा खाटू श्याम की पूजा-अर्चना की। इसके बाद भक्तों ने बाबा खाटू श्याम का फूल-मालाओं से मनोहारी श्रृंगार किया व दीप प्रज्वलन कर जगतपालक से सुख-समृद्धि की कामना की।गायक कलाकार बिट्टू बाबा व गायिका खुशी यादव ने श्याम तेरी बंसी पुकारे राधा नाम, हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा जैसे लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति देकर भक्तों के कदमों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। भक्तों ने तालियां बजाकर व भजनों में झूमकर कलाकारों का उत्साह बढ़ाया व श्याम के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। रातभर चले जागरण में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। भक्तों ने बाबा श्याम से परिवार, समाज व क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मेहर सिंह बिष्ट, गोविंद पांडे, दीपक मित्तल, आयुष मित्तल, राहुल पाल, वार्ड मेंबर सुमन अधिकारी, कविता वालिया, हर्षित, धीरज, विक्रम, तरुण अग्रवाल, जीवन मंगोलिया, सोनिया, गीता आदि मौजूद रहे।

दो दिवसीय सर्वोदय संकल्प शिविर शुरू

कालाढूंगी: राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा दो दिवसीय सर्वोदय संकल्प शिविर का का आयोजन नगर के निजी रिजार्ट में किया गया। कार्यक्रम कालाढूंगी-कोटाबाग के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया।

गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर बृजभूषण पांडेय व अध्यक्ष ललित फर्स्वाण ने प्रशिक्षण में राष्ट्र निर्माण, भारत के लिए संघर्ष, संविधान, कांग्रेसजनों का देश की आजादी, विकास में योगदान व मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति जैसे विषयों पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष मनोज बिष्ट, कुमाऊं संयोजन नीरज तिवारी, संगठन महासचिव पीयूष बिष्ट, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप तड़ियाल, संतोष पांडेय, पूर्व दुग्ध संघ अध्यक्ष संजय किरौला, पूर्व चेयरमैन दीप सती, महेश कांडपाल, प्रधान हेमू पडलिया, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख जया कर्नाटक, जिपंस अर्णव कंबोज रहे।

पीडब्ल्यूडी ने इंटरलॉकिंग टाइल बिछाना शुरू किया

खबर का असर

- अमृत विचार ने मामले को लेकर प्रकाशित की थी खबर
- स्थानीय लोगों ने काम शुरू होने पर जताई प्रसन्नता

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचारः भीमताल नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड-9 और नैनीताल विधानसभा में आने वाले मेहरा गांव में लोक निर्माण विभाग ने इंटरलॉकिंग टाइल बिछाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

मालूम हो कि अमृत विचार अखबार ने निविदा होने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं होने को लेकर समाचार प्रकाशित किया था। जिसका संज्ञान लेते हुए लोक निर्माण विभाग में लोगों की समस्याओं को देखते हुए साततताल से नीचे इंटरलॉकिंग टाइल बिछाने का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

सभासद नीरज रैकुनी ने बताया कि वर्तमान में भी अभी पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है जिसके लिए वह उच्च अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। बताया कि मार्केट किनारे-किनारे बनाई गई नालियों का ढलान ठीक नहीं होने के कारण बरसात में पानी मोटर मार्ग में बहता है।

इधर इंटरलॉकिंग टाइल बिछाने का काम शुरू होने पर स्थानीय जनता ने लोक निर्माण विभाग और अमृत विचार का आभार व्यक्त किया है।

गोवंश से कुकर्म, सीसीटीवी में कैद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

मुखानी में कुकर्मी की हरकतों के बारे में बतातीं महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मुखानी थानाक्षेत्र में गोवंश से कुकर्म करने का एक और मामला सामने आया है। इसके बाद इलाके में आक्रोश है। समुदाय विशेष के आरोपी की पहचान उजागर होने पर लोगों ने उसे पकड़ना चाहा, लेकिन आरोपी को उसी के मकान मालिक ने भगा दिया। गोवंश से कुकर्म के आरोपी का चेहरा घटना स्थल के पास लगे सीसीटीवी में कैद हो गया और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

पुलिस को दी तहरीर में आरटीओ रोड निवासी गिरीश पांडे पुत्र रमेश पांडे ने बताया कि मंगला विहार गैस गोदाम रोड पर भुवन जोशी नाम के व्यक्ति का मकान है। इनका मकान हमेशा किरादारों से भरा रहता है। आरोप है कि बीती 31 अक्टूबर को जब क्षेत्रीय लोगों ने इलाके में लगा सीसीटीवी फुटेज चेक किया। चेक करने पर पता लगा कि गिरीश पांडे के मकान के सामने मैदान में एक गोवंश बैठा था और युवक उसके साथ कुकर्म कर रहा था। इस सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद लोगों में आक्रोश फैल गया। पता लगा कि गाय के साथ कुकर्म करने वाला समुदाय विशेष का युवक है। आरोप है कि घटना के खिलाफ जब लोग एकजुट हुए तो मकान मालिक ने आरोपी को वहां से भगा दिया। आरोपी इलाके की महिलाओं से भी बदलूकी और छेड़छाड़ करते रहता है। आरोप यह भी है कि रमेश अपने किराएदारों का सत्यापन नहीं कराते और जब लोग विरोध करते हैं तो वह जान से मार डालने की धमकी देते हैं। क्षेत्रीय निवासी भावना ने भी पुलिस को तहरीर सौंपी है। मुखानी थानाध्यक्ष दिनेश जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

वैक्सीनेशन के दौरान मौजूद इनरव्हील क्लब हल्द्वानी की पदाधिकारी। ● अमृत विचार

क्लब ने बच्चों को कैंसर की वैक्सीन लगवाई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः इनरव्हील क्लब हल्द्वानी की तरफ से सोमवार को तीन बच्चों को सर्वाइकल कैंसर की वैक्सीन लगवाई गई। क्लब की अध्यक्ष मधुर अग्रवाल ने बताया कि, इन बच्चों को क्लब के सहयोग से डा. गरिमा द्वारा वैक्सीन लगवाई गई। इसके साथ ही बच्चों को दुलार देते हुए उन्हें फल, फ्रूटी एवं बिस्कुट वितरित किए गए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष के साथ ही कोषाध्यक्ष शशि खंडेलवाल, दीपा तिवारी एवं सुशीला भाकुनी आदि उपस्थित रहे।

टेबल टेनिस में राजीव व शुभम की जोड़ी ने जीता युगल खिताब

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः महेंद्र निर्मल टेबल टेनिस क्लब द्वारा रामनगर ओपन टेबल टेनिस प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि कार्बेट टाइगर रिजर्व साकेत बडोला को पुरस्कृत किया।

बता दें कि मुख्य अतिथि डॉ. साकेत बड़ौला स्वयं टेबल टेनिस के अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने भी एकल एवं युगल प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एकल विजेता राजीव कुमार एवं उप विजेता पंकज कुमार शर्मा रहे। राजीव कुमार ने पंकज कुमार शर्मा को 11-7, 11-6, 11-6 से हराकर एकल ट्रॉफी जीती। युगल प्रतियोगिता में राजीव कुमार एवं शुभम पपनै की जोड़ी ने डॉ. साकेत बड़ौला एवं हिमांशु तिवारी की जोड़ी को 11-8, 11-7, 6-11, 11-6 से हराकर युगल का खिताब प्राप्त किया। प्रतियोगिता में रामनगर के सभी नए पुराने खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें सलिल गुप्ता, विशाल अग्रवाल, दीप गर्ग, विमल मल्होत्रा, कृपाल बिष्ट, आनंद बिष्ट, पुलकित शर्मा, हेमंत शाह, मनीष कुमार, गिरीश पांडे, विक्रांत, लोकेश अधिकारी, राहुल, राजीव कुमार शामिल रहे। इस दौरान पंकज कुमार शर्मा ने क्लब में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों को निशुल्क खेलने का प्रस्ताव दिया। जिससे खिलाड़ियों की प्रतिभा में निखार आ सके। खिलाड़ी विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेकर मेडल प्राप्त करके प्रदेश एवं देश का नाम ऊंचा कर सके।

विजेताओं को पुरस्कृत करते सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला। ● अमृत विचार

डिजिटल माध्यमों के प्रयोग की जानकारी

नैनीतालः उत्तराखंड राज्य स्थापना रजत जयंती वर्ष के अवसर पर नगर पालिका परिषद नैनीताल के सभागार में पेंशनरों के लिए जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, आयकर नियमों के सरलीकरण, साइबर सुरक्षा एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।शिविर में एसबीआई नैनीताल शाखा के सहयोग से विशेषज्ञों ने पेंशनरों को डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार वे घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं और साइबर ठगी से स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं। सीटीओ नैनीताल कमलेश भंडारी, टीओ अपूर्व देवल, एटीओ रितेश मेहरा, रणजीत सिंह नेगी, नंदन सिंह भाकुनी, अकाउंटेंट पूजा कन्याल, मयूर कुमार, पूजा पडलिया रहे।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों जैसी सुविधाओं की मांग

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचारः राज्य आंदोलनकारियों ने अपनी ज्वलंत समस्याओं को लेकर तहसील परिसर में प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री धामी को ज्ञापन भेजा।

राज्य आंदोलनकारी मंच के संयोजक चंद्रशेखर जोशी की अगुवाई में प्रशासनिक अधिकारी सुशील कुमार के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में बताया गया है कि 42 से ज्यादा आंदोलनकारियों की शहादत, खटीमा, मसूरी, मुजफ्फरनगर में अपनी इज्जत, आबरू गंवाने तथा हजारों आंदोलनकारियों के दमन के बाद अस्तित्व में आया उत्तराखंड राज्य आज तक राज्य शहीदों के सपनों के अनुरूप नहीं बन सका। ज्ञापन में राज्य आंदोलनकारियों ने उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तरह मिलने वाली समस्त सुविधाएं दिए जाने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में प्रभात ध्यानी, पुष्कर दुर्गापाल, इंद्र सिंह मनराल, शेर सिंह लटवाल, योगेश सती, आसिफ आदि थे।

सीएम को ज्ञापन भेजते राज्य आंदोलनकारी।

आयोजन | उद्घाटन विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, लालकुआं नगर पंचायत के चेयरमैन सुरेंद्र लोटनी ने किया

इंद्रा एकेडमी के अधिवेशन में रंगारंग कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, हल्दूचौड़

अमृत विचारः इंद्रा एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, दुमका बंगर उमापति का छठा वार्षिक अधिवेशन 'ज्योतिर्गमय' थीम के साथ बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, लालकुआं नगर पंचायत के चेयरमैन सुरेंद्र लोटनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित दुमका, विद्यालय प्रबंधक उमाशंकर जोशी और प्रधानाचार्या कमला जोशी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मंच पर विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उनके मनमोहक नृत्य, मधुर गीत और प्रभावशाली नाट्य मंचन ने दर्शकदीर्घा में बैठे अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। बच्चों के शानदार प्रदर्शन पर सभी ने खूब तालियां बजाईं। पूरे समारोह में अंधकार से प्रकाश की ओर की भावना हर प्रस्तुति में साफ झलकती रही, जो ज्योतिर्गमय थीम का मूल संदेश था। अपने संबोधन में विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि, विद्यालय केवल पढ़ाई का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार और उज्जवल भविष्य की प्रयोगशाला है। ज्योतिर्गमय थीम बच्चों को यह संदेश देती है कि वे अपने जीवन में सदैव ज्ञान और सत्य के प्रकाश की ओर अग्रसर रहें।

वहीं, नगर पंचायत चेयरमैन सुरेंद्र लोटनी ने एकैडमी परिवार की प्रशंसा की। विद्यालय प्रबंधक उमाशंकर जोशी एवं प्रधानाचार्या कमला जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया और बताया कि संस्था बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों पर विशेष ध्यान दे रही है। अंत में, शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी हेमवती नंदन दुर्गापाल, इंदर सिंह बिष्ट, ग्राम प्रधान जग्गी बंगर निर्मला जग्गी पंवार, ग्राम प्रधान पदमपुर देवलिया रमेश जोशी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कमला दुर्गापाल, देवेंद्र तिवारी, सेमफोर्ड स्कूल के प्रबंधक सागर बिष्ट, भारतीय वीर सैनिक स्कूल के प्रबंधक बसंत पांडे, एआरपी के राजेंद्र पांडे, एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रबंधक सौरव पाठक और गौरव पाठक समेत तमाम स्थानीय जनप्रतिनिधि, अभिभावक, विभिन्न स्कूलों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य रहे।

हल्दूचौड़ में इंद्रा एकेडमी के वार्षिकोत्सव का उद्घाटन करते अतिथि। ● अमृत विचार

जन सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

रामनगर : 9 नवंबर को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस पर समाजवादी लोक मंच द्वारा आयोजित जन सम्मेलन की तैयारियां तेज हो गई हैं। सम्मेलन सफल बनाने के लिए मंच का नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से जन संपर्क अभियान लगातार जारी है। कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए मंच ने पर्चा-पोस्टर जारी कर ग्राम पूछड़ी, मालधन व बांसीटीला में बैठकों का आयोजन कर क्षेत्र की जनता से 9 नवंबर को दिन में 11:00 बजे फायदे वाली रामलीला, रामनगर में पहुंचने का आह्वान किया। ग्राम बांसीटीला में सभा को संबोधित करते हुए मंच के संयोजक मुनीष कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री जनता से वसूले गए टैक्स का एक हजार करोड़ रुपयों से भी अधिक विज्ञापनों पर खर्च करके स्वयं ही अपनी पीठ ठोंक रहे हैं।

मोटर मार्ग का निरीक्षण करते ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली। ● अमृत विचार

सड़क की खराब गुणवत्ता पर जताई नाराजगी

भीमताल, अमृत विचार : विकासखंड ओखलकांडा के अंतर्गत ब्लॉक प्रमुख केडी रुवाली ने पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित हो रहे अधोड़ा–मीडार मोटर मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान मोटर मार्ग की गुणवत्ता सही नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने तत्काल कार्य को रोककर गुणवत्ता के साथ पुन: कार्य करने के निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर कार्य को पुन: शुरू करने की जानकारी दी। ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता को लेकर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य गरगड़ी प्रकाश सिंह मेहता, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अधोड़ा रमेश सिंह मेहता, देवली के ग्राम प्रधान बीडी महतोलिया तथा क्षेत्र के अन्य निवासी मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

नेत्र शिविर में 96 लोगों ने करवाया उपचार

हल्द्वानी : राजेन्द्र नगर वार्ड 12 में पार्षद प्रीति आर्या और कांग्रेस नेता हेमंत साहू के प्रयासों निशुल्क नेत्र शिविर लगा। शिविर में 96 मरीजों की आंखों की जांच की गई और उनका उचित इलाज किया व नि:शुल्क दवा दी गई। शिविर में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 12 लोगों का चयन किया गया, जिनका ऑपरेशन रुद्रपुर स्थित प्रभु नेत्रालय में आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क किया जाएगा। साथ ही मरीजों को बताया गया कि किस तरह से उन्हें अपनी आंखों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। पार्षद प्रीति आर्या ने कहा कि इस तरह के शिविर जरूरतमंद लोगों के लिए बहुत लाभकारी होते हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी आंखों की नियमित जांच कराएं और स्वस्थ दृष्टि बनाए रखें। समाजसेवी रामजी लाल गुप्ता, जीत सिंह, सचिन राठौर, काजल आर्या, ममता कश्यप थे।

आपदाग्रस्त सड़कों की मरम्मत को मांगा बजट

हल्द्वानी : भाजपा विधायक राम सिंह कैड़ा ने विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान लोनिवि मंत्री सतपाल महाराज से मुलाकात की और भीमताल विधानसभा के क्षतिग्रस्त मोटर मार्गों की मरम्मत की मांग की। विधायक कैड़ा ने कहा कि ओखलकांडा,धारी, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के कई मोटर मार्ग आपदा से क्षतिग्रस्त हो गए गए हैं जिस वजह से ग्रामीणों को परेशानियों का समाना करना पड़ रहा है। लोनिवि मंत्री से आपदाग्रस्त मार्गों के डामरीकरण, निर्माण करने के लिए स्वीकृति करने की मांग की। इसके साथ ही छोटा कैलाश मंदिर, देवगुरु महाराज मंदिर, विनायक स्थित गोलज्यू देवता मंदिर, हरीशताल, लोहाखामताल को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने की मांग की ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल सके।

6 को आंदोलनकारियों का होगा सम्मेलन

हल्द्वानी : उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारियों ने राज्य गठन के 25 साल बाद भी मूलभूत समस्याओं का समाधान न होने पर आक्रोश व्यक्त करते हुए 6 नवंबर को रामनगर में एक महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस सम्मेलन में राज्य की दशा-दिशा और आंदोलनकारियों की समस्याओं पर विमर्श कर आगे की रणनीति बनाई जाएगी, जिसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी आमंत्रित किया गया है। बैठक में खड़क सिंह बगड़वाल, प्रभात ध्यानी, भुवन जोशी, नरेंद्र कुमार पांडे, भुवन चंद्र तिवारी आदि सहित कई वरिष्ठ आंदोलनकारी उपस्थित थे।

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के दावे फेल वार्ड 43 में एक सप्ताह से नहीं उठा कूड़ा

कॉलोनी के लोगों ने पॉलीथिन व कट्टों में भरकर इकट्ठा किया कूड़ा, बीमारी का डर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम की ओर से शहर के सभी वार्डों में रोजाना डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन का दावा किया जाता है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। आरटीओ रोड स्थित वार्ड 43 के सत्या विहार क्षेत्र में करीब एक सप्ताह से कूड़ा नहीं उठाया गया है। कूड़ा न उठाए जाने के कारण लोगों के घरों में गंदगी का अंबार लग गया है। मजबूरन कॉलोनी के लोग कूड़ा पॉलीथीन व कट्टों में भरकर घरों के कोनों में जमा कर रहे हैं। जमा कचरा अब सड़-गलने लगा है, जिससे दुर्गंध फैल रही है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि दीपावली के बाद मात्र एक बार कॉलोनी से कूड़ा उठाया गया। उनका कहना है कि निगम की कूड़ा गाड़ी वार्ड के आधे हिस्से तक तो पहुंचती है, लेकिन दूसरे आधे हिस्से को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। इससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। घरों में गेट पर अतिथियों का स्वागत किया जाता है, लेकिन यहां घर में प्रवेश करते ही कूड़े से लोगों का स्वागत हो रहा है। जहां अधिकांश लोगों ने मजबूरन घरों में कूड़ा इकट्ठा कर रखा है, तो वहीं कुछ लोग दुर्गंध और मच्छरों से बचने के लिए सड़क पर कूड़ा डाल रहे हैं, जिससे सड़क से गुजरने वाले लोगों को भी परेशानी हो रही है। इधर, वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि नगर निगम की ओर से प्रत्येक वार्ड में रोजाना डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड 43 की समस्या को लेकर जांच की जाएगी और इसका निस्तारण किया जाएगा। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने कहा कि वार्ड में कूड़ा नहीं उठाए जाने को लेकर उनको कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जाएगी और इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कूड़ा गाड़ी के न आने से लोगों के घरों में पड़ा कूड़ा। ● अमृत विचार

सत्या कॉलोनी में कूड़ा गाड़ी नहीं पहुंच रही है। दिवाली के बाद गाड़ी केवल एक बार कॉलोनी में पहुंची है। जिससे लोगों के घरों में कूड़ा इकट्ठा हो चुका है और इसका निस्तारण नहीं होने से मच्छर पनप रहे हैं। -माया नेगी

कूड़ा नहीं उठने से लोगों को अपने घरों में कूड़ा इकट्ठा करना पड़ रहा है। एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन कूड़ा गाड़ी कॉलोनी में नहीं पहुंच रही है और दुर्गंध और मच्छर पनपने से लोगों में बीमारी का डर बना हुआ है। -लता पंत

कूड़ा गाड़ी के चालक अपनी मनमानी के हिसाब से कॉलोनी में कूड़ा उठाने पहुंचते हैं। दिवाली से पहले एक-दो दिन छोड़कर गाड़ी कॉलोनी में पहुंच रही थी, लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही से कूड़ा नहीं उठ रहा है। -मनीषा बिष्ट

वाहन चालक और सफाई कर्मचारियों को रोजाना कूड़ा उठाने की अपील कर चुके हैं। इसके बावजूद कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। वार्ड में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने से लोग परेशान हैं। - चेतना कांडपाल

वार्ड में इंसुलेटेड वायर डाले जाने की मांग

हल्द्वानी : तल्ली हल्द्वानी क्षेत्र के लोगों ने सोमवार को अपने वार्ड में लगे खतरनाक हाई टेंशन (11 केवी) तारों को इंसुलेटेड रबर वायर से बदलने की मांग को लेकर यूपीसीएल ग्रामीण की सहायक अभियंता शुभा जोशी को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर पार्षद मनोज जोशी ने कहा कि जहां मुख्य मार्गों पर यूपीसीएल की ओर से हाई टेंशन वायर को इंसुलेटेड रबर वायर से बदला जा रहा है।

वहीं, वार्ड के अंदरूनी इलाकों में अब भी घरों के ऊपर से हाई टेंशन लाइन गुजर रही हैं, जो किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। बताया कि बिहारी कॉलोनी, केशवपुरम, शक्तिविहार, अंबा विहार, डी-क्लास मल्ला, खन्ना फार्म, श्रीपुरम आदि क्षेत्रों में ये 11 केवी लाइनें घरों के ऊपर से गुजर रही हैं। उन्होंने मांग की कि इन जगहों पर भी शीघ्र इंसुलेटेड रबर वायर डाली जाए और जहां लाइनें नीचे से गुजर रही हैं। वहां, पोल लगाकर तारों की ऊंचाई बढ़ाई जाए। शुभा जोशी ने पार्षद के साथ मौके पर सर्वे भी किया और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में सीमा पाल, जानकी, राजमाला, संतोष पाल, सोनम, पूजा, लीलावती, सीमा यादव, अमृता, चंद्रा मंडल, सुनीता, रानी, बचुली देवी, स्वीटी, नंद किशोर, जीवन सती आदि शामिल रहे।

विरोध-समर्थन राजनीतिक जीवन का हिस्सा : भगत

विधायक बंशीधर भगत से मिलते कालाढूंगी-कोटाबाग के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सोशल मीडिया पर कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत की खिलाफत का वीडियो वायरल की उनकी छवि धूमिल किए जाने के विरोध में कार्यकर्ताओं ने विधायक से मुलाकात की। उन्होंने इस वीडियो की निंदा की है।

कालाढूंगी और कोटाबाग के दर्जनों कार्यकर्ता विधायक के ऊंचापुल स्थित आवास पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि कालाढूंगी के वार्ड-6 में जनता लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रही थी, एक व्यक्ति ने सड़क बनाने में बाधा उत्पन्न कर रहा था। इस पर विधायक एसडीएम, तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचें और 200 परिवारों को लाभ पहुंचाने वाली सड़क के निर्माण का शिलान्यास किया। इस बीच कुछ परिवारों ने सड़क निर्माण में उनकी भूमि काटने का आरोप लगाते हुए निर्माण का विरोध किया। इस पर विधायक ने अधिकारियों के साथ मशविरा कर कोर्ट से स्थगन का आदेश प्राप्त भूमि के हिस्से को छोड़ते हुए सड़क निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए। किसी ने उक्त घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। कार्यकर्ताओंने ने छवि धूमिल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस पर विधायकने कार्यकर्ताओं को समझाया कि सहमति-असहमति, पक्ष-विपक्ष, विरोध-समर्थन सब राजनीतिक जीवन का हिस्सा है। विक्रम जंतवाल, कमलेश पांडे, गोपाल बुडलाकोटी, विधायक प्रतिनिधि मयंक तिवारी, सांसद प्रतिनिधि भगवान तिवारी, हेम तिवारी, धर्म दत्त सती आदि रहे।

बच्चों को आपदा से बचाव के टिप्स

हल्द्वानी : पीएम श्रीअटल उत्कृष्ट शहीद बहादुर सिंह मटियाली राजकीय इंटर कॉलेज पतलोट में सोमवार को 15वीं वाहिनी राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कमांडेंट सुदेश कुमार दराल की ओर से अपग्रेडेड स्कूल सेफ्टी प्रोग्राम के तहत टीम ने आपदा से निबटने के लिए प्रशिक्षण दिया।

इंस्पेक्टर पंकज कुमार के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम ने ओवरव्यू-रोल और रिस्पांसिबिलिटी ऑफ एनडीआरएफ, हृदयघात होने पर सीपीआर, गला चोक होने पर उपाय, ब्लीडिंग कंट्रोल, इमरजेंसी/नॉन इमरजेंसी मूव, इंप्रोवाइज ढंग से स्ट्रेचर तैयार करना, फायर इमरजेंसी, बाढ़, भूकंप के दौरान क्या करना है और क्या नहीं करना है के बारे में बताया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य आशुतोष साह शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

चरस के साथ दबोचा गया व्यक्ति निकला हत्यारोपी

संवाददाता, रामनगर

- सोनीपत में हुई हत्या के एक मामले में आरोपी है सुरेंद्र
- छह साल से परिवार के साथ रह रहा था मालधनचौड़ में

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान चलाते हुए 104 ग्राम अवैध चरस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई की। जांच में पता चला कि गिरफ्तार व्यक्ति सुरेंद्र, सोनीपत (हरियाणा) में हुई एक हत्या का आरोपी है। वह पिछले छह साल से अपने परिवार के साथ मालधन क्षेत्र में रहकर खेती-बाड़ी कर रहा था।

मालधनचौड़ पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर रविवार की देर शाम ढेला नदी के पास मालधनचौड़ नंबर 7 निवासी सुरेंद्र सिंह को 104 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि आरोपी मुख्य रूप से सोनीपत, हरियाणा का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि सोनीपत पुलिस को इसकी लंबे समय से तलाश थी, लेकिन वह हर बार पुलिस को चकमा देकर फरार हो जाता था। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उसे जेल भेज दिया है।

प्रकाश पर्व को लेकर निकाली प्रभात फेरी

संवाददाता, हल्द्वानी/ लालकुआं

अमृत विचार: प्रथम गुरु गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा रामलीला ग्राउंड की ओर से आयोजित छठी और अंतिम प्रभात फेरी सोमवार को आस्था और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। नाम मिले ता जीवा, नानक नाम मिले...जैसे कीर्तन गुरबाणी गायन के साथ प्रभात फेरी निकाली गई।

सोमवार सुबह 5 बजे गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से आरंभ हुई यह प्रभात फेरी मीरा मार्ग, बरेली रोड, धरमपुरा गली, नैनीताल रोड, कारखाना बाजार और पटेल चौक से होते हुए वापस गुरुद्वारा सिंह सभा में संपन्न हुई। इस दौरान साध संगत में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग एकत्रित हुए, जिन्होंने कीर्तन गायन करते हुए गुरु नानक देव की महिमा का बखान किया। जगह-जगह स्थानीय लोगों की ओर से प्रभात फेरी का पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। प्रभात फेरी के समापन के बाद, समूह संगत की तरफ से गुरुपर्व की पूर्व संध्या पर अखंड साहिब पाठ की आरंभता की गई। अखंड साहिब पाठ की शुरुआत गुरुद्वारा सिंह सभा के ग्रंथी ज्ञानी, हरभजन सिंह की ओर से की गई। इस दौरान संगत ने प्रसाद ग्रहण किया। इस धार्मिक आयोजन में कवलजीत सिंह उप्पल, जसबीर सिंह, हरविंदर सिंह सेठी, प्रवक्ता हरजीत सिंह चड्ढा, पवन सेठी, रमन साहनी, अमन आनंद, मनलीन, अमरीक सिंह आनंद, हरविंदर सिंह कुकरेजा, दलीप सिंह, सनी आनंद, अंगपाल सिंह, अमरपाल चड्ढा, आदि सहित बड़ी संख्या में संगत उपस्थित रही। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा के मुख्य सेवादार वीरेंद्र सिंह चड्ढा ने सभी सिख संगठनों व संस्थाओं से 5 नवंबर को होने जा रहे विशाल गुरुपर्व के उपलक्ष्य में अधिक से अधिक सेवा, सहयोग व भागीदारी करने की अपील की।

इधर, लालकुआं में भी सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की 556वीं की जयंती के अवसर पर लालकुआं में सिख समाज की ओर से आज भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। इस दौरान शहर की गलियां वाहे गुरु के जयघोष और शबद-कीर्तन से गूंज उठी। इस दौरान श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार हरबंस सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी राजकुमार सेतिया, सरदार जसवंत सिंह, हेमंत नरुला, चंद्रेश भाटिया, लवली गिल, हरनाम सिंह, संजय अरोड़ा आदि रहे।

प्रभात फेरी में कीर्तन गायन करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

डीएसबी में दीक्षांत समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के 20वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सोमवार को डीएसबी परिसर में दीक्षांत समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न हुई। इस दौरान परिसर में मौजूद सभी प्राध्यापकों, उपाधि धारकों और पदकधारकों ने समारोह की पूरी कार्यवाही का अभ्यास किया। गाउन वितरण समिति की ओर से मेधावी छात्रों को गाउन और उपाधि परिधान वितरित किए गए। रिहर्सल में शिक्षकों की शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें विश्वविद्यालय के प्राध्यापक पारंपरिक शैक्षणिक परिधानों में शामिल हुए। समारोह स्थल पर मंच और सजावट की अंतिम तैयारियां पूरी कर ली गईं। सोमवार को पूरा डीएसबी परिसर छावनी में तब्दील नजर आया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। परिसर और आसपास के क्षेत्रों में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्रपति के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन, पदक वितरण और स्वागत प्रक्रिया का विशेष अभ्यास कराया गया। कुलपति प्रो. डीएस रावत ने बताया कि दीक्षांत समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कहा कि राष्ट्रपति स्वयं 18 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान करेंगी, जिनमें से कई छात्रों को दो-दो स्वर्ण पदक प्राप्त होंगे। विवि प्रशासन ने दीक्षांत समारोह के दौरान अनुशासन, सुरक्षा व सुचारू संचालन के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिपं अध्यक्ष ने किया विनिंग एज क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गन्ना सेंटर स्थित विनिंग एज क्रिकेट एकेडमी का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर बच्चों और युवाओं को नशा छोड़ो, खेल अपनाओ का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल उपस्थित रहीं। अध्यक्ष दरम्वाल ने कहा कि खेल युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखते हैं और उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास व स्वस्थ जीवन की भावना विकसित करते हैं।

उद्घाटन समारोह के साथ ही अंडर-14 क्रिकेट मैच का रोमांचक आयोजन भी किया गया। यह मुकाबला निर्मला कॉन्वेंट स्कूल, हल्द्वानी और बिंदुखत्ता क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। इस शानदार मुकाबले में निर्मला कॉन्वेंट स्कूल, हल्द्वानी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आसानी से जीत दर्ज की। अकादमी के संयोजक और एनआईएस क्रिकेट कोच ललित सिंह रैकुनी ने बताया कि इसका मुख्य लक्ष्य बच्चों को मोबाइल और नशे की लत से दूर रखकर उन्हें खेल, फिटनेस और अनुशासन की दिशा में प्रेरित करना है। इस अवसर पर योगेश उपाध्याय तथा प्रशांत सिंह भाकुनी का विशेष सहयोग रहा। इस दौरान प्रवीण सती, गोविंद बोरा, पंकज बर्गेली, भगवत रावत, संतोष कुमार, किशन सिंह नेगी, मनीष कुल्याल और हरीश भट्ट आदि शामिल रहे।

विनिंग एज क्रिकेट एकेडमी के उद्घाटन अवसर पर मौजूद जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल।

हल्द्वानी में वृद्धा और काशीपुर अधेड़ ने जहर खाकर जान दी

हल्द्वानी : दो अलग-अलग मामलों में एक वृद्धा और अधेड़ ने जहर खाकर जान दे दी। हिम्मतपुर तल्ला मुखानी निवासी 65 वर्षीय महिला बीना ने करीब 15 दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ गटक लिया। तबीयत बिगड़ने पर महिला को परिजन अस्पताल लेकर आए। यहां एक पखवाड़े तक उपचार के बाद रविवार रात महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं काशीपुर के आहारपुरा, वार्ड-123 निवासी 47 वर्षीय बलवंत सिंह ने भी 16 अक्तूबर को विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत ठीक नहीं होने पर 22 को परिजन उन्हें लेकर एसटीएच आए। 13 दिन बाद बीती रात उनकी मौत हो गई। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

सफाई देख बोले लोग, हर माह हो वीवीआईपी मूवमेंट

नैनीताल में सड़क को दुरुस्त करने का जोरशोर से अभियान चलाया गया।

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नैनीताल आगमन पर नगर की कम से कम चंद सड़कों की सूरत ही बदल गई। अतिक्रमण विहीन सड़कों ने नगर की पुरानी यादें ताजा कर दी, जिन्हें देख लोग बोले कि नगर में इस तरह का वीवीआईपी मूवमेंट हर महीने होना चाहिए।

यूं तो सरोवर नगरी में वीआइपी मूवमेंट महीने में कई बार होता है। उच्च स्तरीय राजनेताओं समेत आला अधिकारियों का अक्सर आना जाना रहता है जिनका नगर की स्वच्छता पर कोई असर नहीं पड़ता। मगर इस बार महामहिम राष्ट्रपति के आने पर नगर के हालात ही बदल गए। जिस मार्ग से राष्ट्रपति को गुजरना है, उन मार्गों के हालात सिर्फ तीन दिन में बदल गए। नगर के प्रमुख मार्ग माल रोड के गड्ढे भर दिए गए तो जगह-जगह अतिक्रमण से घिरी रहने वाली माल रोड खुली-खुली नजर आई। दुकानों के आगे अतिक्रमण साफ हो गया तो कूड़े के डब्बे भी साफ हो गए। सड़कों पर एक तिनका नजर न आए, इसके लिए सफाई कर्मी तैनात कर दिए गए जिसके चलते की रौनक ही निखर गई। तल्लीताल गांधी चौक भी बदला नजर आया। साफ सुथरी सड़कों के साथ अतिक्रमण का निशान नहीं रहा। मल्लीताल रिक्शा स्टैंड के समीप निर्माणधीन मंदिर गेट के सामने फैले मलबे का ढेर चंद घंटों में साफ हो गया तो कुछ ही घंटों में डामरीकरण भी हो गया। इधर, मस्जिद चौराहा से राजभवन मार्ग की सड़क चमचमाती नजर आई तो तल्लीताल से राजभवन मार्ग भी बदला सा खूबसूरत नजर आया। पंत पार्क में फड़, खोखे हटा दिए गए। सड़क किनारे खड़े रहने वाले दुपहिए वाहन भी गायब दिखे। सफाई का चौतरफा आलम देख स्थानीय नागरिकों का कहना रहा कि महामहिम के आने से महीनों का काम घंटों में पूरा हो गया लिहाजा नगर में कम से कम हर महीने वीवीआईपी मूवमेंट हो तो नगर के हालात ही बदल जाएंगे।

जाने कब सुधरेगी स्नोव्यू मार्ग की हालत

नैनीताल : राष्ट्रपति के आने पर भले ही नगर के अधिकांश मार्गों की हालत सुधार गई हो, लेकिन पर्यटक व रिहायशी क्षेत्र के लिहाज से अति व्यस्त स्नोव्यू मार्ग के हालात बरसों बाद भी नहीं सुधर पाए। तमाम जगहों पर गड्ढों से पटा यह मार्ग अपनी बदहाली पर रो रहा है। तल्लीताल से स्नोव्यू तक तीन किमी के इस मार्ग पर कई स्थानों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं को न्यौता दे रहे हैं। हालांकि लोनिवि द्वारा इस मार्ग के जीर्णोद्धार का कार्य कछुए की गति से विगत एक वर्ष से जारी है मगर 30 प्रतिशत मार्ग की मरम्मत हुई है, जबकि बाकी मार्ग न जाने कब पूरा होगा।

उपलब्धि

राज्य गठन के बाद दर्ज हुई उपलब्धि, ग्रामीण मार्गों की भी लंबाई बढ़ी

प्रदेश में 25 साल में तीन गुना बढ़ गई सड़कों की लंबाई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राज्य गठन के बाद सड़कों की लंबाई में बढ़ोत्तरी हुई है। हालांकि अभी सड़क के मामले में काफी काम किया जाना बाकी है लेकिन राज्य गठन के बाद सड़कों को लेकर जो स्थिति सामने आई है, वह भी काफी राहत देने वाली है।

लोक निर्माण विभाग उत्तराखंड के अनुसार राज्य गठन के समय राष्ट्रीय राजमार्ग कुल 526 किमी लंबे थे जो अब बढ़कर 2033 किमी हो गए हैं। एनएच की लंबाई करीब चार गुना और बढ़ गई है। साल 2000 में प्रादेशिक राजमार्ग 1233 किमी लंबे थे जो अब बढ़कर 5689 किमी तक हो गए हैं। राज्य गठन के बाद स्टेट हाइव में काफी प्रगति हुई है। करीब पांच गुना ज्यादा सड़कों की लंबाई कर दी गई है। इसके अलावा मुख्य जिला मार्ग राज्य गठन के समय केवल 1270 किमी ही थे जो अब 3535 किमी हो गए हैं। ग्रामीण मार्गों के निर्माण में भी काफी सुधार हुआ है। इसमें प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना का भी काफी योगदान है। साल 2000 में राज्य में 5051 किमी लंबाई के ग्रामीण मार्ग थे जो अब तीन गुना बढ़कर 15005 किमी हो गए हैं।

साथ ही राहत की बात है कि बीते वित्तीय वर्ष में ग्रामीण मार्गों में 853 किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा गया, जिसमें से 694 किमी का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है। हल्का वाहन मार्ग 93 किमी तक बनाए गए हैं। कुल मिलाकर सभी प्रकार की सड़कों जो जोड़ें तो साल 2000 में राज्य में कुल 8080 किमी सड़कें थीं जो अब बढ़कर 26355 किमी हो गईं हैं।

पहाड़ों में अभी भी चुनौती बरकरार

पहाड़ों में हर गांव तक सड़कों को पहुंचाना अभी भी चुनौती है। सबसे बड़ी समस्या वनभूमि की है। वनभूमि में सड़क बनाने के लिए अनुमति लेने में काफी समय लग जाता है। अभी कई गांव ऐसे हैं जो सीधे सड़क मार्ग से नहीं जुड़े हैं। उदाहरण के तौर पर भीमताल ब्लॉक में स्यूड़ा गांव तक पहुंचने के लिए अभी भी पैदल जाना पड़ता है।

मेडिकल कॉलेज में क्रिसेंडो का आगाज

हल्द्वानी : राजकीय मेडिकल कॉलेज में वार्षिक सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल महोत्सव क्रिसेंडो 2025 शुरू हो गया है। प्राचार्य डॉ. तितियाल ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में टीम भावना, रचनात्मकता और नेतृत्व कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सात दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, साहित्यिक प्रतियोगिताएं एवं खेलकूद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। साहित्यिक कार्यक्रमों में वाद-विवाद, भाषण एवं कविता पाठ जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। इस अवसर पर कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. साधना अवस्थी एवं एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दीपा देओपा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्रों को अपनी रचनात्मक प्रतिभा निखारने को सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

सिटी ब्रीफ

डॉ.पूनम त्यागी करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

पंतनगर : 23वीं एशियाई मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 5 से 9 नवंबर तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चेन्नई तमिलनाडु में होगा। इसमें पंतनगर विवि के शारीरिक शिक्षा अनुभाग की सह निदेशक व एथलेटिक्स डॉ .पूनम त्यागी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

घर में बनी गौशाला में लगी आग

सितारगंज : अज्ञात कारणों के चलते घर में बनी गौशाला में आग लग गई। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची अग्निशमन की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। वहीं, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वार्ड नंबर छह निवासी पुष्पा पांडे ने बताया कि रविवार को वह अपनी पुत्री हेमा पांडे के साथ घर के पहली मंजिल पर बने कमरे में थी। तभी साढ़े तीन बजे के आसपास नीचे बने गौशाला से आग की लपटों के साथ काला धुआं निकलने लगा। नीचे उतरने पर देखा कि गौशाला में आग लग गई है। इससे वहां रखा भूसा, पराली, लकड़ी और कपड़े जलकर राख हो गए। बताया कि पड़ोसियों की मदद से किसी तरह गौशाला में बंधी तीन गायों को बाहर निकाल लिया था। बाद में पहुंची अग्निशमन की टीम ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। वहीं, लोगों ने शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की बात कही है। टीम में एफएम राज बिष्ट, राजेश मेहता, कुंदन गिरी, दिनेश नाथ, कमल सामंत शामिल रहे।

पोर्टल बंद होने से भड़के किसानों का मंडी में हंगामा

किसानों को मंडी में फसल बेचने में हो रही परेशानी, मुख्यमंत्री को संबोधित दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपा, एसडीएम ने दिया आश्वासन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: धान तौल को लेकर किसानों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। पिछले कई दिनों से पोर्टल बंद पड़ा है, जिससे किसानों को मंडी में अपनी फसल बेचने में परेशानी हो रही है। आक्रोशित किसानों ने अनाज मंडी में हंगामा किया। साथ ही सूचना पर पहुंची एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर निदान का भरोसा दिया। किसानों ने मुख्यमंत्री को संबोधित दो सूत्रीय ज्ञापन भी एसडीएम को सौंपा।

भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा की अगुवाई में बड़ी संख्या में किसान अनाज मंडी परिसर में एकत्र हुए और आरएफसी के क्रय केंद्रों पर धीमी गति से हो रही धान तौल पर रोष प्रकट किया। साथ ही पोर्टल नहीं खुलने से बंद पड़े सहकारिता क्षेत्र के अन्य क्रय केंद्रों को भी सुचारु करने की मांग को लेकर हंगामा किया गया। उनका कहना था कि किसान अपनी उपज लेकर अनाज मंडी में खड़े हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई करने को तैयार नहीं है। शासन-प्रशासन से बार-बार अनुरोध के बावजूद पोर्टल नहीं खोला जा रहा है, जबकि सरकारी नियंत्रण में संचालित आरएफसी के क्रय केंद्रों पर अतिरिक्त कांटों की व्यवस्था नहीं की गई है। इन क्रय केंद्रों पर धीमी गति से हो रही तौल की वजह से इस वक्त मंडी में धान से लदीं दो सौ से भी अधिक ट्रॉलियां खड़ी हैं। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर व्यवस्था बहाल नहीं हुई तो वह भगत सिंह चौक पर धरना-प्रदर्शन करने को बाध्यम हो जाएंगे। इसी बीच अनाज मंडी पहुंची एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा ने किसानों से बात की और उनसे धैर्य बनाए रखने की अपील की गई। इस दौरान किसानों ने धान खरीद व्यवस्था सुचारु करवाने एवं गन्ने का समर्थन मूल्य कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी एसडीएम को सौंपा। इस मौके पर भाकियू के प्रदेशाध्यक्ष कर्म सिंह पड्डा, प्रदेश सचिव बिजेंद्र सिंह डोगरा, प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह रंधावा, ब्लाक अध्यक्ष प्रताप सिंह संधू, हरप्रीत सिंह निज्जर, राणा रणजोत सिंह, जसमीत सिंह भुल्लर, परमजीत हांडा, साहब सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर की अनाज मंडी में एसडीएम डॉ .अमृता शर्मा को अपनी समस्या बताते किसान।

सितारगंज में धरना देते किसान। ● अमृत विचार

कच्चे आढ़तों में धान तौल न होने पर दिया धरना

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : कच्चे आढ़तों में धान खरीद नहीं होने से परेशान किसान मंडी सचिव कार्यालय में धरने पर बैठ गए। वहीं, कच्चे आढ़तियों का कहना है कि उनकी लिमिट पूरी हो गई है।

जिस कारण उन्होंने धान खरीद बंद कर दी है। इधर, ग्रामीण अंचलों में खोले गए धान क्रय केंद्रों में भी सन्नाटा पसरा है। किसानों को खरीद लिमिट पूरी होने की जानकारी दी जा रही है। जबकि किसानों का कहना है कि अभी बिक्री के लिए धान किसानों के घरों में पड़ा है।

सोमवार को किसान दो दिन अवकाश के बाद धान तुलवाने के लिए कच्चे आढ़तियों का इंतजार कर रहे थे। कच्चे आढ़तियों के नहीं पहुंचने पर किसान एसएमओ और मंडी सचिव के पास पहुंचे। अधिकारियों ने कच्चे आढ़तियों से धान खरीद के लिए वार्ता की। कच्चे आढ़तियों ने बताया कि उनकी खरीद लिमिट पूरी हो गई है। जिस कारण धान तौल नहीं हो पा रही है। इससे आक्रोशित किसान ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष रेशम सिंह के नेतृत्व में धरने में बैठ गए। एसएमओ विनय चौधरी ने बताया कि कच्चे आढ़तियों को किसानों के खरीदे धान का सौ प्रतिशत भुगतान करने को कहा गया है। इसके बाद कच्चे आढ़तियों की खरीद लिमिट बढ़ सकती है।

वहीं, किसानों ने आरएफसी सीएस मर्तोलिया से फोन पर वार्ता कर मंडी में खड़ी 85 धान के ट्रॉलियों की खरीद की मांग की। आरएफसी ने बताया कि सरकार की नीति के अनुसार कच्चे आढ़तियों के किसानों का बकाया भुगतान के बाद पोर्टल बढ़ाया जाएगा।

इधर, एसडीएम रविंद्र जुवांठा ने नानकमत्ता में राइस मिलों का निरीक्षण किया। उन्होंने कच्चे आढ़त में खरीदे धान का शत प्रतिशत भुगतान के निर्देश दिए। वहां अमरजीत सिंह, कृष्णपाल सिंह, कुलदीप सिंह, गुरमेज सिंह, तेजपाल सिंह, साहब सिंह, हरमन सिंह, तरसेम सिंह, बलबीर सिंह आदि मौजूद रहे।

मनोज-राहुल ने चलाई थीं गोलियां

रुद्रपुर, अमृत विचार: एक नवंबर की रात्रि को थाना ट्रांजिट कैंप इलाके में ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर दहशत फैलाने के प्रकरण में मुकदमा दर्ज हो गया है। गोलीबारी की वारदात को अंजाम देने वाले भी अब चिह्नित हो चुके हैं।

जानकारी के अनुसार शास्त्री नगर गड्ढा कॉलोनी निवासी सोनू राठौर का कहना था कि एक नवंबर की रात्रि 9 बजे के करीब बड़ा भाई संतोष राठौर खाना खाकर बाहर टहल रहा था। इस बीच नशे की हालत में मनोज राठौर पड़ोसी पहुंचा और भाई से अभद्रता करने लगा। जब बुजुर्ग मां बाहर आई और समझाने की कोशिश करने लगी। तभी सुनीता आयी और फोन कर अपने भाईयों को बुला लिया।

महज 15 मिनट में राहुल राठौर, दीपक राठौर, प्रिंस चौहान, प्रीत बिहार निवासी अशोक गुप्ता, भदईपुरा निवासी ध्रुव चौधरी तमंचे और पिस्टल लेकर आये और भाई पर जानलेवा हमला करते हुए राहुल व मनोज ने गोलियां चलानी शुरू कर दी और बुजुर्ग मां से भी अभद्र व्यवहार किया। जब भाई जान बचा कर भागने लगा तो अभियुक्तों ने जान से मारने की नीयत से गोलियां चलानी शुरू कर दी। आरोप था कि नामजद अभियुक्त आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और कोई भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोलम्बस स्कूल में शिक्षकों को एआई टूल्स की दी जानकारी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के द्वारा कोलम्बस स्कूल में सीबीएसई सेंटर ऑफ् एक्सीलेंस द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर कार्यशाला हुई। जिसमें कई विद्यालयों के 59 शिक्षकों ने प्रतिभाग लिया।

कार्यशाला का शुभारंभ गुरुकुल फाउंडेशन स्कूल काशीपुर के प्रधानाचार्य प्रतीक गोयल, बीएलएम एकेडमी हल्द्वानी की वरिष्ठ एआई शिक्षिका नीलिमा उपाध्याय और विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज कुमार खेड़ा, प्रधानाचार्य मनोज कुमार द्वारा दीप जलाकर किया। साथ ही शिक्षकों के समूह ने स्वागत गीत गाकर अतिथियों का आदर सत्कार किया। इस दौरान मुख्य वक्ता प्रतीक गोयल ने शिक्षकों को चीट जीटीए जेमिनी कैनवास एआई माइक्रोसॉफ्ट को पायलट क्विज़ी जैसे एआई टूल्स के उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तकनीक के माध्यम से मूल्यांकन को अधिक सरल व प्रभावी बनाया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधुनिक शिक्षा में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। यह शिक्षण को रोचक के साथ ही विद्यार्थियों में सृजनात्मकता व विश्लेषणात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं। वहीं नीलिमा उपाध्याय ने एआई तकनीक के व्यावहारिक उपयोग पर जोर देते हुए हैंड्स ऑन सेशन का संचालन किया।

कार्यशाला का शुभारंभ करते अतिथि। ● अमृत विचार

एएनझा स्कूल में पठन पाठन की व्यवस्था देखी

संवाददाता, रुद्रपुर

- अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक ने किया निरीक्षण
- छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा (कुमाऊं मंडल) एसपी सेमवाल ने अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के पठन-पाठन के साथ कंप्यूटर लैब, विज्ञान लैब, पुस्तकालय और कक्षा कक्ष में छात्रों के बैठने की व्यवस्था की जांच की।

सोमवार को निरीक्षण के दौरान अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा सेमवाल ने विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति के साथ-साथ अन्य गतिविधियों पर संतोष व्यक्त करते हुए आगामी सीबीएसई परीक्षा में अच्छे परिणाम के लिए प्रधानाचार्य दयाशंकर पांडेय और शिक्षकों को निर्देश दिए। उन्होंने सीबीएसई के अनुसार छात्रों को परीक्षा के लिए तैयार करने और समय पर पाठ्यक्रम पूरा करने के साथ-साथ अच्छे परीक्षा फल के लिए समय प्री बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी ऊधमसिंह नगर कुंवर सिंह रावत, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जगमोहन रौतेला, राजपति बिंद, गिरीश शर्मा, एसडी पाठक, यतेंद्र सिंह यादव, पीडी सिंह, पूजा बत्रा समेत कई शिक्षक, शिक्षिकाएं समेत कार्यालय स्टाफ एवं छात्र उपस्थित रहे।

छात्रों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के दिए टिप्स

संवाददाता, दिनेशपुर

- न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में मास्टर क्लास का किया आयोजन

अमृत विचार: न्यू एरा पब्लिक स्कूल में कक्षा छह व सात के छात्रों को शारीरिक व मानसिक स्वस्थ रहने के लिए मास्टर क्लास का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों से स्वास्थ्य रहने संबंधी विभिन्न जानकारियां साझा की गई।

सोमवार को न्यू एरा पब्लिक स्कूल दुर्गापुर में स्टेप अप रिहैब के सहयोग से कक्षा 6 व 7 के शिक्षार्थियों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के उपाय बताए गए। इस दौरान क्लिनिकल पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. माधवी अवस्थी ने छात्रों को शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने व स्वयं अपनी देखभाल करने पर विचार रखते हुए तनाव प्रबंधन, भावनात्मक, बुद्धिमत्ता एवं सकारात्मक संबंध बनाने के बारे में जानकारी दी। विद्यालय के प्रबंध निदेशक रविंद्र पाल सिंह ने छात्रों को जानकारी के लिए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर शिक्षिका प्रीति सिंह, यशोदा पुरोहित, रेनू बहुगुणा, भावना बिष्ट, नेहा राठौर, प्रियंका कार्की , ज्योति देऊपा पूजा कार्की, सुभाष गाईन आदि उपस्थित रहे।

बच्चों की जानकारी देतीं मनोवैज्ञानिक डॉ . माधवी अवस्थी।

मैराथन में घनश्याम पांडे ने जीता कांस्य पदक

काशीपुर : पिथौरागढ़ के गुंजी में हुई हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन में काशीपुर के आसाम रायफल्स से सेवानिवृत घनश्याम पांडे ने तीसरा स्थान प्राप्त कर कांस्य पदक प्राप्त किया।

मानपुर रोड निवासी घनश्याम पांडे ने रविवार को पिथौरागढ़ के गुंजी से शुरू हुई हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन में 51-60 आयु वर्ग की 21 किमी मैराथन में प्रतिभाग कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। घनश्याम पांडे ने बताया कि उनके वर्ग की दौड़ में पूरे देश के 200 धावकों ने प्रतिभाग किया। बताया कि माइनस 5 डिग्री तापमान में दौड़ना उनका पहला अनुभव रहा।

त्रिनाथ की दंड पुनरीक्षण याचिका खारिज

संवाददाता, रुद्रपुर

- पंचायत चुनाव में छिपाए थे सही तथ्य
- तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश ने सुनाया फैसला

अमृत विचार: वर्ष 2019 में भाजपा के सिंबल से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ चुके त्रिनाथ विश्वास को एक बार फिर न्यायालय से झटका मिल गया है। जहां त्रिनाथ ने तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत में दंड पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करने का आग्रह किया था। वहीं अदालत ने दोनों पक्षों की जिरह सुनने के बाद याचिका को खारिज कर दिया और वाद जारी रखने का आदेश भी दिया। जिसके बाद वर्तमान कांग्रेस नेता के राजनीतिक सफर पर एक बार फिर संकट के बादल छा गए हैं।

बता दें कि वर्ष 2019 में गांव कालीनगर दिनेशपुर के रहने वाले त्रिनाथ विश्वास ने भाजपा के सिंबल से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा और जीतने के बाद पंचायत उपाध्यक्ष की कुर्सी भी संभाली थी। वर्ष 2021 में युवा कांग्रेस नेता किशोर कुमार ने प्रशासन को शिकायती पत्र देकर विजयी सदस्य द्वारा अपनी हाईस्कूल की मार्कशीट फर्जी होने की शिकायत की और डीपीआरओ की जांच में शिकायत सही पाई गई। जिसके बाद नेता जी को पदमुक्त होने के साथ ही जेल भी जाना पड़ा था। शिकायतकर्ता किशोर ने बताया कि चार माह पहले त्रिनाथ द्वारा शासनादेश लाकर निचली अदालत में पेश किया और राजनीतिक सफर अंधकारमय होने का हवाला देते हुए मुकदमा वापस लेने का आग्रह किया। जब निचली अदालत ने याचिका खारिज कर दी तो परिवादी त्रिनाथ द्वारा इस आदेश को चैलेंज करते हुए तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश मुकेश चंद्र आर्य की अदालत में दंड पुनरीक्षण याचिका दायर की। अदालत ने त्रिनाथ की याचिका को खारिज कर दिया।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत करते कार्यकर्ता।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नेतृपाल मौर्या के रुद्रपुर स्थित भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पहुंचने पर पदाधिकारियों और ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने संगठन के विस्तार, सामाजिक समरसता एवं आगामी योजनाओं पर चर्चा की।

सोमवार को भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के कार्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के उत्साह, स्नेह एवं समर्थन के लिए आभार जताया। साथ ही संगठन को और सशक्त एवं जनसेवी बनाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीकांत राठौर, रोशन अरोरा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बीना साहू, ललित राठौर, मोर सिंह यादव, रवि रस्तोगी समेत भाजपा के कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्थापना दिवस

वार्ड 38, 39 और 40 में की सफाई, वार्डों को दो जोन में किया विभाजित

नगर निगम की टीम ने शुरू किया विशेष सफाई अभियान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम की टीम राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शहर के वार्डों में विशेष सफाई अभियान शुरू कर दिया है। इसके तहत टीम ने वार्ड 38, 39 और 40 में सफाई अभियान चलाया। वहीं नगर निगम ने सफाई के लिए वार्डों को दो जोन में विभाजित किया गया है।

सोमवार को नगर निगम की टीम ने सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान फुलसूंगा, किच्छा बाईपास रोड और कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सफाई अभियान चलाया। इस दौरान प्रभारी सफाई नायक गौतम सिंह, दयाकिशन समेत कई पर्यावरण मित्र मौजूद रहे।

सहायक नगर आयुक्त ने बताया कि राज्य स्थापना दिवस को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए नगर निगम ने वार्डों को दो जोन में विभाजित किया गया है। जोन एक में वार्ड एक से तीन और 11 से 29 वार्डों को शामिल किया गया है। इसकी जिम्मेदारी सफाई निरीक्षक कुलदीप को दी गयी है, जबकि जोन दो में वार्ड 3 से 10 और 30 से 40 वार्ड को शामिल किया गया है। इसकी जिम्मेदारी सीनियर सफाई नायक व प्रभारी सफाई निरीक्षक गौतम को सौंपी गयी है।

डीएम कैंप कार्यालय के पास सफाई करती नगर निगम की टीम।

काशीपुर के सरकारी अस्पताल में मरीजों को फल बांटते कांग्रेस पदाधिकारी।

राज्य स्थापना पखवाड़े के तहत कांग्रेसियों ने मरीजों को बांटे फल

काशीपुर : उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत सोमवार को द्वितीय पखवाड़ा दिवस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा का संदेश दिया। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करन माहरा के निर्देशानुसार, महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन के नेतृत्व में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लक्ष्मण दत्त भट्ट राजकीय चिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। कांग्रेस के इस सेवा भाव कार्यक्रम का उद्देश्य स्थापना दिवस के अवसर पर जनता के बीच पहुंचकर उनका मनोबल बढ़ाना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्य के निर्माण में जिन शहीदों और आंदोलनकारियों ने योगदान दिया, उनकी स्मृतियों को बनाए रखते हुए पार्टी जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेगी। वहां प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य एवं उत्तराखंड कांग्रेस के प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा, पीसीसी सदस्य अलका पाल, पीसीसी सचिव जितेंद्र सरस्वती, विमल गुड़िया, मंसूर अली मंसूरी, गौरव चौधरी, आईटी सेल संयोजक शादान इकबाल, हनीफ गुडडू, राकेश भगत समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

बहू-बेटा कर रहे मकान पर कब्जे का प्रयास

रुद्रपुर, अमृत विचार: संजय नगर खेड़ा में एक बुजुर्ग ने अपने ही बहू-बेटे पर मकान पर कब्जा करने की कोशिश और हाथापाई कर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वार्ड-11 संजय नगर खेड़ा निवासी तारापद मंडल ने बताया कि उसकी आयु 82 वर्ष हो चुकी है और उसका बेटा दिलीप मंडल और बहू ज्योत्सना मंडल कोई सेवा नहीं करती है। 16 वर्ष पहले उसने बहू-बेटे को मकान भी दे दिया था और जर्जर टिनशेड में खुद अकेला रहकर वृद्धावस्था पेंशन से आजीविका चला रहा है। आरोप था कि बहू-बेटा और पोता अभय मंडल व आदि मंडल योजनाबद्ध तरीके से शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना देकर उसके मकान पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक अक्टूबर को भी हाथापाई कर दो हजार रुपये निकाल लिए और कब्जा नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी देते हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री का किया जोरदार स्वागत

काशीपुर : भाजपा प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार और दीप्ति रावत के नगर निगम काशीपुर आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। मेयर दीपक बाली, भाजपा जिला महामंत्री अमित सिंह, पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने दोनों नेताओं का गर्मजोशी से अभिनंदन किया। प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत ने कहा "यह ट्रिपल इंजन की सरकार है केंद्र में मोदी, प्रदेश में धामी और काशीपुर में दीपक बाली। यही वह शक्ति है जो पूरे जोश और निष्ठा के साथ विकास की गाड़ी को आगे बढ़ा रही है। इस दौरान नेताओं ने प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ किया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज

घर के बाहर खेल रहे मासूम को स्कूटी सवार ने मारी टक्कर

बाजपुर : घर के बाहर खेल रहे छह वर्षीय मासूम को स्कूटी सवार ने टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपित युवक पर धमकाने का आरोप लगाते हुए पुलिस चौकी बन्नाखेड़ा में तहरीर दी है। ग्राम बन्नाखेड़ा में मुख्यमार्ग पर घर के बाहर खेल रहे छह वर्षीय शौर्य पुत्र खेमकरन को रविवार देर सायं करीब साढ़े पांच बजे तेज रफ्तार स्कूटी चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत सरकारी अस्पताल ले गए, जहां से हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार घायल बच्चे के जबड़े और पसलियों में चोट आई हैं। आरोप है कि घटना के बाद आरोपित द्वारा धमकी दी गई। पीड़ित पक्ष की ओर से पुलिस चौकी बन्नाखेड़ा में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

11.01 ग्राम स्मैक के साथ दो लोग गिरफ्तार

सितारगंज : 11.01 ग्राम स्मैक के साथ पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है। प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए पुलिस लगातार नशे के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में रविवार रात को एसआई ललित चौधरी ने अपनी के टीम के साथ गांव लौका तिराहे के पास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने गांव शाहगढ़, बहेड़ी (बरेली) निवासी नसीम को 5.54 ग्राम और इलियास को 5.47 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक बाइक भी बरामद की है। पुलिस दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

ट्रेन में लोगों के मोबाइल चोरी करने का प्रयास कर रहा युवक दबोचा

बाजपुर : जीआरपी पुलिस ने एक चोर को रंगे हाथों दबोच लिया, जिसे बाद में पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर काशीपुर ले जाया गया है। आरोपित ट्रेन में लोगों के मोबाइल चोरी करने का प्रयास कर रहा था। ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों के साथ रेलवे स्टेशन पर मोबाइल और पर्स छीनने की लगातार शिकायतें सामने आ रही थीं। सोमवार को जीआरपी पुलिस में चौकी इंचार्ज काशीपुर एसआई तरन्नुम सईद भी लालकुआं से काशीपुर जाने वाली ट्रेन में निगरानी कर रही थी। आरोप है कि इसी बीच एक संदिग्ध युवक स्टेशन पर आया और उसने अचानक झपट्टा मारकर महिला के हाथ से मोबाइल छीन लिया। आरोपित मौके से भागने लगा तो तरन्नुम सईद ने अन्य लोगों की मदद से पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में आरोपित ने अपना नाम मसीत गदरपुर निवासी महबूब अली बताया। एसआई तरन्नुम सईद ने बताया कि उन्होंने इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी है।

पूर्व ग्राम प्रधान की संदिग्ध अवस्था में मौत

पुलिस ने शव कब्जे में लेकर कराया पोस्टमार्टम, परिजनों ने जताई नाराजगी, कहा- किसी ने दी गलत सूचना

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: ग्राम बांसखेड़ा खुर्द की पूर्व प्रधान विमला देवी (42) पत्नी नन्हें सिंह की रात को सोते समय मौत हो गई। जिस पर परिजनों ने अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली। किसी ने इसकी सूचना डायल 112 पर दे दी। जिस पर आईटीआई पुलिस ने संस्कार से पहले शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

विमला देवी। (फाइल)

बता दें कि आईटीआई थाना क्षेत्र के बांसखेड़ा खुर्द निवासी विमला देवी रविवार की रात अपने कमरे में सोने चली गई। सोमवार की सुबह उनकी शादीशुदा बेटी मनीषा ने जब उनको उठाया तो वह उठी नहीं, तब अन्य लोगों ने देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी। सोमवार की सुबह बिना पोस्टमार्टम के शव की अंत्येष्टि की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान किसी ने इसकी सूचना डायल 112 को दे दी। इसके बाद आईटीआई थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका अपने पीछे दो बेटों और एक बेटी को छोड़ गई है। हालांकि अभी दोनों लड़के अविवाहित हैं। जिनमें से एक बेटा एक साल पहले पढ़ाई के लिए लंदन गया हुआ है। मृतका भी 10 साल पहले गांव की प्रधान थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। रात को वह सही हालत में सोई थीं, अचानक रात में उनकी मौत हो गई। वहीं इस बात की जानकारी होने पर ग्रामीणों में रोष फैल गया। ग्रामीणों ने बताया कि जब स्वाभाविक मौत हुई तब किसी ने क्यों गलत सूचना पुलिस को दी।

उधर मृतका की बड़ी बेटी मनीषा ने बताया कि उसकी शादी हो गई और उसके दो भाई है राहुल (23) और विशाल (17) कक्षा नौवीं का छात्र है। बताया उसकी मां बीमार चल रही थी और लगभग दो महीने से इलाज चल रहा था। बताया कि उनकी मां की मौत स्वभाविक हुई है, गांव के कुछ विरोधियों ने झूठी अफवाह फैला कर उन लोगों को परेशान किया है। वहीं पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के मुताबिक मृतका की मौत स्वाभाविक होने की संभावना है, बावजूद इसके बिसरा फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों की सुपुर्दगी में दे दिया। आईटीआई थाना प्रभारी कुंदन रौतेला ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर स्कूटी सवार ढाबा स्वामी की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

काशीपुर : बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर स्कूटी सवार ढाबा स्वामी की मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ट्रैक्टर-ट्रॉली पुलिस के कब्जे में है। वहीं चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रतापपुर गांव निवासी 30 वर्षीय राकेश पुत्र कृपाल सिंह यहां केलामोड़ पर ढाबा चलाता था। सोमवार की सुबह वह 9 बजे ढाबा खोलकर वापस घर जा रहा था। इस दौरान ढाबे से लगभग 30 मीटर दूर बंसल सीड के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। जिसके चलते वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को परिजन पहले काशीपुर के एक प्राइवेट अस्पताल ले गए। जहां से उसको हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। हल्द्वानी ले जाते समय रास्ते में हल्दुआ के पास उसकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे दो पुत्र व पत्नी को रोता बिलखता छोड़ गया है। एसआई सौरभ भारती ने बताया कि एहतियात के तौर पर स्कूटी व ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है। साथ ही चालक को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते मामले में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

नवविवाहिता की हत्या के खुलासे में जुटी पुलिस

- प्लास्टिक के कट्टे में मिले नवविवाहिता के शव का मामला
- परिजनों ने अभी तक नहीं सौंपी तहरीर

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: बीते दिवस रेलवे ट्रैक के किनारे प्लास्टिक के कट्टे में मिले नवविवाहिता के शव के मामले के खुलासे के प्रयास में पुलिस जुटी हुई है। फिलहाल पुलिस को अभी कोई सफलता नहीं मिली है। इधर मृतका के परिजनों ने भी अभी तक पुलिस को तहरीर नहीं सौंपी है।

पुलिस को बीते दिवस ख़ेतलसंडा खाम गांव के पास रेलवे ट्रैक के किनारे पड़े प्लास्टिक के कट्टे से एक विवाहिता का शव बरामद हुआ था। जिसकी बाद में शिनाख्त बरेली निवासी सुनीता पत्नी आनंद तोमर के रूप में हुई जो कुछ समय यह अपने मायके पकड़िया में आयी हुई थी। घटना की सूचना पर सीओ भूपेंद्र सिंह धोनी और बाद में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तम सिंह नेगी ने मौका मुआयना कर अपने अधीनस्थों को मामले का शीघ्र खुलासा करने के कड़े निर्देश दिए थे। इस मामले में पूछने पर कोतवाल विजेंद्र शाह ने बताया कि घटना की गहन जांच पड़ताल की जा रही है और सीसीटीवी आदि भी खंगाले जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अभी तक परिजनों ने पुलिस को तहरीर नहीं सौंपी है लेकिन पुलिस अपना काम कर रही है। मृतका का विवाह बरेली निवासी आनंद तोमर से करीब आठ माह पूर्व ही हुआ था। इधर पैनल में हुए पोस्टमार्टम के बाद चिकित्सकों ने बताया कि पोस्टमार्टम में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। अब मृतका का बिसरा जांच के लिए भेजा जा रहा है।

चीनी मिल में ब्वॉयलर पूजा के दौरान हवन में शामिल मिल के अधिकारी-कर्मचारी।

नवीन गन्ना पेराई सत्र के लिए ब्वॉयलर पूजा की

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: सहकारी चीनी मिल के नवीन गन्ना पेराई सत्र के लिए ब्वॉयलर पूजा की गई। इस दौरान मिल के प्रभारी प्रधान प्रबंधक एसडीएम डा.अमृता शर्मा एवं अधिकारियों-कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से हवन-यज्ञ में आहूतियां अर्पित कर कारखाने के निर्विघ्न संचालन की कामना की।

सोमवार को प्रधान प्रबंधक डॉ. अमृता शर्मा की अगुवाई में पेराई सत्र की तैयारी को ध्यान में रखते हुए ब्वायलर पूजा की गई जिसमें पं.मूलशंकर शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन करवाया। कारखाने में हुए हवन-यज्ञ में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से आहूतियां डालकर मिल के निर्विघ्न संचालन की कामना की गई। इसके पश्चात जीएम डॉ. अमृता शर्मा ने ब्वायलर में अग्नि प्रज्ज्वलित करवाई। महाआरती के उपरांत प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं कारखाने में मरम्मत का कार्य भी अंतिम चरण में पहुंच गया है जिसके चलते 15 नवंबर अथवा इसके आसपास ही शुभलग्नानुसार नवीन गन्ना पेराई सत्र शुरू किए जाने की संभावना व्यक्त की गई है। इस मौके पर मुख्य अभियंता अभिषेक कुमार, प्रभारी मुख्य रसायनविद उपेंद्र कुमार शुक्ला, उपमुख्य रसायनविद सुनील चंद्र बिष्ट, निर्माण रसायनविद संदीप कुमार शुक्ला एवं चंद्रजीत सिंह, प्रभारी मुख्य लेखाकार संजय कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षकों को बीएलओ का कार्य सौंपने पर आक्रोश

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तरांचल स्टेट प्राथमिक टीचर्स एसोसिएशन ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर शिक्षकों को बीएलओ ड्यूटी को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि शिक्षा के अधिकार में स्पष्ट है कि शिक्षकों से शिक्षण के अतिरिक्त कोई काम नहीं लिया जाएगा।

एसोसिएशन के शाखाध्यक्ष कमान सिंह सामंत सहित अन्य पदाधिकारियों ने एसडीएम को संबोधित ज्ञापन पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी को सौंपकर बीएलओ ड्यूटी पर लगाए गए शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल निरस्त करने की मांग की। पालिकाध्यक्ष जोशी ने एसडीएम तुषार सैनी से दूरभाष पर वार्ताकर,उच्चतम न्यायालय एवं शासन के उच्च अधिकारियों के निर्देश के अनुसार शिक्षकों को बीएलओ कार्य में न लगाकर पूर्ववत अन्य कर्मचारियों को लगाने जाने की बात कही। शिक्षकों का आरोप है कि शिक्षण कार्य के बजाय बीएलओ कार्य हेतु प्रारम्भिक शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है। जिससे प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण कार्य, मध्यान्ह भोजन, राष्ट्रीय शिक्षा के अन्तर्गत विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियां एवं मासिक, अर्द्धवार्षिक परीक्षा कार्यक्रम पूर्ण रूप से बाधित होने की सम्भावना के साथ-साथ बाल हितों के साथ कुठाराघात हो रहा है। समाज की बुनियादी शिक्षा एवं शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 की धारा-27 के अनुपालन में निहित प्रावधानों का संज्ञान लेते हुए बाल हित एवं समाज हित में विकासखण्ड-खटीमा के अन्तर्गत शिक्षण कार्य के अतिरिक्त कार्यों हेतु निर्गत कार्यादेश को निरस्त किए जाने का आदेश पारित करने की अपील की है। ज्ञापन देने वालों में महामंत्री छविराज सिंह कफलिया, कोषाध्यक्ष जितेंद्र यादव, अरविंद गोस्वामी, राजेश जोशी, महेश पाल रौतेला आदि शामिल रहे।

पालिकाध्यक्ष जोशी को ज्ञापन सौंपते टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी।

अधिवक्ताओं ने किया एसडीएम का घेराव

बाजपुर: विकास प्राधिकरण की ओर से प्रतिबंधित अवैध कॉलोनी के साथ ही एग्रीकल्चर लेंड (कृषि भूमि) की रजिस्ट्री पर भी सब रजिस्ट्रार द्वारा रोक लगाने से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा का घेराव कर अपनी नाराजगी व्यक्त की। वहीं जानकारी के बाद एसडीएम दफ्तर पहुंचे सब रजिस्ट्रार से एसडीएम ने वार्ता कर स्थिति स्पष्ट कर मामला शांत किया। ग्राम गुमसानी क्षेत्र में अवैध कॉलोनी सूची में शामिल खसरा क्षेत्र की कृषि योग्य भूमि क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित अधिवक्ता के पिता के नाम है। बताया जाता है कि इस कृषि भूमि को विक्रय करने के लिए पिछले दिनों उपनिबंधक कार्यालय बाजपुर में आवेदन किया गया था, जिसमें सब रजिस्ट्रार द्वारा इस क्षेत्र के खसरा नंबर से संबंधित भूमि अवैध कॉलोनी की सूची में शामिल होने की बात कहते हुए उसके विक्रय पत्रों के पंजीकरण पर रोक लगाने के आदेश जारी कर दिए थे। इस पर उपजिलाधिकारी डॉ.अमृता शर्मा को समस्या से अवगत कराया।

मांगों को लेकर वेंडिंग जोन के दुकानदार आंदोलन की राह पर

- आक्रोशित दुकानदारों ने बंद रखीं दुकानें, मांग पूरी नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : चोरी की घटनाओं सहित तीन सूत्रीय मांगों को लेकर वेंडिंग जोन के दुकानदार आंदोलन की राह पर निकल पड़े हैं। आक्रोशित दुकानदारों ने अपनी दुकानें बंद रखीं और प्रदर्शन कर मुद्दा उठाया। आगाह किया कि यदि मांग पर गौर नहीं किया तो आंदोलन किया जाएगा।

सोमवार को बड़ी संख्या में वेंडिंग जोन के दुकानदार एकत्रित हुए और वेंडिंग जोन की दुकान बंद कर प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि वेंडिंग जोन में दुकान स्थापित करते ही जहां ग्राहकों का टोटा पड़ा है वहीं चोरी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं।

शाम के वक्त दुकानदार को सिलेंडर तक घर ले जाना पड़ रहा है। इसके अलावा दुकानों के सामने 12-12 फीट स्थान घेरने के कारण ग्राहकों को निकलने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि तीसरा मुद्दा यह है कि निगम द्वारा कुछ दुकान हटाने का आश्वासन दिया था जो कि अभी तक लंबित पड़ा है। जिस कारण दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है और कई बार निगम प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी कोई समाधान नहीं हुआ। उन्होंने आगाह किया कि जब तक तीन सूत्रीय मांगों का समाधान नहीं होगा दुकानों को बंद रखा जाएगा। इस अवसर पर पार्षद इंद्रजीत सिंह, हर्ष रावल, सुरेंद्र चावला, सुरेंद्र पाल पड़ेला, आशु ग्रोवर, नवीन जोशी, प्रिंस बंसल, राजीव जोशी, अमर जीत सिंह, इकराम मियां, नंदलाल, लखविंदर सिंह, कुलविंदर सिंह आदि मौजूद रहे।

दुकानें बंद कर प्रदर्शन करते वेंडिंग जोन के दुकानदार। ● अमृत विचार

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: किसानों के ट्यूबवेल बिल माफी व धान खरीद लिमिट बढ़ाने समेत तीन सूत्रीय मांगों को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं किसानों ने एसडीएम कार्यालय में प्रदर्शन किया। साथ ही डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम डा.अमृता शर्मा को सौंपा।

सोमवार को कार्यकर्ता एवं कुछ किसान संगठित होकर एसडीएम दफ्तर पहुंचे और प्रदर्शन कर मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। इसके बाद उन्होंने जिलाधिकारी को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी डॉ. अमृता शर्मा को सौंपा। उनका कहना था कि वर्तमान समय में करीब 40 प्रतिशत धान की फसल किसानों के खेतों में खड़ी है, जबकि धान खरीद पोर्टल बंद हो गए हैं, जिसके चलते किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों में बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। ज्ञापन में सहकारी क्रय केंद्रों पर धान खरीद की लिमिट बढ़ाने, किसानों के मोटर ट्यूबवेल के बिल माफ करने एवं चीनी मिल का नवीन गन्ना पेराई सत्र प्रारंभ करने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में विधायक प्रतिनिधि जोरावर सिंह भुल्लर, किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नवदीप सिंह कंग, किसान सेवक अजीत प्रताप सिंह रंधावा आदि शामिल थे।

बाजपुर में एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा को ज्ञापन सौंपते कांग्रेस कार्यकर्ता।

मनचले युवक से परेशान छात्रा ने स्कूल जाना छोड़ा

- छात्रा के परिजनों ने सीएम को पत्र भेज परिवार समेत आत्मदाह करने की चेतावनी दी
- पीड़ित छात्रा ने महापौर से की मुलाकात, युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक मनचले द्वारा कॉलेज आती-जाती छात्रा के साथ अश्लील हरकतें करने पर छात्रा ने स्कूल जाना छोड़ दिया। पुलिस में शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई न होने पर अब छात्रा के परिजनों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेज परिवार सहित आत्मदाह करने की चेतावनी दी है। इस मामले में पीड़ित परिवार ने महापौर दीपक बाली से भी न्याय की गुहार लगाई है।

आईटीआई थाना क्षेत्र निवासी एक महिला ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि उसकी नाबालिग पुत्री शहर के एक राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में अध्ययनरत है। कहा कि उसकी पुत्री को कॉलेज आते-जाते समय उसी कॉलोनी का एक युवक रास्ते में उसके साथ अश्लील हरकतें कर फब्तियां कसता है। आरोप है कि उस युवक की वजह से उसकी पुत्री ने स्कूल जाना भी छोड़ दिया है। पत्र में कहा कि युवक की हरकतों से तंग आकर उसके द्वारा अपनी पुत्री को रिश्तेदारी में भी भेजा गया, परंतु वहां भी युवक अलग-अलग मोबाइल नंबरों से फोन कर उसकी पुत्री व रिश्तेदारों को धमकियां देता है।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉपोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएमएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – दीपक पाण्डेय – 7055095195

भौतिक कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

चूंकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत हिंदुजा हाउसिंग लिमिटेड (एचएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक **30-08-2024** को उधारकर्ता : **श्री मोहम्मद इब्राहिम और श्रीमती रेहेनूमा बी वार्ड नंबर 1 ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर यू.एस. नगर रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप, सेमीअर्बन रूडी उत्तराखंड, भारत – 263153 ऋण खाता संख्या UP/UDA/RUDR/A000000104** के अंतर्गत सूचना में उल्लिखित 28–08–2024 के अनुसार राशि **रू. 12,81,285/–** (रुपये बारह लाख इक्यासी हजार दो सौ पचासी मात्र) के उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर तक चुकाने के लिए कहा गया है।
उधारकर्ताओं द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, उधारकर्ताओं और आम जनता को नोटिस दिया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आज दिनांक **30.10.2025** को नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा ले लिया है।
उधारकर्ता का ध्यान, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
एतद्द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को संपत्ति से संबंधित लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती और संपत्ति से संबंधित किसी भी लेन–देन एचएचएफएल द्वारा यहां उल्लिखित राशि और उस पर ब्याज का भार लगाया जाएगा।

संपत्ति का विवरण

खसरा नंबर 240, एनए, ग्राम डौगपुरी, गदरपुर, यूएस नगर, बाबाजी लघु कुटीर उद्योग और सरदार नगर तिराहा चक्की, रुद्रपुर, उत्तराखंड, 263152 प्लॉट क्षेत्र–800 की सीमाः उत्तर– 28 फीट सड़क और विक्रेता का प्लॉट दक्षिण– 25 फीट रोड पूर्व– 25 फीट और 28 फीट रोड पश्चिम– विक्रेता का प्लॉट

दिनांकः 04/11/2025 स्थानः हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

युवक को बहाने से बुलाया और कर दिया अधमरा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तीन जून को गांव संपतपुर में युवक को बहाने से बुलाकर जानलेवा हमला कर अधमरा किए जाने के प्रकरण में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर दिया है।

गांव संपतपुर निवासी याचिकाकर्ता मदन लाल ने बताया कि तीन जून की शाम पांच बजे राजा, गोपी, सियाराम और धर्मा सिंह सैनी आये और भाई अजय को घर से बहाना बनाकर ले गये। जब काफी देर तक भाई वापस नहीं लौटा तो अभियुक्तों से पूछताछ की। जिस पर अभियुक्तों ने घर के नजदीक ही छोड़ देने की बात कही। चार जून की शाम साढ़े छह बजे सूचना मिली कि भाई अजय खून से लथपथ झाड़ियों में पड़ा है और हालत में बेहद नाजुक है। आनन फानन में भाई को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने हल्द्वानी रेफर कर दिया। होश में आने पर भाई ने नामजद अभियुक्तों द्वारा धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने का आरोप लगाया।

दान अध्यक्ष व राजकुमार बने जिलामंत्री

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: उत्तरांचल फेडरेशन ऑफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन की ऊधमसिंह नगर इकाई का जनपदीय अधिवेशन एवं निर्वाचन हुआ। इसमें सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन हुआ। इसमें दान सिंह जग्गी अध्यक्ष और राजकुमार साहनी जिलामंत्री बने हैं।

सोमवार को विकास भवन सभागार में निर्वाचन चुनाव अधिकारी उत्तराखंड फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बीएन बेलवाल, चुनाव पर्यवेक्षक नितिन टंडन और प्रांतीय आडिटर रमेश चंद्र बेलवाल की देखरेख में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी उत्तराखंड फार्मेसिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बेलवाल ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुए हैं। इसमें अध्यक्ष और जिलामंत्री के अलावा संरक्षक अमरदीप चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरपाल सिंह, उपाध्यक्ष दीलीप सिंह जैड़ा एवं तान्या जोशी, कोषाध्यक्ष टीकाराम आर्य, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह और संयुक्त मंत्री रसद कुमार शर्मा चुने गए हैं।

इस दौरान मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी सुशील मोहन डोभाल और वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई दी। अध्यक्षता मंडलीय सचिव सौरभ चंद्र ने की।

विकास भवन सभागार में शपथ लेते एसोसिएशन के पदाधिकारी।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉपोरेट कार्यालय नं. 167–169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई–600015
ई–मेल: auction@hindujahousingfinance.com
अश्वनी कॉम्पलेक्स गोल्डन फर्नीचर के पास बरेली रोड हल्द्वानी – 263139

आरएलएम–ब्रजेश अवस्थी – 9918301885, आरआरएम– तरूण सक्सेना – 7830388088
सीएमएम – श्री रवि दीक्षित – 9794347032, सीआरएम – दीपक पाण्डेय – 7055095195

भौतिक कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए)

चूंकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत हिंदुजा हाउसिंग लिमिटेड (एचएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित नियम 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक **26.03.2024** को उधारकर्ता : **श्री अर्जुन वर्मा और श्रीमती शोभा वर्मा वार्ड नंबर 1 ट्रांजिट कैंप रुद्रपुर यू.एस. नगर रुद्रपुर ट्रांजिट कैंप, सेमीअर्बन रूडी उत्तराखंड, भारत – 263153 ऋण खाता संख्या UP/HDW/HDWN/AOOOOOO433** के अंतर्गत सूचना में उल्लिखित 10–03–2024 के अनुसार राशि रू. 1045717/– (रुपये दस लाख छियालीस हजार चार सौ नब्बे मात्र) के उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर तक चुकाने के लिए कहा गया है।
उधारकर्ताओं द्वारा राशि चुकाने में विफल रहने पर, उधारकर्ताओं और आम जनता को नोटिस दिया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (4) के तहत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आज दिनांक **31.10.2025** को नीचे वर्णित संपत्ति का भौतिक कब्जा ले लिया है।
उधारकर्ता का ध्यान, सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13 की उप–धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
एतद्द्वारा विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को संपत्ति से संबंधित लेन–देन न करने की चेतावनी दी जाती और संपत्ति से संबंधित किसी भी लेन–देन एचएचएफएल द्वारा यहां उल्लिखित राशि और उस पर ब्याज का भार लगाया जाएगा।

संपत्ति का विवरण

खाता संख्या 294, खसरा संख्या 677 मिन, उदयनगर, कालीनगर, विजयनगर, दिनेशपुर, पुलिस स्टेशन– दिनेशपुर, रुद्रपुर, यू.एस.नगर, उत्तराखंड 263153 पर स्थित संपत्ति, क्षेत्रफल– 138.88 वर्ग। यार्ड की सीमा इस प्रकार हैः उत्तर– नारायण साहा की संपत्ति, दक्षिण– 6 मीटर रोड, पूर्व–6 मीटर रोड, पश्चिम– विक्रेता की भूमि

दिनांकः 04/11/2025 स्थानः हल्द्वानी — प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

सिटी ब्रीफ

दीपावली मेले के अंतिम दिन उमड़ी भीड़

नानकमत्ता : गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब में 11 दिनों से चल रहा दीपावली मेला आज संपन्न हो गया। मेले के अंतिम दिन भी भारी भीड़ देखने को मिली और मेलार्थियों ने जमकर खरीदारी की। बन्दी छोड़ दिवस और दीपावली के मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा यह मेला वर्षों से आयोजित किया जाता रहा है। आज मेले के ग्यारहवें दिन भी भारी भीड़ रही।

ननकाना साहिब के लिए जत्था रवाना

नानकमत्ता : गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर पाकिस्तान स्थित श्री ननकाना साहिब में होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए डेरा कार सेवा नानकमत्ता साहिब से एक जत्था रवाना हुआ। यह जत्था डेरा कार सेवा के जत्थेदार बाबा रविन्द्र सिंह के नेतृत्व में देर शाम रवाना हुआ। जत्थे में नानकमत्ता के विधायक गोपाल सिंह राणा आदि शामिल रहे।

आज काशीपुर नगर निगम, नगर पालिकाओं और नगर पंचायत को एक सम्मेलन में संबोधित करेंगे सीएम धामी

46.24 करोड़ की विकास योजनाओं का लोकार्पण करेंगे सीएम

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में नगर निगम सभागार में प्रेस वार्ता करते महापौर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी काशीपुर नगर निगम क्षेत्र में कुल 46.24 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले विभिन्न विकास कार्यों का मंगलवार 2025 को लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे।

महापौर दीपक बाली ने नगर आयुक्त रविंद्र सिंह बिष्ट एवं पार्षदों के साथ मिलकर की गई प्रेस वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश के अंतिम छोर तक विकास पहुंचाने की प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देने के उद्देश्य से नगर निगम काशीपुर में अनेक योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। शपथ ग्रहण के बाद अब तक नगर निगम में चरणबद्ध तरीके से 100 करोड़ रुपये से अधिक के कार्य कराए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री द्वारा 4 नवंबर को जिन कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा, उनमें 30.73 करोड़ की लागत से 159 सड़क और नाली निर्माण कार्य, 5.62 करोड़ की लागत से 69 आवश्यक विकास कार्य, 3.40 करोड़ की लागत से गैस आधारित पशु शवदाह गृह का निर्माण, 3.75 करोड़ रुपये की लागत से कम्प्यूटरीकृत कंट्रोल रूम की स्थापना तथा 2.74 करोड़ की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग बाजपुर रोड और मानपुर रोड पर पीसीसी टाइल्स पैविंग कार्य प्रमुख हैं। महापौर बाली ने बताया कि अब तक नगर निगम क्षेत्र में सड़क निर्माण के प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण के अंतर्गत 505 सड़कों के निर्माण कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं, जिनमें से लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुके हैं। शेष कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं।

बताया कि गैस आधारित पशु शवदाह गृह के निर्माण से लावारिस पशुओं के अंतिम संस्कार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। वहीं, नगर की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए स्थापित हाईटेक कम्प्यूटरीकृत कंट्रोल रूम से सभी 40 वार्डों की निगरानी, वाहनों के संचालन और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया डिजिटल रूप से संपन्न होगी। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त धनराशि से नगर निगम क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्गों रामनगर रोड और मानपुर रोड पर 3.05 करोड़ की लागत से 3850 मीटर पीसीसी टाइल्स कार्य किया जा रहा है, जिससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी और शहर अधिक स्वच्छ व आकर्षक बनेगा। इसके अतिरिक्त, 1.20 करोड़ की लागत से वर्टिकल गार्डन, ग्रीन बेंच, फ्लावर बेड और पौधारोपण कार्य भी शुरू किए जा रहे हैं। इनसे न केवल हरियाली बढ़ेगी, बल्कि शहर की सुंदरता और पर्यावरणीय संतुलन में भी सुधार होगा। प्रेस वार्ता में पार्षद गुंजन प्रजापति, बीना नेगी संजय शर्मा, पुष्कर बिष्ट, अब्दुल कादिर, सरफराज, मोहम्मद शरीफ, वैशाली गुप्ता, अनीता कंबोज शाह, आलम, दीपा पाठक आदि शामिल रहे।

डीएम ने कार्यक्रम की तैयारियों का लिया जायजा

काशीपुर : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मंगलवार को शहरी विकास सम्मेलन कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने कार्यक्रम स्थल अनन्या होटल में तैयारियों का जायजा लिया और बैठक लेते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री मंगलवार को प्रातः 9 :45 बजे शहरी विकास सम्मेलन का शुभारंभ करेंगे। उसके बाद मोबाइल डिजिटल एजुकेशन वाहन व नगर निगम काशीपुर की 14 नई कूड़ा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

भौतिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का किया आयोजन

काशीपुर: राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से भौतिकी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान शानदार प्रदर्शन कर मनीषा चौहान पहले स्थान पर रहीं।

सोमवार को कॉलेज में आयोजित प्रतियोगिता में बीएससी-एमएससी के 20 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्रों से भौतिक विज्ञान से संबंधित बहुविकल्पीय 50 प्रश्न पूछे गए। इस दौरान मनीषा चौहान, नेहा ध्यानी व विनायक जोशी, हिमांशु क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे स्थान पर रहे। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भौतिक विज्ञान एवं उस पर आधारित घटनाओं के बारे में जागरूक करना था। वहां पर संयोजक डॉ. महीपाल सिंह, डॉ. रेणुका चौहान, जागृति कश्यप, कशिश आदि मौजूद रहे।

प्रकाश पर्व पर किच्छा में निकला विशाल नगर कीर्तन

रंजीत अखाड़ा के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए, पुष्प वर्षा कर स्वागत किया, बच्चों की झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

संवाददाता, किच्छा

किच्छा में करतब दिखाते अखाड़ा कलाकार। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में बच्चों द्वारा बनाई गई झांकी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: श्री गुरु नानक देव जी महाराज का प्रकाश पर्व नगर क्षेत्र में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। प्रकाश पर्व के अवसर पर ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच नगर में विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। इस दौरान पूरा नगर श्रद्धा और भक्ति के रंग में सराबोर नज़र आया। आयोजित नगर कीर्तन में नगर और ग्रामीण क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में संगत ने शिरकत की।

नगर के पुरानी गल्ला मंडी स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा के तत्वावधान में पंच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन शुरू हुआ। नगर कीर्तन महाराणा प्रताप चौक, पंडित दीनदयाल चौक, मुख्य बाजार, बरेली रोड, आवास विकास से होता हुआ पुनः पुरानी गल्ला मंडी पहुंचकर संपन्न हुआ। नगर कीर्तन में छोटे-छोटे बच्चों द्वारा सजाई गईं मनमोहक झांकियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंजीत अखाड़ा के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। नगर कीर्तन के दौरान पूरा वातावरण गुरु महाराज के जयकारों से गूंज उठा।

पंच प्यारों की अगुवाई में निकाले गए नगर कीर्तन में, सबसे आगे घुड़सवार थे, उनके पीछे बैंड-बाजे और बच्चों द्वारा सजाई गई झांकियां थीं। इसके बाद दर्जनों चार पहिया वाहनों, ट्रैक्टर ट्रॉलियों और ट्रकों पर पारंपरिक वेशभूषा में सजे बच्चे नज़र आए। उसके पीछे, गुरु महाराज की पालकी के आगे सैकड़ों महिलाएं वॉटर टैंक के माध्यम से पानी की बौछार के बीच झाड़ू लगाकर सड़क साफ कर रही थीं, जिसके बाद सड़क पर फूल बरसाए गए।

किच्छा में नगर कीर्तन का स्वागत करते लोग। ● अमृत विचार

किच्छा में नगर कीर्तन के दौरान बाज के साथ पंजाबी युवक। ● अमृत विचार

नगर के मुख्य बाजार, दीनदयाल चौक, बरेली रोड सहित कई स्थानों पर नगर कीर्तन का बड़े-बड़े पंडाल और स्टॉल लगाकर फूलों की वर्षा तथा प्रसाद वितरण के साथ जोरदार स्वागत किया गया। नगर के बरेली मार्ग पर, क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ के दिशा-निर्देशन में लगाए गए स्वागत पंडाल में कार्यकर्ताओं ने फूलों की वर्षा तथा प्रसाद वितरण कर जोरदार स्वागत किया। गुरु सिंह सभा कमेटी के पदाधिकारियों ने तमाम स्थानों पर सरोपा पहनाकर गणमान्य लोगों का स्वागत किया। नगर कीर्तन में रणजीत सिंह राणा, दर्शन कोली, भूपेंद्र चौधरी बबलू, लवी सहगल, विवेक दीप सिंह, दिनेश भाटिया, प्रहलाद खुराना, सुदर्शन ठुकराल, नितिन फुटेला, विजय अरोड़ा, गुलशन सिंधी, जितेंद्र सिंह संधू, नजाकत खान, बंटी पपनेजा, अरुण शुक्ला, छोटेलाल कोहली, सुरेश पपनेजा, ओमप्रकाश दुआ, निर्मल सिंह हंसपाल, जगरूप सिंह गोल्डी, गोल्डी गोराया, दीप हंसपाल, जीवन जोशी, मनदीप सिंह गोराया आदि मौजूद रहे।

ग्राम इटव्वा क्षेत्र में श्मशान घाट के सुंदरीकरण और निर्माण कार्य शुरू करते लोग।

श्मशान घाट के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: ग्राम इटावा क्षेत्र में श्मशान घाट के सुंदरीकरण और निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य से क्षेत्र के लोगों को काफी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सोमवार को भाजपा नेता राजेश कुमार ने विधिवत अरदास के साथ कार्य का शुभारंभ किया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा सांसद अजय भट्ट का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। भाजपा नेता राजेश कुमार ने बताया कि जिला खनिज फाउंडेशन की ओर से डीएम नितिन भदोरिया द्वारा 25 लाख 31 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बरसात, आंधी-तूफान के दौरान अंतिम संस्कार कार्य में आने वाली बाधाओं से अब लोगों को छुटकारा मिलेगा और वह सुकून के साथ दिवंगत आत्माओं का संस्कार कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि इस निर्माण कार्य का लाभ ग्राम केलाबनवारी, गजरौला, गोबरा, बन्नाखेड़ा क्षेत्र के राय सिख समुदाय सहित सभी लोगों को मिलेगा। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण कन्नू जोशी, कौशल्यपुरी मंडल अध्यक्ष गुरमुख सिंह, मंडल महामंत्री वीरेंद्र बिष्ट, कुंदन, मुकुंद शुक्ला जानू, रेशम यादव, जगदीश सिंह, रमेश सिंह, बलदेव सिंह, महेंद्र सिंह, जगीर सिंह, बंटी सिंह, सलेंद्र सिंह, हरदेव सिंह, चरणजीत सिंह, हरकेवल सिंह, बूड़ सिंह आदि मौजूद रहे।

सप्त शक्ति संगम में महिलाओं ने किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

- कहा- नारियों में असीम संभावनाएं छिपी हैं

संवाददाता सितारगंज

सितारगंज में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार : समाज में नारी शक्ति के विविध स्वरूप को प्रदर्शित करने और महिलाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए ''सप्त शक्ति संगम'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

रविवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिसौना में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. कामना दीक्षित ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

मुख्य वक्ता अनमोल शर्मा ने कहा कि नारियों में असीम संभावनाएं छिपी है। जिन्हें पहचानने और संवारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सप्त शक्ति संगम महिलाओं में नेतृत्व और संगठन शक्ति को सशक्त करने का मंच है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष राधा राणा ने कहा कि यह संगम नारी में निहित शिक्षा, पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण की शक्ति को जागृत करने का प्रयास है।

इस मौके पर रीता राणा, पूजा सनवाल, जया जोशी, विमला कार्की, मिथलेश देवी, विमला रानी, रेखा कुशवाहा सहित कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

हाई शुगर लेवल में मर्म चिकित्सा सबसे बेहतर

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: द्रोणा सागर तीर्थ स्थल पर काशीपुर डेवलपमेंट फोरम, आर्य समाज, और भारतीय योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15 दिवसीय एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी एनजी चेयरमैन योगेश कुमार जिंदल ने किया।

सोमवार को केडीएफ फोरम द्वारा बुलाई गई प्रेस वार्ता के दौरान शिविर का संचालन कर रहे भारतीय एक्यूप्रेशर संस्थान, लखनऊ के निर्देशक एवं एक्यूप्रेशर संस्थान प्रयागराज के प्रोफेसर डॉ. अमर प्रताप सिंह चंद्रवंशी ने बताया कि एक्यूप्रेशर पद्धति द्वारा असाध्य रोगों का इलाज बिना दवा के साथ सिखाया जा रहा है। इस पद्धति से हार्ट, किडनी और लीवर को एक्टिवेट कर देश और दुनिया में बड़ी संख्या में लोगों को डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, गठिया, मिर्गी दमा, प्रोस्टेट, यूट्रस ट्यूमर, स्पांडलाइटिस, किडनी, फैटी लीवर, अवसाद तथा हृदय जैसे गंभीर रोगों से छुटकारा मिलने की बात कही। प्रशिक्षण का समय प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक और शाम 4 बजे से 5 बजे तक रखा गया है। वहीं उपचार का समय प्रात 9 बजे से 12 बजे तक रखा गया है।

इस अवसर पर केडी एफ अध्यक्ष राजीव घई डॉ. योगराज अरोड़ा, गोपाल कृष्ण अग्रवाल (एग्रोन), डॉ. चक्रेश कुमार जैन, आर्य समाज अध्यक्ष संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

सिटी डायरी

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत करते लाभार्थी।

नौ लाभार्थियों को मुर्गीपालन का प्रशिक्षण दिया

बाजपुर : बहुउद्देश्यीय प्रथम किसान सेवा सहकारी समिति परिसर में रीप परियोजना के अंतर्गत नौ लाभार्थियों को मुर्गीपालन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ .कोमल सिंह फौगाट ने लाभार्थियों को बाड़ा निर्माण व बायो सुरक्षा के बारे में जानकारी दी। इस दौरान समिति के प्रबंध निदेशक हेम कांडपाल व अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

रामरतन यादव को सम्मानित करते अतिथि।

राम रतन यादव 'छन्द भूषण श्री' सम्मान से सम्मानित

खटीमा : केबी हिंदी सेवा न्यास बिसौली बदायूं उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 11वें अंतर्राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह में खटीमा के साहित्यकार राम रतन यादव को साहित्य सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र और 1100 रुपये के साथ मेजर सत्यनारायण अग्रवाल स्मृति – ''छन्द भूषण श्री'' सम्मान से अलंकृत किया गया।

काशीपुर में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते राज्य आंदोलनकारी।

राज्य आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, पहचान पत्र की मांग

काशीपुर : राज्य आंदोलनकारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम अभय प्रताप सिंह को सौंप उन्हें राज्य आंदोलनकारी घोषित करने और पहचान पत्र बनवाने की मांग की। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तराखंड का गठन हुए 25 साल हो गए हैं। लेकिन राज्य गठन के लिए पुलिस की लाठियां खाने वाले और जेल जाने वाले कई आंदोलनकारियों को अभी तक राज्य सरकार ने न तो आंदोलनकारी घोषित किया है न ही उन्हें पहचान पत्र मिले हैं। ज्ञापन सौंपने वालों में शैलेन्द्र कुमार मिश्रा, सनत पैगिया, अर्चना लोहनी, युगल किशोर सिंघल, सचिन नाडिक, संजय रुहेला, पंकज कुमार, मोहन बिष्ट आदि शामिल थे।

स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रिंस खोलिया और आकांक्षा मुरारी।

प्रिंस और आकांक्षा नार्थ जोन कराटे के लिए क्वालीफाई

खटीमा : देहरादून में 31 अक्टूबर से दो नवंबर तक आयोजित 5वें उत्तराखंड कराटे कप में सिटी कॉन्वेंट स्कूल के प्रिंस खोलिया और आकांक्षा मुरारी ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले और विद्यालय का मान बढ़ाया है। वहीं दोनों खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल कौशल, अनुशासन और संघर्ष शीलता का परिचय देते हुए जीत हासिल की है। दोनों खिलाड़ी सात नवंबर से आयोजित होने वाली नॉर्थ जोन कराटे कप प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। उनके विद्यालय लौटने पर पर प्रबंधक प्रवीण उपाध्याय, एजुकेशनल डायरेक्टर तिलक उपाध्याय, प्राचार्य शुभ्रा सक्सेना ने स्वागत किया।

हिंदी समूहगान में डायनेस्टी स्कूल की टीम रही प्रथम

संवाददाता, खटीमा

भारत विकास परिषद की प्रांत स्तरीय हिंदी और समूहगान के विजेता डायनेस्टी के बच्चों के साथ आयोजक।

अमृत विचार: डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की टीम ने भारत विकास परिषद की प्रान्त स्तरीय हिंदी समूहगान प्रतियोगिता में प्रथम और संस्कृत समूहगान में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

भारत विकास परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें देशभक्ति से ओतप्रोत और राष्ट्र के नायकों को समर्पित हिन्दी व संस्कृत गायन प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में अपने गौरवशाली अतीत एवं उन्नतिशील वर्तमान से परिचय कराना है। इससे पूर्व भी विद्यालय प्रतियोगिता के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग कर प्रथम स्थान प्राप्त कर चुका है। विद्यालय के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर परिषद ने विद्यार्थियों को ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। टीम में जतिन कठायत, हर्षित सिरोला, कपिल सामंत, आर्यन मनोला, विनय जोशी, प्रियांशी बिष्ट, संजना सिंह, साक्षी भट्ट, सुजल चंद और यथार्थ चंद शामिल रहे। प्रबंध निदेशक धीरेन्द्र चंद्र भट्ट ने विद्यार्थियों और संगीत प्रशिक्षक नरसिंह कुंवर, ऊधम सिंह, रेनू उपाध्याय और सीमा विश्वकर्मा को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, सुरेश ओली, हरीश भट्ट, दिगम्बर भट्ट, अशोक जोशी, भरत बिष्ट, मनीष ठाकुर, सुरेंद्र रावत, शिल्पा सक्सेना, हेमलता बोरा, ऊषा चौसाली, ऊषा भट्ट, लिंसी त्यागी ने शुभकामनाएं दी हैं।

ब्रीफ न्यूज

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मांग-पत्र सौंपते विधायक मोहन सिंह मेहरा।

मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिले जागेश्वर विधायक

अल्मोड़ा : जागेश्वर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर जागेश्वर विधायक मोहन सिंह मेहरा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की है। विधायक मेहरा ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा वर्ष 2024 में भनोली में डिग्री कॉलेज खोलने की घोषणा की गई थी। बताया कि भनोली में शीघ्र ही राजकीय महाविद्यालय संचालित किए जाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए है। उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा महाविद्यालय की स्थापना के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। जिससे धौलादेवी व लमगड़ा विकासखंड के दर्जनों गांव के बच्चों को उच्च शिक्षा का लाभ मिलेगा। उन्होंने योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री धामी का आभार जताया है।

स्वच्छता के प्रति अच्छा आचरण विकसित करना जरूरी: डीएम

रजत जयंती सप्ताह की हुई शुरूआत, जिलेभर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: राज्य स्थापना दिवस को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हो गई है। सोमवार को राज्य स्थापना रजत जयंती सप्ताह के तहत जिलेभर में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न स्थानों की साफ सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया।

हेमवती नंदन बहुगुणा स्टेडियम में जिला प्रशासन की ओर से स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई। इस दौरान डीएम अंशुल सिंह ने स्वच्छता स्वयं सेवियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उनके नेतृत्व में स्टेडियम परिसर से बड़ी मात्रा में कूड़ा एकत्रित किया गया। इस मौके पर डीएम ने कहा कि इस स्वच्छता अभियान का उद्देश्य लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना है। लोगों में स्वच्छता के प्रति अच्छा आचरण विकसित हो और लोग इस कार्य को दीर्घकाल के लिए अपनी आदत में लाए, यह इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने जनपद वासियों से अपील की है कि स्वयं के साथ साथ अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। कहा कि कूड़े को निर्धारित स्थान पर ही डाले तथा स्वच्छता कर्मियों का सहयोग करें।

इस अभियान के लिए 26 से अधिक जिला स्तरीय अधिकारी नामित किए गए थे। एकत्रित कूड़े को नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत तथा जिपं के वाहनों से निर्धारित स्थान पर एकत्रित किया गया। यहां मेयर अजय वर्मा, सीडीओ रामजी शरण शर्मा, अपर एडीएम युक्ता मिश्र, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रवि रौतेला, हरीश कनवाल आदि रहे।

अल्मोड़ा में लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाते डीएम। ● अमृत विचार

राज्य आंदोलनकारियों का किया जाएगा सम्मान

अल्मोड़ा : जिलेभर में राज्य स्थापना दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। सोमवार को डीएम अंशुल सिंह ने कार्यक्रमों को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने स्थापना दिवस पर जनपद और तहसील स्तर पर उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों का संघर्ष और व्यक्तित्व प्रेरणादायी है, उनका सम्मान हमारे लिए गर्व का विषय है। उन्होंने निर्देश दिए कि जनपद और तहसील स्तर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को गरिमामय, सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायक ढंग से आयोजित किया जाए। बैठक में जनपद के सभी उपजिलाधिकारियों को वर्चुअल माध्यम से जोड़ा गया। इस अवसर पर सीडीओ रामजीशरण शर्मा, एडीएम युक्ता मिश्र, डीडीओ संतोष कुमार पंत, एसडीएम सदर संजय कुमार, डीपीओ पीताम्बर प्रसाद आदि मौजूद रहे।

एक सप्ताह के भीतर शुरू होगा पार्किंग का सुधारीकरण कार्य

अल्मोड़ा : नगर के टैक्सी स्टैंड के समीप बनी पार्किंग के निर्माण में अनियमितताओं और बदहाली को लेकर पार्षदों की शिकायत के बाद जिला प्रशासन ने कार्रवाई की है। सोमवार को कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने पार्किंग का निरीक्षण कर कार्य एक सप्ताह के भीतर शुरू करने की बात कही।

दरअसल, बीते दिन नगर निगम के पार्षदों ने टैक्सी स्टैंड से पास बने पार्किंग की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। मामले में प्रशासन से कार्रवाई की मांग उठाई थी। इधर, सोमवार को पार्षदों की शिकायत के बाद कार्यदायी संस्था के सीएनडीएस प्रोजेक्ट मैनेजर हरि प्रकाश अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान निर्माण की स्थिति को देखा और शिकायत का संज्ञान लेते हुए पार्षदों को एक सप्ताह के भीतर सुधारीकरण कार्य शुरू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि निर्माण में जो भी कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द ठीक कर लिया जाएगा। यहां पार्षद अमित शाह मोनू, पार्षद अर्जुन बिष्ट और अभिषेक जोशी, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष कैलाश गुरुरानी, ग्राम प्रधान विनोद जोशी आदि रहे।

डीएम ने ग्राम प्रधानों के साथ किया संवाद

चम्पावत में ग्राम प्रधानों से संवाद करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, टनकपुर/ चम्पावत

अमृत विचार: विकास भवन सभागार चम्पावत में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्राम प्रधानों के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों से सीधा संवाद करते हुए उनके सुझावों, समस्याओं एवं शिकायतों को सुना तथा उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागों आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी ग्राम प्रधानों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि योजनाओं की कोई सीमा नहीं होती, यदि सही जानकारी और समन्वय के साथ कार्य किया जाए तो विकास के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने ग्राम प्रधानों से अपने कार्यकाल के प्रारंभिक चरण में ही सामाजिक हित में ठोस और साहसिक निर्णय लेने का आह्वान किया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य के अलावा नवाचार आधारित विकास कार्यों को प्राथमिकता देने पर बल दिया। बैठक में डीएम ने निर्देश दिए कि जिला टेलीकॉम समिति की अगली बैठक में ऐसे ग्रामों के प्रधानों को विशेष रूप से आमंत्रित किया जाए, जहाँ नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या बनी हुई है, ताकि उनके सुझावों से इस समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

बैठक में सीडीओ डॉ. जीएस खाती, सहायक परियोजना निदेशक विमी जोशी, जिला विकास अधिकारी दिनेश सिंह दिगारी सहित विभिन्न क्षेत्रों के ग्राम प्रधान सहित अन्य मौजूद रहे।

नीरज प्रभागीय अध्यक्ष मनोनीत

- अल्मोड़ा में वन बीट अधिकारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन हुआ
- अधिवेशन में संघ की समस्याओं समेत नई कार्यकारिणी का गठन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अल्मोड़ा में वन बीट अधिकारी संघ का जिला स्तरीय अधिवेशन आयोजित हुआ। अधिवेशन में संघ की तमाम समस्याओं समेत नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें नीरज सिंह बिष्ट को प्रभागीय अध्यक्ष, किशोर आर्या को महामंत्री चुना गया।

वन चेतना केंद्र एनटीडी में आयोजित अधिवेशन में अल्मोड़ा वन प्रभाग, सिविल सोयम वन प्रभाग व जिले के अन्य रेंजों से आए वन बीट अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। रेंज स्तर से आए वन बीट अधिकारियों की ओर से अपने विचार भी रखे गए। साथ ही विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की। इसके बाद अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें प्रभागीय अध्यक्ष और महामंत्री के अलावा दिनेश भट्ट को प्रभागीय उपाध्यक्ष, रोशन कुमार को प्रभागीय कोषाध्यक्ष और पूनम पंत को महिला उपाध्यक्ष चुना गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि वन बीट अधिकारियों की सभी समस्याओं के निदान के लिए वह पूरा प्रयास करेंगे। यहां प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतुल भगत, कुमाऊं मंडल अध्यक्ष हर्ष वर्धन गढ़िया, महामंत्री बलवंत सिंह भंडारी, संरक्षक हीरा सिंह बिष्ट, सौरभ सिंह जीना, कंचन कुमार भोला, शंकर सिंह बोरा, दलीप सिंह नेगी, महेंद्र प्रसाद, दीवान सिंह मेहता आदि वन बीट अधिकारी मौजूद रहे।

वन बीट अधिकारी संघ का अधिवेशन के दौरान मौजूद पदाधिकारी व सदस्य।

सरकारी अस्पताल के डॉक्टर पर लगाए आरोप

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय में एक मरीज ने डॉक्टर पर गंभीर आरोप लगाते हुए चिकित्सा अधीक्षक से कार्रवाई की मांग की है।

मोहल्ला अल्ली खां निवासी फईम ने चिकित्सा अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह अपने पैर के ऑपरेशन के लिए 27 अक्टूबर 2025 को एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय में भर्ती हुआ था। अस्पताल की एक डॉक्टर ने उसी दिन ऑपरेशन तय कर दिया और अलग से जांच कराने के लिए कहा। जांच पर लगभग तीन हजार रुपये का खर्च हुआ और अस्पताल ने ऑपरेशन का बिल भी काट दिया। फईम का कहना है कि इसके बाद डॉक्टर और स्टाफ उसे रोज भूखा-प्यासा रखते और शाम चार बजे के बाद ऑपरेशन के लिए मना कर देते। इस तरह लगातार उसे टालमटोल किया गया। जब उसने डॉक्टर से पूछा कि आखिर उसका ऑपरेशन कब किया जाएगा, तो डॉक्टर ने कथित रूप से अपशब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। मरीज का आरोप है कि उसके बाद आने वाले अन्य मरीजों का ऑपरेशन कर दिया गया। इतना ही नहीं उसकी पत्नी के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। फईम ने अधीक्षक से शिकायत कर इस मामले की जांच कर डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीएमएस ने मामले में जांच के लिए टीम गठित की है। बताया कि जांच के बाद निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

स्टार नाइट में जितेंद्र तोमक्याल व महिपाल मेहता ने जमाया रंग

- अल्मोड़ा में सात दिवसीय गोल्ज्यू महोत्सव जारी
- महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

संवाददाता, अल्मोड़ा

गोल्ज्यू महोत्सव में गीतों की प्रस्तुति देते लोक गायक जितेंद्र और महिपाल।

अमृत विचार: सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में सात दिवसीय गोल्ज्यू महोत्सव जारी है। रविवार शाम महोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। जिसमें कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति देकर मन मोहा।

नगर के मल्ला महल में आयोजित महोत्सव में रविवार शाम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक कैलाश शर्मा ने किया। उन्होंने महोत्सव समिति की जमकर तारीफ की। कहा कि इस तरह के आयोजन से पहाड़ी की संस्कृति को पहचान मिलती है। महिलाओं की टीमों ने झोड़ा गायन की शानदार प्रस्तुतियां दी। वहीं, स्टार नाइट में लोक गायक जितेंद्र तोमक्याल और महिपाल मेहता के सुरों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कलाकारों ने कुमाऊनी गढ़वाली गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर महोत्सव में मौजूद लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया।

सोमवार को महोत्सव में नृत्य नाटिका, एकल गायन प्रतियोगिता महिला-पुरुष का आयोजन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर तालियां बटोरी। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, कमल बोरा, रमेश बहुगुणा, प्रकाश बिष्ट, रवि रौतेला, हरीश कनवाल, रवि चौहान, तारा चंद्र जोशी, पूरन रौतेला, अखिलेश थापा, लता तिवारी, राधा बिष्ट, ललित बिष्ट, मयंक रौतेला आदि मौजूद रहे।

बसभीड़ा रामलीला में सीता की खोज में निकली राम सेना। ● अमृत विचार

रामलीला मंचन में हनुमान ने जलाई लंका

बैरती (अल्मोड़ा) : क्षेत्र के बसभीड़ा रामलीला में राम- शबरी मिलन, बाली- सुग्रीव युद्ध, बाली वध, सीता की खोज में निकली वानर सेना एवं हनुमान द्वारा लंका दहन, रावण- मंदोदरी संवाद और विभीषण का लंका से गमन आदि का सुमनोहर मंचन किया गया। शबरी के पात्र अनीता किरौला, बाली- सुग्रीव के पात्र क्रमश : पवन किरौला व भूपाल बिष्ट, हनुमान अंकुश वर्मा, विभीषण ललित पालीवाल, मेघनाद हीरा नेगी तथा मंदोदरी के पात्र नवीन किरौला आदि ने अभिनय में जान डाल दी। रामलीला मंचन का यूट्यूब चैनल पर भी प्रसारण किया जा रहा है। इसमें कमेटी के मीडिया प्रभारी हेमंत वर्मा, पवन किरौला, मनीष कंडारी, गणेश कंडारी व भास्कर डिजिटल सर्विस के हरीश बौरा आदि सहयोग कर रहे हैं। इससे जो लोग मंच तक नहीं आ सके रहे हैं और प्रवासी रामभक्त भी रामलीला का आनंद उठा रहे हैं। लोगों ने इस व्यवस्था के लिए कमेटी का विशेष आभार व्यक्त किया है।

मामले ने पकड़ा तूल, पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित

संवाददाता, पिथौरागढ़

अमृत विचार: जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य पर शिक्षकों से गलत आचरण और उत्पीड़न के आरोपों के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मामला राज्य महिला आयोग के साथ ही रक्षा मंत्रालय तक पहुंच गया है। महिला आयोग के निर्देश के बाद डीएम ने मामले की जांच को पांच सदस्यीय कमेटी गठित की है। वहीं, रक्षा मंत्रालय मामले की जांच के लिए जल्द ही पिथौरागढ़ टीम भेजेगा।

मामले के अनुसार, करीब एक महीने पूर्व जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य पर यहां तैनात महिला सहित अन्य कर्मियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य महिला आयोग को पत्र भेजकर उनके खिलाफ जांच कर कार्रवाई की मांग की थी। कर्मियों ने इस मामले की शिकायत दायित्वधारी गणेश भंडारी के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार से भी की थी। मामले को लेकर दायित्वधारी गणेश भंडारी ने सोमवार को नगर में पत्रकारों के साथ वार्ता की। उन्होंने बताया कि आर्मी स्कूल के प्रधानाचार्य पर यहां तैनात 80 फीसदी कर्मियों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। यदि ऐसा नहीं होता तो अधिकांश कर्मी शिकायत दर्ज नहीं कराते। मामले को केंद्र और राज्य सरकार के समक्ष रखा गया। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ने मामले में रक्षा मंत्रालय से वार्ता की है। जल्द ही रक्षा मंत्रालय से मामले की जांच को टीम आर्मी स्कूल पहुंचेगी।

पिथौरागढ़ में प्रेस वार्ता करते दर्जा राज मंत्री गणेश भंडारी और राकेश देवलाल।

खिलाड़ियों ने जीते 7 स्वर्ण और दो कांस्य

बनबसा, अमृत विचार : देहरादून में आयोजित कराटे प्रतियोगिता में क्षेत्र के खिलाड़ियों ने सात स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया।

बनबसा के खिलाड़ी कृष्णकांत कौशल सीनियर 50 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक, निष्ठा नेगी सीनियर 68 किग्रा स्वर्ण, महक बिष्ट जूनियर 42 किग्रा स्वर्ण, अंशिका धामी कैडेट 54 किग्रा स्वर्ण, आकांक्षा मुरारी सबजूनियर 55 किग्रा स्वर्ण, सिम्पी राणा सब जूनियर 50 किग्रा स्वर्ण, प्रिंस खोलिया सब जूनियर 61 किग्रा स्वर्ण, साक्षी भण्डारी कैडेट 61 किग्रा कास्य अभिषेक सिंह कैडेट 52 किग्रा कास्य जीते। सभी विजेताओं को अजय अग्रवाल संयुक्त निदेशक खेल, संजीव कुमार जांगड़ा सचिव उत्तराखंड कराटे एसोसिएशन ने पदक पहनाकर सम्मानित किया।

लोहाघाट में आयोजित सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। ● अमृत विचार

संस्कृति व मूल्यों की संवाहक हैं नारियां : डॉ. सुमन

लोहाघाट, अमृत विचार : हीरा भट्ट सरस्वती बालिका विद्यामंदिर इंटर कालेज में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज में बदलाव लाने के लिए नारी शक्ति के योगदान पर गहन चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीना जोशी ने की, जबकि मुख्य वक्ता डा. सुमन पांडेय रहीं। उन्होंने कहा कि नारी ही संस्कृति और मूल्यों की संवाहक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब नारी शिक्षित होगी, तभी समाज में सच्चे अर्थों में परिवर्तन संभव हो पाएगा। प्रधानाचार्य मुन्नी खड़ायत ने भारत के विकास में महिलाओं के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला शक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव की सबसे बड़ी प्रेरक है। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे संगठित होकर कुरीतियों को मिटाने और नई चेतना जगाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में पुष्पा ढेक, शांति देवी और तीलू रौतेली पुरस्कार प्राप्त पुष्पा पाटनी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष ज्योति राय, किरन पुनेठा, लता वर्मा, डौली वर्मा, सुधा खर्कवाल, हीरा मुरारी, किरन तड़ागी, स्नेह लता, विनिता अधिकारी, पुष्पा गड़कोटी मौजूद रहीं।

खेल-खिलाड़ी

पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं जिपं उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा

फुटबॉल प्रतियोगिता में लोहाघाट टीम विजेता

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देश पर जिला खेल कार्यालय चम्पावत के तत्वावधान में उत्तराखण्ड राज्य स्थापना की रजत जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में स्पोर्ट्स स्टेडियम टनकपुर में जिला स्तरीय फुटबॉल (अंडर-17, बालक वर्ग) प्रतियोगिता का फाइनल मैच आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा रहीं, जिन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कृत किया तथा सभी खिलाड़ियों को भविष्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया।

फुटबॉल प्रशिक्षक गौरव खोलिया ने बताया कि फाइनल मुकाबला लोहाघाट और बनबसा की टीमों के मध्य खेला गया, जिसमें रोमांचक मुकाबले के बाद लोहाघाट की टीम ने 4-3 से विजय प्राप्त की।

निर्णायक मंडल में रोहन बिष्ट एवं सौरभ बोहरा शामिल रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में स्टेडियम प्रभारी मुकेश शर्मा, स्पोर्ट्स हॉस्टल बॉक्सिंग प्रशिक्षक ललित मोहन कुंवर, फुटबॉल प्रशिक्षक पवनेश पाटनी, रन बहादुर मल, नितिन ढेक, बॉक्सिंग प्रशिक्षक सूरज पांडे, वॉलीबॉल प्रशिक्षक आशा पांडे, क्रिकेट प्रशिक्षक मनोज टकवाल, हीरा, दीपक एवं राकेश का विशेष सहयोग रहा।

टनकपुर स्टेडियम में मुख्य अतिथियों के साथ विजेता व उपविजेता टीम के खिलाड़ी।

वृहद् पुस्तक मेला 7 से 9 नवंबर तक

टनकपुर : राज्य की रजत जयंती वर्ष के अवसर पर जनपद चम्पावत में ज्ञान, साहित्य और सृजनशीलता के प्रसार के लिए तीन दिवसीय वृहद् पुस्तक मेले का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य शिक्षा अधिकारी मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि इस पुस्तक मेले में नेशनल बुक ट्रस्ट, साहित्य अकादमी, राजपाल प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन और किताब घर प्रकाशन जैसी देश की प्रतिष्ठित संस्थाएं एवं प्रकाशक भाग ले रहे हैं। यह मेला 7 से 9 नवंबर तक आयोजित होगा। विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयोजन को जनपद के विभिन्न स्थलों पर संपन्न कराया जाएगा। बताया कि 7 को लोहाघाट एवं बाराकोट, 8 को पाटी, तथा 9 नवंबर को गौरल चौड़ मैदान में इसका भव्य समापन होगा।

अब उत्तराखंड में भी हो सकेगा रक्त से जुड़ी बीमारियों का इलाज

संवाददाता,रानीखेत

Raghav Healthcare

अमृत विचार: पर्वतीय क्षेत्रो में अब रक्त से जुड़ी हर बीमारी का इलाज संभव हो पाएगा। इसके लिए पहले महानगरों में जाकर रोगी को उपचार करना पड़ता था। लेकिन अब यह सुविधा हल्द्वानी में मिलने लगी है। यह जानकारी राघव इंस्टिट्यूट का हेमेटोलॉजिस्ट के जनरल मैनेजर प्रमोद पांडे ने दी।

उन्होंने बताया कि रक्त से जुड़ी हर बीमारी का इलाज डॉ. तुषार पांडे क्लिनिकल हेमेटोलॉजिस्ट एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट फिजिशियन के द्वारा किया जाने लगा है। हेमेटोलॉजी यानी रक्त से संबंधित रोगों की विशेष शाखा इसमें उन बीमारियों का इलाज किया जाता है जो खून के घटकों जैसे लाल रक्त कण सफेद रक्त कण प्लेट्स या बोन मैरो को प्रभावित करती हैं। थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया जन्मजात रक्त रोग, जिसमें रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होती है। बोन मैरो की कमजोरी शरीर में रक्त बनाने की प्रक्रिया रुक जाना, ल्यूकेमिया रक्त का कैंसर जिसमें असामान्य समेत रक्त कारण बढ़ जाते हैं। लिम्फोमा, मायलोमा बोन मैरो का कैंसर रोग होता है। बोन मैरो बायोप्सी खून बनाने वाली कोशिकाओं की जांच जिससे बीमारी का सही पता चलता है। बोन मैरो ट्रांसप्लांट सहित गंभीर रक्त रोगों जैसे थैलेसीमिया, ल्यूकेमिया या अप्लांटिक एनीमिया में जीवन रक्षक इलाज सहित लंबे इलाज के लिए सुरक्षित दवा देने की आधुनिक सुविधा के साथ कीमोथेरेपी की सुरक्षित व्यवस्था की जाती है। उपचार के दौरान मरीज को न केवल इलाज बल्कि काउंसलिंग, आहार मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक समर्थन भी दिया जाता है। वह पूर्ण स्वस्थ होकर सामान्य जीवन जी सके। डॉ. तुषार पांडे द्वारा कपिल कांपलेक्स हल्द्वानी में आधुनिक चिकित्सीय उपकरणों के साथ रक्त से संबंधित बीमारियों का उपचार किया जाता है।

अमृत विचार
मंगलवार, 4 नवंबर 2025

आप दीवार के चित्रों को बदल कर इतिहास के तथ्यों को नहीं बदल सकते।
–जवाहर लाल नेहरू, पूर्व प्रधानमंत्री

हर मन की जीत

बेशक, यह जीत मात्र ट्रॉफी की नहीं, बल्कि आधी आबादी के आत्मविश्वास की है। यह 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में बसी आशाओं को फलीभूत करने वाली विजय है। यह क्षण उन दशकों लंबे सफर का प्रतिफल है, जिसका रास्ता डायना इदुल्जी, शांता रंगास्वामी, अंजुम चोपड़ा, मिताली राज और झूलन गोस्वामी जैसी कई दिग्गजों ने अपने पसीने से हमवार किया था। कभी अनुभव और संसाधनों की कमी से जूझने वाली टीम अब अनुशासन, तकनीक और मानसिक दृढ़ता के बल पर विश्वविजेता बन चुकी है। भारतीय महिला क्रिकेट की इस ऐतिहासिक जीत ने दिखाया कि महिला क्रिकेट अब पुरुष क्रिकेट का पूरक नहीं है। विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से पूर्व में मिली पराजयों से यह भारतीय महिला क्रिकेट टीम टूटी नहीं, बल्कि और सशक्त बनी। यह टीम अब पहले से अधिक संगठित, फिटनेस और फील्डिंग में उन्नत तथा डेटा-आधारित रणनीति में दक्ष हो चुकी है। कोच अमोल मजूमदार और बीसीसीआई सचिव जय शाह की भूमिका इस रूपांतरण में निर्णायक रही है। एक ओर जय शाह ने महिला आईपीएल की स्थापना कर आर्थिक स्थिरता और अवसरों का विस्तार किया, वहीं मजूमदार ने टीम की रणनीति और मानसिक प्रशिक्षण को नए स्तर पर पहुंचाया। बीसीसीआई के प्रयासों ने छोटे शहरों से नई महिला क्रिकेट प्रतिभाओं को आगे लाने में योगदान दिया।

यह जीत केवल क्रिकेट के मैदान पर नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के पिच पर भी खेली गई विजयी पारी है। जब किसी गांव की बेटी यह देखेगी कि भारतीय महिला टीम विश्वविजेता बनी है, तो वह यह भी मानेगी कि खेल सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र नहीं। यह जीत नारी सशक्तिकरण की ऐसी प्रभावी प्रेरणा है, जो किसी भाषण या योजना से कहीं गहरी पहुंच रखती है। क्रिकेट की दुनिया में यह सफलता 'डिप्लोमैटिक सॉफ्ट पॉवर' का भी प्रतीक है। भारतीय महिला क्रिकेट की यह उपलब्धि वैश्विक मंच पर भारत की खेल-क्षमता, प्रबंधन और खेल संस्कृति का नया चेहरा पेश करती है। बाजार भी इसे पहचान रहा है। विज्ञापनदाता अब महिला खिलाड़ियों को ब्रांड वैल्यू मानने लगे हैं। भविष्य में महिला क्रिकेट के प्रसारण अधिकारों और प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि लगभग तय है। दर्शकों की भीड़, टीवी और इंटरनेट के जरिए दर्ज दर्शनीयता के आंकड़े यह संकेत दे रहे हैं कि महिला क्रिकेट अब घर-घर की बातचीत का हिस्सा बन गया है। दर्शक बढ़ेंगे तो निवेश भी बढ़ेगा और तब वह दिन दूर नहीं जब महिला खिलाड़ियों को पुरुषों के समान पारिश्रमिक मिलेगा।

अब जिम्मेदारी सरकार और बीसीसीआई की है कि महिला क्रिकेट के लिए अलग नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, राज्य स्तर पर अकादमियां और स्कूल-स्तर से टैलेंट खोजने के लिए संरचित लीग प्रणाली शुरू करे। महिला खिलाड़ियों के लिए खेल विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और करियर सुरक्षा योजनाएं भी बनाई जानी चाहिए। भारतीय महिला क्रिकेट की यह विश्व विजेता पारी केवल खेल की विजय नहीं, यह उस नए भारत की घोषणा है, जहां प्रतिभा का लिंग नहीं, सिर्फ जज़्बा मायने रखता है। यह जीत आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि जब महिलाएं मैदान में उतरती हैं, तो युगांतरकारी इतिहास लिखा जाता है।

'नीले समंदर' में भारतीय बेटियों का 'ज्वार'

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

हमारी बेटियां 'विश्व चैंपियन' बन गईं। रविवार रात फाइनल में मिली जीत ने भारत में दिन जैसा उजियारा फैला दिया। राष्ट्रीय भावना की रोशनी में समूचा भारत जगमगा गया। 'वुमेन इन ब्लू' के नाम से मशहूर बेटियों ने अरब सागर के किनारे स्थित नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम के 'नीले समंदर' (ब्लू टीशर्ट पहने दर्शक) में 'ज्वार' ला दिया। रविवार की रात गहरी नींद में सोया हिंदुस्तान मारे खुशी जग गया... और जगे भी क्यों न? हमारी बेटियां क्रिकेट जगत की 'नई मल्लिका' जो बन गई हैं। आईसीसी महिला क्रिकेट की 'सिरमौर' जो बन गई हैं। वर्ष 1983 की रात (शनिवार) कपिलदेव की अगुवाई वाली टीम वेस्टइंडीज को हराकर विश्व विजेता बनी थी। समूचे देश को उमंग से भर दिया था। क्रिकेट प्रमियों को आह्लादित कर दिया था। कुछ उसी प्रकार बीती दो नवंबर की रात (रविवार) कप्तान हरमनप्रीत की टीम ने देशवासियों को जीत की रस से सराबोर कर दिया।

वर्ष 2005 तथा वर्ष 2017 का फाइनल हार जाने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने विश्व चैंपियन बनकर साल 2025 को कभी न भूलने वाला साल बना दिया। जीत के जज्बे से हर भारतीय को गौरवान्वित कर दिया। यह बेटियों की जीत है। यह 140 करोड़ भारतीयों की जीत है। यह जीत पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट लीजेंड्स शांता रंगास्वामी, डायना एडुलजी, अंजुम चोपड़ा, झूलन गोस्वामी व मिताली राज की भी है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी देश में महिला क्रिकेट के उत्थान के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था।

यह जीत देश में महिला क्रिकेट के बढ़ावे की 'टानिक' मानिंद होगी। यह जीत आने वाली पीढ़ियों की रगों में दौड़ेगी। जान लें, महिला क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि कोई एशियाई टीम विश्व चैंपियन बनी। इससे पहले आस्ट्रेलिया ने सात, इंग्लैंड ने चार और न्यूजीलैंड की टीम ने एक बार यह खिताब अपने नाम किया है। हमारे देश में क्रिकेट एक जुनून है। महिला क्रिकेटरों का जीवन संघर्षों और चुनौतियों से भरा होता है। पुरुष क्रिकेट खिलाड़ियों को 'सिर आंखों' पर बिठाने वाले भारत में महिला क्रिकेटरों को अभी वह स्थान नहीं मिल पाया है। भारतीय महिला क्रिकेटर अपनी पहचान बनाने व मौजूदगी साबित करने के लिए भी लड़ते दिखती हैं। वर्ष 1976 में शांता रंगास्वामी की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच पटना में खेला था। वर्ष 1978 में भारतीय महिला टीम ने पहला विश्व कप खेला था। अंतर्राष्ट्रीय व घरेलू स्तर पर भारतीय महिला टीम ने 1979 से पूर्णरूपेण क्रिकेट खेलना शुरू किया।

अफसोसनाक यह कि पैसे की कमी के कारण हमारी महिला टीम 1986 से वर्ष 1991 के मध्य एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेल पाई थी। इससे पहले डब्लूसीएआई टीम के प्रबंधन को जिम्मेदारी थी। महत्पूर्ण यह कि डबल्यूसीआई धन की तंगी से ही घिरा रहता था। देश में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1973 में वूमेंस क्रिकेट एसोसिएशन इन इंडिया (डब्लूसीएआई) का गठन किया गया था। वर्ष 1997 में महिला विश्व कप का आयोजन भारत में हुआ था, जिसमें भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। वर्ष 2004 में खेले गए पहले एशिया कप में श्रीलंका को हराकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने खिताब जीता था। भारतीय महिला क्रिकेट टीम वर्ष 2005 में पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची थीं।

वर्ष 2006 से बीसीसीआई मेंस टीम की भांति भारतीय महिला क्रिकेट का संरक्षक बना। वर्ष 2015 में बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटरों को पहली बार 'सेंट्रल कांट्रैक्ट' प्रदान किया। पहले वे केवल दैनिक भत्ते और मैच फीस पर निर्भर हुआ करती थीं। वर्ष 2016 में भारत ने पहली बार महिला टी-20 विश्व कप की मेजबानी की। वर्ष 2017 भारतीय महिला क्रिकेट में सौगात लेकर आया। इस वर्ष खेले गए विश्व कप सेमीफाइनल मैच को सिर्फ भारत में ही करीब 15.6 करोड़ दर्शकों ने देखा, जिससे 'टीवी व्यूअरशिप' में जबरदस्त उछाल आया। बाजार का ध्यान भारतीय महिला क्रिकेट की ओर गया।

वर्ष 2017 के विश्व कप तथा वर्ष 2020 के टी-20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला क्रिकेट टीम फाइनल तक पहुंचीं। इस सफलता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम को विश्व में अत्यधिक 'एक्सपोजर' मिलने लगा। भारत की शीर्ष महिला क्रिकेटर आस्ट्रेलिया में वीमेंस बिग बैश टूर्नामेंट और इंग्लैंड में सुपर लीग और वीमेंस हंड्रेड में खेलने लगीं। वर्ष 2022 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता। आईपीएल की तर्ज पर वर्ष 2023 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत हुई। डब्ल्यूपीएल से भारत में महिला क्रिकेट में और जान आ गई। भारत में महिला क्रिकेट की प्रगति और सफलता पिछले दो दशकों में ही हुई है।

टेस्ट, एकदिवसीय व टी-20 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम अपनी प्रतिभा का पताका विश्व में फहरा रही हैं। अब उन्हें टेस्ट मैच खेलने पर प्रति मैच 15 लाख, एकदिवसीय मैच खेलने पर छह लाख और टी-20 मैच खेलने पर तीन लाख रुपये मिलते हैं। 'पावरहाउस लीडर' हरमनप्रीत कौर हों या 'एलिगेंट स्ट्रोक-मेकर' स्मृति मंधाना, बेहतरीन आलराउंडर दीप्ति शर्मा हों या 'हिट वूमेन' रिचा घोष। 'भारतीय वाल' जेमिमा रोड्रिग्स हों या नई सनसनी शेफाली वर्मा। विश्व चैंपियन बनकर इन 'शेरनियों' ने भारतीय महिला क्रिकेट की माली माने जाने वाली शांता रंगास्वामी, डायना एडुलजी, अंजुम चोपड़ा, मिताली राज व झूलन गोस्वामी के सपनों को भी साकार किया है।

हमारी बेटियां 'विश्व चैंपियन' बन गईं। 'वुमेन इन ब्लू' के नाम से मशहूर बेटियों ने अरब सागर के किनारे स्थित मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 'नीले समंदर' में 'ज्वार' ला दिया।

सोशल फोरम

साहिर, अमृता व इमरोज

प्रतिभा नैथानी
ब्लॉगर

प्रसिद्ध लेखिका अजीत कौर लिखती हैं कि यह उन दिनों की बात है जब मैं दिल्ली हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थी। अमृता प्रीतम के घर मेरा आना-जाना हुआ करता था। उस दिन मैं अमृता के घर गई, तो देखा बरामदे में कोई लड़का बैठा हुआ है। पहले मैंने उसे अमृता के बेटे नवराज का दोस्त समझा। बाद में पता चला कि कोई चित्रकार है। किताबों के कवर डिजाइन करता है और नाम इंद्रजीत है। कुछ समय बाद खबर मिली कि इंद्रजीत को मुंबई में कोई अच्छा कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है और अमृता भी उसके साथ मुंबई चली गई हैं। लगभग डेढ़ बरस के बाद एक दिन बलवंत गार्गी मेरे हॉस्टल आए और उन्होंने बताया कि सुन! अमृता मुंबई से वापस आ गई है। बहुत परेशान है बेचारी। तू चलेगी उससे मिलने?

हम गए तो देखा कि अमृता सूखकर कांटा हो गई है। आंखों के नीचे भी स्याह घेरे पड़े हुए हैं। उसे इतना उदास हमने पहले कभी नहीं देखा। वह बिल्कुल खामोश बैठी रही। बहुत देर बाद उसने बताया कि मुंबई में इंद्रजीत और उसके बीच साहिर को लेकर रोज़ झगड़ा होता था। एक दिन इंद्रजीत ने इसका बक्सा उठाकर सड़क पर फेंक दिया कि साहिर-साहिर की रट लगाए रहती है हरदम! जा उसी के पास जाकर मर। वहां से सीधे अपने घर जाने की हिम्मत तो थी नहीं, इसलिए वह बलवंत गार्गी के घर पर ही रुकी हुई थी। हमने अमृता के पति भापा प्रीतम सिंह जी से बात की, उसे घर लिवा ले जाने के लिए। वे सचमुच आए और अमृता की झेंप मिटाते हुए उन्होंने कहा- 'आओ चलो अपने घर चलें।' अब अमृता एक बार फिर अपने घर में थी।

फिर पता चला कि इंद्रजीत भी मुंबई से वापस दिल्ली लौट आया है। वह अमृता से मिलने उसके घर गया, लेकिन बार-बार नहीं। अब अमृता उससे मिलने जाती थी, जो सड़क के दूसरी तरफ कुछ दूर था। मिलने-मिलाने की यह ऊहापोह ज़्यादा दिन न चल सकी। कुछ दिन बाद ही वे दोनों साथ रहने लगे और फिर पता नहीं कब इंद्रजीत, इमरोज़ हो गया। अजीत कौर यह भी लिखती हैं कि साहिर ने कभी भी अमृता के प्रति अपने लगाव को जाहिर नहीं किया, बस अमृता ही उसके नाम की आहें भरती रहती थीं। अमृता प्रीतम ने साहित्य में इतना नाम कमाया है कि उन्हें इसके लिए ही याद किया जाता तो बेहतर था, मगर अफसोस कि उनकी मिसाल दी जाती है, 'रसीदी टिकट' भर पर समा जाने वाले इस मामूली प्रेम त्रिकोण के लिए।

–फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

हिंदी दुनिया के 'सबसे बड़े नागरिक' का गुजर जाना

सदी के साहित्यकार कहे जाने वाले डॉ. रामदरश मिश्र अब हमारे मध्य नहीं रहे। अपनी एक सौ एक वर्ष की जीवन यात्रा पूर्ण कर पिछले महीने 31 अक्टूबर को उन्होंने अपने जीवन की अन्तिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन के समाचार से साहित्य जगत में शोक की लहर है। उनका महाशून्य में विलीन हो जाना हिंदी साहित्य की अपूरणीय क्षति है। डॉ. रामदरश मिश्र की गणना हिंदी के प्रतिष्ठित साहित्यकारों में होती है। वे जितने समर्थ कवि हैं, उतने ही समर्थ उपन्यासकार और कहानीकार भी। उनकी लंबी साहित्य-यात्रा समय के कई महत्वपूर्ण मोड़ों से गुजरी है। अपने परिवेशगत अनुभवों एवं सोच को सृजन में उतारते हुए, उन्होंने गांव की मिट्टी, सादगी और मूल्यधर्मिता को अपनी रचनाओं में व्याप्त होने दिया, जो उनके व्यक्तित्व की पहचान बन गए।

सुरेश बाबू मिश्रा
साहित्यकार

उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपनी लेखनी चलाई। गीत, नई कविता, छोटी कविता, लंबी कविता यानी कि कविता की कई शैलियों में सर्जनात्मक प्रतिभा से अपनी प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ-साथ गजल में भी उन्होंने अपनी सार्थक उपस्थिति रेखांकित की। इसके अतिरक्त उपन्यास, कहानी, संस्मरण, यात्रावृत्तांत, डायरी, निबंध आदि सभी विधाओं में उनका साहित्यिक योगदान बहुमूल्य है।

डॉ. रामदरश मिश्र का जन्म गोरखपुर जिले के कछार अंचल के गांव डुमरी में हुआ था। इनके पिता का नाम रामचंद्र मिश्र और माता का नाम कमलापति मिश्र है। बनारस विश्वविद्यालय से ही उन्होंने डीलिट की उपाधि हासिल की। सन् 1956 में उनकी नियुक्ति सयाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में हुई। सन् 1958 में वे गुजरात विश्वविद्यालय से संबद्ध हो गए। उन्होंने 8 बर्ष तक गुजरात विश्वविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में कार्य किया। सन् 1964 में उनकी नियुक्ति दिल्ली विश्वविद्यालय में हो गई। वे 26 बर्ष तक दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे और 1990 में वे सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. रामदरश बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने साहित्य की हर विधा में अपनी लेखनी चलाई। लंबी साहित्य यात्रा के मध्य उन्होंने विपुल साहित्य की रचना की। 'पथ के गीत', 'बैरंग-बेनाम चिट्ठियां', 'पक गई है धूप', 'कंधे पर सूरज', 'दिन एक नदी बन गया', 'मेरे प्रिय गीत', 'बाजार को निकले हैं लोग', 'जुलूस कहां जा रहा है?', 'रामदरश मिश्र की प्रतिनिधि कविताएं', 'आग कुछ नहीं बोलती', 'शब्द सेतु', 'बारिश में भीगते बच्चे', 'हंसी होंठ पर आंखें नम हैं', 'ऐसे में जब कभी', 'आम के पत्ते' तथा 'रामदरश मिश्र की लम्बी कविताएं' आदि उनकी प्रमुख काव्य कृतियां हैं।

उन्होंने कई गजल संग्रह भी लिखे। इनमें प्रमुख गजल संग्रह है, 'तू ही बता ऐ जिंदगी', कभी-कभी इन दिनों, 'सपना सदा पलता रहा', 'दूर घर नहीं हुआ', 'बनाया है मैंने ये घर धीरे-धीरे' पाठकों के मध्य बहुत लोकप्रिय हुए। डॉ. रामदरश ने कई प्रसिद्ध उपन्यासों की रचना की, जिनमे 'पानी के प्राचीर', 'जल टूटता हुआ', 'सूखता हुआ तालाब', 'अपने लोग', 'रात का सफर', 'आकाश की छत', 'बिना दरवाजे का मकान', 'दूसरा घर', 'थकी हुई सुबह' तथा 'एक था कलाकार' आदि उपन्यास शामिल हैं।

उनकी लिखी कहानी लोग बड़े चाव से पढ़ते हैं। उनके प्रमुख कहानी संग्रह हैं- 'खाली घर', 'एक वह', 'दिनचर्या', 'सर्पदंश', 'बसंत का एक दिन', 'इकसठ कहानियां', 'मेरी प्रिय कहानियां', 'अपने लिए', 'अतीत का विष', 'चर्चित कहानियां', 'श्रेष्ठ आंचलिक कहानिया' तथा 'चुनी हुई कहानियां' आदि।

आमने सामने

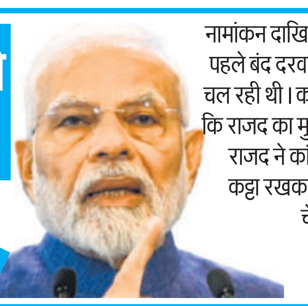

नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले बंद दरवाजों के पीछे गुंडागर्दी चल रही थी। कांग्रेस नहीं चाहती थी कि राजद का मुख्यमंत्री बने, लेकिन राजद ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा रखकर तेजस्वी को सीएम चेहरा घोषित कराया।
–नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

भाजपा यह बात अच्छी तरह जानती है कि नीतीश कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले, इसलिए अब वे भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। जनता महागठबंधन के साथ है और कट्टे की नोक नहीं बल्कि जनता के वोट की ताकत से परिवर्तन होगा।
–तेजस्वी यादव
नेता आरजेडी

रक्षा समझौते से पिघलेगी रिश्तों पर जमी बर्फ

अरविंद जयतिलक
लेखक

वैश्विक स्तर पर तेजी से बदल रहे सामरिक-आर्थिक समीकरण के दरमियान भारत और अमेरिका के बीच दस साल के लिए रक्षा समझौता दोनों देशों के रिश्ते में मिठास घोलने वाला है। अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ और भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने समझौते पर हस्ताक्षर करते हुए उम्मीद जताई कि इस से दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजबूती मिलेगी। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका द्वारा भारत पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने से दोनों देशों के कारोबारी रिश्ते में असहजता उत्पन्न हुई है। पर उम्मीद है कि इस रक्षा समझौते के उपरांत अब दोनों देशों के रिश्ते पर जमी बर्फ पिघलेगी।

यह समझौता पहली बार नहीं हुआ है। यह समझौता वर्ष 1962 से ही चला आ रहा है, जब अमेरिका ने भारत-चीन युद्ध में भारत का साथ दिया था। 1984 के एक अन्य समझौते के तहत दोनों देशों के बीच तकनीक हस्तांतरण को लेकर समझौता हुआ। इसी तरह 2004 में दोनों देशों के बीच नेक्स्ट स्टैप्स इन स्ट्रेटजिक पार्टनरशिप की शुरुआत हुई। इन समझौते से भारत की रक्षा तकनीकी और सैन्य ताकत में लगातार वृद्धि होती रही है।

वर्ष 2023 में अमेरिका की कंपनी जीईएयरोस्पेस और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के बीच फाइटर प्लेन के एफ-414 इंजन बनाने का समझौता हुआ, जिसके तहत दोनों देशों की कंपनियां भारत में फाइटर प्लेन का इंजन बनाने के लिए सहमत हुईं। यह समझौता इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण रहा कि भारत ने अभी तक एरो-इंजन बनाने में सफलता हासिल नहीं की है। दुनिया में सिर्फ चार देश ही अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन हैं, जिहोंने फाइटर जेट का इंजन बनाने में दक्षता हासिल की है।

इसके अलावा भारत को अमेरिका से 31 प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी मिलने पर मुहर लग चुकी है। प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी के जरिए हिंद महासागर में निगरानी तंत्र को मजबूत किया जा सकेगा। चूंकि हिंद महासागर क्षेत्र से भारत को उर्जा जरूरतों और व्यवसायिक सामानों का आयात-निर्यात होता है, ऐसे में निगरानी के लिए प्रिडेटर ड्रोन कवच का काम करेगा। इस इलाके में तकरीबन 12 हजार जहाजों की मौजूदगी लगातार बनी रहती है। चीन का 80 फीसदी व्यापार इसी रूट के जरिए मलक्का स्ट्रेट से होकर गुजरता है। भारत को अमेरिका से मिलने जा रहा प्रिडेटर ड्रोन एमक्यू-9बी मिसाइल से लैस होगा, ऐसे में इस इलाके में चीन के बढ़ते दखल का जवाब दिया जा सकेगा।

विगत एक दशक में भारत और अमेरिका के बीच सामरिक साझेदारी को नया पंख लगा है। गत वर्ष पहले दोनों देशों के बीच रक्षा-सुरक्षा संबंधों को नई ऊंचाई देने के लिए तकरीबन तीन अरब डॉलर रक्षा सौदे का एलान हुआ। इसके तहत भारत अमेरिका से एडवांस मिलिट्री इक्विपमेंट सिस्टम के साथ छः एएच 64ई अपाचे और 23 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर खरीदेगा। इससे भारतीय वायुबेड़ा को बेहद मजबूती मिलेगी।

अमेरिका दुनिया के सबसे अत्याधुनिक और उच्चकोटि के हथियारों, जिसमें एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइल और रॉकेट और नौसैनिक जहाज शामिल हैं, को भी भारत को देने को तैयार है। ये दोनो हेलीकॉप्टर हर तरह के मौसम में दिन के किसी भी समय हमला करने में निपुण हैं। चौथी पीढ़ी वाला यह हेलीकॉप्टर छिपी हुई पनडुब्बियों को आसानी से निशाना बना सकता है। इस हेलीकॉप्टर के जरिए भारत को अब अपने समुद्री इलाके को शत्रु मुक्त करने में मदद मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी नेवी के बेड़े में शामिल एमएच-60 रोमियो सी-हॉक हेलीकॉप्टर की गणना दुनिया के सबसे अत्याधुनिक हथियारों में होती है। अमेरिका भारत को 13 एमके-45 नौसैनिक तोप बेचने का भी एलान कर चुका है। अमेरिका भारत को इसका अपग्रेडेड वर्जन सौंपेगा। यह तोप युद्धपोतों से सतह और हवाई हमले करने में सक्षम है। अमेरिका भारतीय सैनिकों को इन तोपों को चलाने का प्रशिक्षण भी देगा। इन तोपों के मिलने से भारतीय नौसेना की समुद्री ऑपरेशनों की क्षमता बढ़ेगी। अमेरिका-भारत रक्षा सौदे का बजट जो पिछले एक दशक में 2008 तक शून्य था, वह आज 2025 में बढ़कर 22 बिलियन डॉलर के पार पहुंच चुका है।

अगर दोनों देशों के बीच इसी तरह सामरिक सामंजस्य और भरोसा बना रहा, तो वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच रक्षा सौदा 30 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। आज अमेरिका भारत के साथ मिलिट्री टू मिलिट्री संबंध व सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। इसका प्रमुख कारण उसके द्वारा दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन स्थापित करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए, उसने 2016 में भारत को 'प्रमुख रक्षा साझेदार' के तौर पर मान्यता दी। याद होगा कि वर्ष 2018 में भारत और अमेरिका के बीच कॉमकासा (कम्युनिकेशंस कमपैटबिलिटी एंड सिक्योरिटी एग्रीमेंट) पर हस्ताक्षर हुआ। इस कारर पर हस्ताक्षर के बाद से अब भारत अमेरिका से अति-आधुनिक रक्षा तकनीक प्राप्त करेगा। अभी तक भारत को अमेरिका से ऐसी कोई तकनीकी नहीं मिलती थी। एफ-16 बनाने वाली अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने भी भारत में अपने नए रोल आउट एफ-21 का निर्माण करने की पेशकश कर चुकी है।

भारत-अमेरिका के बीच रक्षा समझौते पर अमेरिकी रक्षा सचिव हेगसेथ और भारतीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने उम्मीद जताई है कि इस से दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजबूती मिलेगी।

सामयिकी

ग्रामीण जीवन पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव

अरब सागर में जन्मा मोनथन तूफान जब मध्य भारत की ओर बढ़ा, तो वह अपने साथ केवल हवाओं और वर्षा का उग्र रूप नहीं लाया, बल्कि किसानों की वर्षों की मेहनत, उनकी उम्मीदें और भविष्य की संभावनाएं भी अपने साथ बहा ले गया। यह केवल एक मौसमी घटना नहीं थी, यह प्रकृति की उस कठोर भाषा में कही गई चेतावनी थी, जो हमें बार-बार यह याद दिलाती है कि विकास की दौड़ में हमने संतुलन की रेखा बहुत पीछे छोड़ दी है।

मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के अनेक जिलों में इस तूफान ने भारी तबाही मचाई। खेतों में पककर तैयार खड़ी कपास, सोयाबीन, मक्का और उड़द जैसी फसलें पानी में डूब गईं। कटाई से ठीक पहले आई लगातार बारिश ने खेतों को दलदल में बदल दिया। मौसम विभाग के अनुसार, यह तूफान अरब सागर में बने गहरे निम्न दबाव क्षेत्र से उत्पन्न हुआ, जिसने मध्य भारत में असामान्य और दीर्घकालिक वर्षा की स्थिति पैदा कर दी। यह अस्थिरता केवल मौसम के व्यवहार में नहीं, बल्कि हमारी विकास नीतियों में छिपी असंतुलन की परिणति है।

संध्याण राजपुरोहित
एक्टिविस्ट

इस आपदा का सबसे अधिक असर उन इलाकों पर पड़ा, जो पहले से ही आर्थिक और भौगोलिक रूप से कमजोर हैं, विशेषकर आदिवासी बहुल अंचल। मध्य प्रदेश के झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन जैसे जिलों में किसानों की मेहनत मिट्टी में मिल गई। इन क्षेत्रों की खेती मुख्यतः वर्षा पर निर्भर है। यहां न सिंचाई की स्थायी व्यवस्था है, न फसल बीमा की पर्याप्त पहुंच। कटाई से ठीक पहले आई इस विपत्ति ने किसानों को दोहरी मार दी। एक ओर फसल का नुकसान, दूसरी ओर कर्ज़ का बोझ। देशभर में मोनथन तूफान से हुए नुकसान के आंकड़े भी गंभीर चिंता पैदा करते हैं। आंध्रप्रदेश में 1.12 लाख हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ है, जबकि कपास में लगभग 30 प्रतिशत नुकसान दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश में सोयाबीन उत्पादन क्षेत्र का लगभग छह प्रतिशत भाग बर्बाद हुआ। इन आंकड़ों के पीछे केवल प्राकृतिक अस्थिरता नहीं, बल्कि हमारी तैयारी और नीतिगत ढिलाई का भी दुष्परिणाम छिपा है।

जलवायु परिवर्तन अब किसी दूरस्थ भविष्य की चेतावनी नहीं रहा। यह हमारे वर्तमान का स्थायी यथार्थ बन चुका है। बीते वर्षों में हमने बार-बार इसकी विभीषिका देखी है। कभी असामान्य वर्षा, कभी लंबा सूखा, कभी ओलावृष्टि और अब समुद्री तूफान। वैज्ञानिक बताते हैं कि समुद्रों का बढ़ता तापमान तूफानों की तीव्रता और उनके विस्तार दोनों को बढ़ा रहा है। जो तूफान पहले तटीय क्षेत्रों तक सीमित रहते थे, वे अब भीतरी इलाकों तक पहुंच रहे हैं। यह एक नया परिदृश्य है, जो बताता है कि पर्यावरणीय असंतुलन किस गहराई तक जा पहुंचा है।

मौसम के इन अनिश्चित स्वरूपों का असर केवल कृषि तक सीमित नहीं रहता। आदिवासी अंचलों में, जहां किसान खेती के साथ पशुपालन और वन-आधारित आजीविका पर निर्भर रहते हैं, अतिवृष्टि ने चारे की कमी, पशुधन की हानि और वन उत्पादों के नष्ट होने से आय के तीनों स्रोतों को प्रभावित किया है। महिलाएं, जो घर, खेत और परिवार की आर्थिक रीढ़ हैं, अब रोजमर्रा की कठिनाइयों और असुरक्षा से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी प्रतिक्रियाएं अब भी प्रायः राहत और मुआवजे की घोषणा तक सीमित रहती हैं। आपदा के बाद त्वरित राहत की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता, परंतु केवल आर्थिक सहायता से स्थिति सुधर नहीं सकती। जरूरत इस बात की है कि कृषि और ग्रामीण विकास नीतियों को जलवायु-संवेदनशील दृष्टिकोण से पुनर्परिभाषित किया जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

सूर्य देव की पूजा या आराधना हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण परंपरा है। सूर्य को प्रत्यक्ष देवता माना जाता है और उनकी उपासना से आध्यात्मिक विकास, उत्तम स्वास्थ्य, सफलता और स्पष्ट सोच प्राप्त होती है। सूर्य की उपासना करके इंसान अपने जीवन को सर्वोत्तम बना सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान पाने के लिए सूर्य उपासना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। सूर्य उपासना प्रतिदिन और विशेष रूप से रविवार के दिन नियमित रूप से की जाती रही है। इसके अलावा मुख्य पर्वों में कार्तिक शुक्ल षष्ठी को छठ पूजा, भाद्रपद शुक्ल पक्ष का अंतिम रविवार को बड़ा रविवार और माघ शुक्ल सप्तमी को रथ सप्तमी प्रमुख रूप से शामिल है।

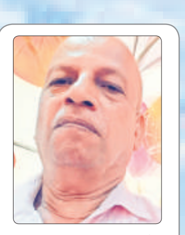
डॉ. राधेश्याम द्विवेदी
आचार्य

भारत में सूर्य उपासना के प्रमुख केंद्र

प्रमुख सूर्य मंदिर

भारत में मुख्यतः बीस सूर्य मंदिर का उल्लेख मिलता है। ये मंदिर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा हैं और सूर्य देव की पूजा के लिए महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

सूर्य मंदिर झालावाड़

झालावाड़ का सूर्य मंदिर, जिसे झालरापाटन का सूर्य मंदिर भी कहा जाता है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के झालरापाटन शहर में स्थित है। यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है।

सूर्य मंदिर, नीरथ- हिमाचल प्रदेश

यह एक प्राचीन और अनोखा सूर्य मंदिर है, जो उत्तर भारत में स्थित है। यह मंदिर सतलुज नदी के बाएं तट पर स्थित है और रामपुर से 18 किलोमीटर दूर है। यह मंदिर नागर शैली में बनाया गया है और भगवान सूर्य देव (सूर्य) और उनकी पत्नी छाया को समर्पित है।

- **सूर्य मंदिर, हंडिया**- हंडिया में सूर्य मंदिर, जिसे सूर्य नारायण धाम मंदिर भी कहा जाता है। बिहार के नवादा जिले के नारदीगंज प्रखंड में स्थित है। यह मंदिर द्वापर युग से जुड़ा हुआ है और माना जाता है कि इसका निर्माण भगवान कृष्ण के पुत्र साम्ब ने करवाया था। यह मंदिर कुष्ठ रोग से मुक्ति के लिए प्रसिद्ध है और माना जाता है कि मंदिर के पास स्थित तालाब के पानी में स्नान करने से कुष्ठ रोग ठीक हो जाता है।
- **सूर्य मंदिर, गया**- गया में सूर्य मंदिर, देव सूर्य मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है, जो बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान सूर्य को समर्पित है और छठ पूजा के दौरान विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- **सूर्य मंदिर, महोबा**- उत्तर प्रदेश के महोबा में सूर्य मंदिर राहिला सागर के पश्चिम दिशा में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण चंदेल शासक राहिल देव वर्मन ने एक तालाब को खुदवाकर, जिसे राहिल सागर के नाम से जाना जाता है। 890 से 910 ई. के दौरान नौवीं शताब्दी में करवाया था। इस मंदिर की वास्तुकला काफी खूबसूरत है। 1203 में कुतुबुद्दीन ऐबक ने इस मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया।
- **रहली का सूर्य मंदिर, सागर-मध्य प्रदेश**- रहली का सूर्य मंदिर, मध्य प्रदेश के सागर जिले में स्थित एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर सुनार नदी के तट पर स्थित है और कर्क रेखा पर स्थित देश का एकमात्र सूर्य मंदिर होने का गौरव रखता है। नौवीं सदी में चंदेल राजाओं द्वारा निर्मित, यह मंदिर ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व रखता है।
- **सूर्य मंदिर, रांची**- यह झारखंड की राजधानी रांची से लगभग 40 किमी (25 मील) दूर एनएच-43 (रांची-टाटा रोड) पर एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। मंदिर का निर्माण एक विशाल रथ के रूप में किया गया है, जिसमें सुंदर ढंग से डिजाइन किए गए अठारह पहिए और सात प्राकृतिक घोड़े हैं। मंदिर में शिव, पार्वती और गणेश सहित कई अन्य देवता भी हैं।
- **सूर्य मंदिर, कंदाहा**- कंदाहा गांव में स्थित सूर्य मंदिर, सहरसा जिले के महिषी प्रखंड की पस्तवार पंचायत में है। यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल है, जो सहरसा जिला मुख्यालय से लगभग 16 किलोमीटर दूर है। इस मंदिर में सात घोड़ों के रथ पर सवार सूर्य भगवान की मूर्ति एक ग्रेनाइट स्लैब पर बनी हुई है।

- **उलार्क सूर्य मंदिर**- उलार्क सूर्य मंदिर, बिहार के पटना जिले में दुल्हिनबाजार प्रखंड के पास स्थित एक प्रसिद्ध सूर्य मंदिर है। यह देश के 12 प्रसिद्ध सूर्य मंदिरों में से एक माना जाता है। इसे भगवान भास्कर का तीसरा सबसे बड़ा सूर्य आर्क स्थल माना जाता है।
- **कोणार्क सूर्य मंदिर**- कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के पुरी जिले में समुद्र तट पर पुरी शहर से लगभग 35 किलोमीटर (22 मील) उत्तर-पूर्व दिशा में स्थित है। यह मंदिर 13 वीं शताब्दी में राजा नरसिंहदेव द्वारा बनवाया गया था और यह भारत की मध्ययुगीन वास्तुकला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।
- **मोदेरा सूर्य मंदिर**- मोढेरा का सूर्य मंदिर, गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित एक प्राचीन मंदिर है, जो अपनी अनूठी वास्तुकला और जटिल नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर 11 वीं शताब्दी में सोलंकी वंश के राजा भीम प्रथम के शासनकाल में बनाया गया था।

- कटारमल सूर्य मंदिर (उत्तराखंड)- यह मंदिर 9 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह उत्तराखंड के सबसे महत्वपूर्ण सूर्य मंदिरों में से एक है, जो उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में स्थित एक प्राचीन सूर्य मंदिर है। यह मंदिर कुमाऊं क्षेत्र का एकमात्र सूर्य मंदिर होने का गौरव रखता है। इसे 'बड़ादित्य सूर्य मंदिर' के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर 2,116 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और कोणार्क के सूर्य मंदिर से भी पुराना माना जाता है।
- रणकपुर सूर्य मंदिर (राजस्थान) - यह मंदिर 15 वीं शताब्दी में बनाया गया था और यह अपनी जटिल नक्काशी और 1444 खंभों के लिए प्रसिद्ध है।
- सूर्य पहर मंदिर (असम)- यह मंदिर असम के गोलपारा जिले में स्थित है।
- सूर्य मंदिर, प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश)- यह मंदिर उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है।
- दक्षिणार्क सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के गया जिले में स्थित है।

- देव सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के औरंगाबाद जिले में स्थित है।
- मार्तंड सूर्य मंदिर (कश्मीर)- यह मंदिर 8 वीं शताब्दी में राजा ललितादित्य मुक्तापीड द्वारा बनवाया गया था और यह कश्मीर के सबसे पुराने सूर्य मंदिरों में से एक है।
- औंगारी सूर्य मंदिर (बिहार)- यह मंदिर बिहार के नालंदा जिले में स्थित है।
- बेलार्कसूर्य मंदिर- बेलाउर सूर्य मंदिर बिहार के भोजपुर जिले के बेलाउर गांव के पश्चिमी एवं दक्षिणी छोर पर अवस्थित एक प्राचीन सूर्य मंदिर है। इसका निर्माण राजा सूबा ने करवाया था। बाद में बेलाउर गांव में कुल 52 पोखरा (तालाब) का निर्माण कराने वाले राजा सूबा को 'राजा बावन सूब' के नाम से पुकारा जाने लगा। राजा द्वारा बनवाए 52 पोखरों में एक पोखर के मध्य में यह सूर्य मंदिर स्थित है।

बोध कथा

बुराई में अच्छाई

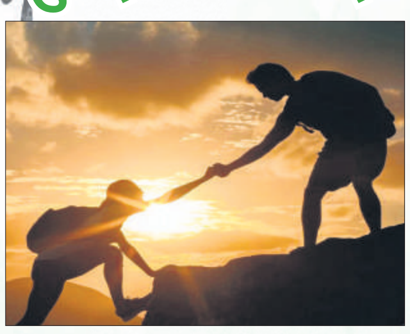

एक शिष्य अपने गुरु से सप्ताह भर की छुट्टी लेकर अपने गांव जा रहा था। वह गांव के लिए पैदल ही निकला। जाते समय रास्ते में उसे एक कुआं दिखाई दिया। शिष्य प्यासा था, इसलिए उसने कुएं से पानी निकाला और अपना गला तर किया। कुएं का जल बेहद मीठा और ठंडा था, शिष्य को अद्भुत तृप्ति मिली। शिष्य ने सोचा कि क्यों न यहां का जल गुरुजी के लिए भी ले चलूं। उसने अपना मटका भरा और वापस आश्रम की ओर चल पड़ा। वह आश्रम पहुंचा और गुरुजी को सारी बात बताई। गुरुजी ने शिष्य से पानी लेकर पिया और संतुष्टि महसूस की। उन्होंने शिष्य से कहा, "वाकई जल तो गंगाजल के समान है"। शिष्य को खुशी हुई। गुरुजी से इस तरह की प्रशंसा सुनकर शिष्य आज्ञा लेकर पुनः अपने गांव की ओर चल पड़ा। कुछ ही देर में आश्रम में रहने वाला एक दूसरा शिष्य गुरुजी के पास पहुंचा और उसने भी वह जल पीने की इच्छा जताई। गुरुजी ने मटका शिष्य को दे दिया। शिष्य ने जैसे ही घूंट भरा, उसने पानी बाहर कुल्ला कर दिया। शिष्य बोला- "गुरुजी इस पानी में तो कड़वापन है और न ही यह जल शीतल है। आपने बेकार ही उस शिष्य की इतनी प्रशंसा की"। गुरुजी बोले- "बेटा, मिठास और शीतलता इस जल में नहीं है, तो क्या हुआ। इसे लाने वाले के मन में तो है। जब उस शिष्य ने जल पिया होगा तो उसके मन में मेरे लिए प्रेम उमड़ा। यही बात महत्वपूर्ण है। मुझे भी जल तुम्हारी तरह ठीक नहीं लगा। मैं यह कहकर उसका मन दुखी करना नहीं चाहता था। हो सकता है, जब जल मटके में भरा गया, तब वह शीतल हो और मटके के साफ न होने के कारण यहां तक आते-आते यह जल वैसा नहीं रहा, लेकिन इससे लाने वाले के मन का प्रेम तो कम नहीं होता है न"। **– फीचर डेस्क**

पौराणिक कथा

संत का आशीर्वाद

महर्षि नारद वैकुंठ की यात्रा पर जा रहे थे, नारद जी को रास्ते में एक औरत मिली और बोली, "मुनिवर आप प्रायः भगवान नारायण से मिलने जाते हैं। मेरे घर कोई संतान नहीं है आप श्री प्रभु से पूछना मेरे घर संतान कब होगी"? नारद जी ने कहा, "ठीक है, पूछ लूंगा"। इतना कहकर नारदजी नारायण-नारायण कहते हुए यात्रा पर चल पड़े। वैकुंठ पहुंचकर श्री नारायण जी ने नारदजी से जब कुशलता पूछी तो नारदजी बोले "जब मैं आ रहा था तो रास्ते में एक औरत, जिसके घर कोई संतान नहीं है। उसने मुझे आपसे पूछने को कहा कि उसके घर पर संतान कब होगी"। नारायण बोले, "तुम उस औरत को जाकर बोल देना कि उसकी किस्मत में संतान का सुख नहीं है"।

डॉ.विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

नारदजी जब वापस लौट रहे थे, तो वह औरत बड़ी बेसब्री से नारदजी का इंतजार कर रही थी। औरत ने नारदजी से पूछा कि प्रभु नारायण ने क्या जवाब दिया! इस पर नारदजी ने कहा प्रभु ने कहा है कि आपके घर कोई औलाद नहीं होगी। यह सुनकर औरत दहाड़े मारकर रोने लगी नारदजी चलते बने। कुछ समय बीत गया। गांव में एक संत मधुकरी के लिए आए और उस संत ने उसी औरत के घर के पास ही आवाज लगाई। संत की आवाज सुनकर वो औरत मधुकरी के लिए भोजन ले आई। दान पाकर संत ने उसे पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया और जैसा उस संत ने कहा था वैसा ही हुआ। उस औरत के घर एक बेटा पैदा हुआ। उस औरत ने बेटे की खुशी में गरीबों में खाना बांटा और ढोल बजवाए। कुछ वर्षों बाद जब नारदजी पुनः वहां से गुजरे तो वह औरत नारद जी को उलाहना देते हुए कहने लगी, "क्यों नारदजी आप तो हर समय नारायण-नारायण करते रहते हैं, आपने तो कहा था, मेरे घर संतान नहीं होगी। यह देखो मेरा राजकुमार बेटा", फिर उस औरत ने उस संत के बारे में भी बताया। अब नारदजी को इस बात का जवाब चाहिए था कि यह कैसे हो गया। वह जल्दी-जल्दी नारायण धाम की ओर गए और प्रभु से ये बात कही कि आपने कहा था कि उस औरत के घर संतान नहीं होगी। क्या उस संत में आपसे भी ज्यादा शक्ति है? नारायण भगवान बोले आज मेरी तबियत कुछ ठीक नहीं है। मैं आपकी बात का जवाब बाद में दूंगा। पहले आप मेरे लिए औषधि का इंतजाम कीजिए। नारदजी बोले आज्ञा दीजिए प्रभु, श्री नारायण बोले नारदजी आप भूलोक जाइए और एक कटोरी रक्त लेकर आइए। नारदजी कभी इधर कभी उधर घूमते रहे, पर प्याले भर रक्त नहीं मिला। उल्टा लोग उपहास करते कि नारायण बीमार हैं। चलते-चलते नारदजी किसी जंगल में पहुंचे। वहां पर वही संत मिले, जिसने उस औरत को बेटे का आशीर्वाद दिया था। वो संत नारदजी को पहचानते थे, उन्होंने कहा, "अरे नारदजी आप इस जंगल में इस समय क्या कर रहे हैं"। इस पर नारदजी ने जवाब दिया। "मुझे प्रभु ने किसी इंसान का रक्त लाने को कहा है"। यह सुनकर संत खड़े हो गए और बोले कि प्रभु ने किसी इंसान का रक्त मांगा है। संत ने कहा, "आपके पास कोई छुरी या चाकू है"? नारदजी ने कहा कि "वह तो मैं हाथ में लेकर घूम रहा हूं"। उस संत ने अपने शरीर से एक प्याला रक्त दे दिया। नारदजी वह रक्त लेकर नारायण जी के पास पहुंचे और कहा आपके लिए मैं औषधि ले आया हूं। नारायण ने कहा यही आपके सवाल का जवाब भी है, जिस संत ने मेरे लिए एक प्याला रक्त मांगने पर अपने शरीर से इतना रक्त भेजकर मुझे अपना ऋणी बना लिया है, जो मुझसे इतना प्रेम करता हो, क्या उस संत के आशीर्वाद देने पर मैं किसी को बेटा भी नहीं दे सकता? उस बांझ औरत के लिए प्रार्थना आप भी तो कर सकते थे, पर आपने ऐसा नहीं किया। रक्त तो आपके शरीर में भी था, पर आपने नहीं दिया।

सप्ताह के प्रमुख व्रत

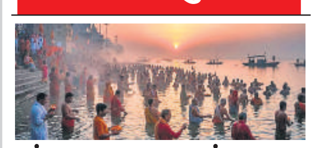

गंगा स्नान- 5 नवंबर

महत्व : कार्तिक पूर्णिमा का दिन हिंदू धर्म में बहुत खास माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन देवी-देवता स्वर्ग से धरती पर गंगा स्नान करने आते हैं। इसलिए इस दिन गंगा स्नान का बहुत महत्व है। साथ ही भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के साथ भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा करने का विधान है।

देव दीपावली - 5 नवंबर

पौराणिक कथाओं के अनुसार, इसी दिन भगवान शिव ने त्रिपुरासुर नामक शक्तिशाली राक्षस का वध किया था। इस खुशी में सभी देवताओं ने काशी में दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसलिए इस दिन भगवान शिव की पूजा करने और उनके मंत्रों का जाप करने से हर इच्छा पूरी होती है।

करुणा : मानवता और सहजीवन की आधारशिला

करुणा मानवीय हृदय का सुकोमल भाव है। यह मानवता का सर्जक और सहजीवन का मुख्य कारक भाव है। करुणा का भाव व्यक्ति को पीड़ित प्राणी के अंतः करण से जोड़ देता है। करुणा मानव हृदय की अनमोल संपदा है। सर्वोच्च विचार धारा और आत्मा का अमृत है। यह जब मानव हृदय से समाप्त हो जाता है, तो मानव मन मात्र पत्थर के रूप में परिणत हो जाता है। किसी पीड़ित प्राणी को देखकर अपने हृदय में एक हलचल खड़ी होना, एक स्पंदन खड़ा होना, मन को कंपन आना यह करुणा का जागरण है। करुणा प्रेरित व्यक्ति पीड़ित व्यक्ति को कष्ट मुक्त कर के अत्मिक आनंद का अनुभव करता है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के जीवन की घटना इस तथ्य को अधिक स्पष्ट कर देगी। एक बार वे मित्रों के साथ कहीं जा रहे थे, उन्होंने गटर के नाले में एक सूअर के बच्चे को करुण रुदन करते सुना। वे तत्काल उस गटर में उतर गए और सूअर के बच्चे को बाहर ले आए। कपड़े सब खराब हो गए थे। मित्रों ने कहा आपने यह क्या कर दिया, सारे कपड़े गंदे कर दिए। लिंकन ने कहा ये तो अभी धुल जाएंगे यदि मैं इस सूअर के बच्चे को तड़पता छोड़कर चला जाता तो रात भर मैं चैन से सो भी नहीं पाता। इसे बचाकर मैंने अपना चैन ही बचाया है। अब मैं आराम से नींद ले सकूंगा। उक्त उदाहरण से स्पष्ट होता है कि करुणा प्रेरित व्यक्ति, जो सेवा करता है वह किसी पर उपकार करने के लिए नहीं, किंतु अपने आत्मिक आनंद के लिए वह ऐसा करता है। पांडु पत्नी राज माता कुंती देवी ने तो एक ब्राह्मण के बच्चे को बचाने को अपने पुत्र को मृत्यु के साक्षात अवतार बक राक्षस से भिड़ने को भेज दिया, मेघरथ और शिवि जैसे आदर्श हमारे इतिहास के अनमोल आदर्श हैं। अपने तन का बलिदान देकर भी एक कबूतर को बचा लेना, उनका परम धर्म बन गया था।

करुणा सहजीवन की प्रबल आधार शिला है। परिवार और समाज तभी आदर्श और श्रेष्ठ सिद्ध होता है, जब उनमें प्रत्येक व्यक्ति परस्पर करुणा भाव से अनुप्राणित होते हैं। सेवा का उच्चतम आदर्श करुणा से ही चरितार्थ होता है। आज जन-जीवन की मानसिकता में करुणा का स्रोत सूखता चला जा रहा है। फलत मानव राक्षस जैसी प्रवृतियां करने लगा है। हत्याएं लूटपाट अत्याचार देश में बढ़ रहे है। सभी चिंतित है, किंतु उसका उपाय करुणा भाव है। देश में इस भाव से जागरण का प्रयत्न करना चाहिए। हम अपनी आस्थाएं खोकर, सब कुछ खो देंगे। हम पारंपरिक रूप से अनेक श्रद्धा और आस्थाओं से जुड़े हुए हैं। हमारी संस्कृति और हमारे धर्म बहुआयामी हैं। सभी धर्मों की श्रेष्ठ प्रवृतियों और सिद्धांतों के प्रति हम आस्थावान रहते आए हैं। एक दूसरे के प्रति सम्मान भाव से संयुक्त रहना हमारी मानसिक प्रतिबद्धता है। उदारता हमारे विचारों का प्रमुख तत्व है। स्यादवाद अर्थात् अनेकांतवाद हमारी समस्त प्रवृतियों का आस्थाओं का अंतर्निहित तत्व है, हम इसे कभी खो नहीं सकते। इस को खो देने का अर्थ होगा अपना अस्तित्व ही समाप्त कर देना।

कुछ संस्कृतियां जो भारत की मिट्टी में नहीं उपजी है, नितांत असहिष्णु और भोगवादी हैं। वे मानव को पाशविक स्तर तक भोगवादी बनाने को प्रस्तुत है। किन्हीं विशिष्ट तत्वों के प्रति आस्था का वहां कोई निश्चित आधार नहीं है। वे संस्कृतियां भारत की महान तप संस्कृति को क्षति पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। ऐसी स्थिति में देश के प्रबुद्ध वर्ग को गहनता के साथ यह सोचना होगा कि हम इस महान संस्कृति के क्षरण को कैसे रोक पाए? आस्था और विश्वास का संबल वह शक्ति है, जो राष्ट्र और संस्कृति की मौलिकता को बचा सकती है, हमें दृढ़ता के साथ इस दिशा में प्रयत्न करना चाहिए। हमारे धर्म हमारी संस्कृति के प्राण हैं, धार्मिक अनुष्ठान साधनाएं हमारे श्रेष्ठ संस्कार और प्रेरणा हैं। इन्हें अक्षुण्ण रखकर ही हम अपनी संस्कृति को बचा सकते हैं। भारत के सभी धर्म संप्रदायों को पारस्परिक सम्मान और सहयोग के साथ जुड़कर रहना चाहिए। कोई धर्म संप्रदाय का शत्रु नहीं है।

सभी धर्म संप्रदायों का शत्रु अधर्म है। सभी को मिलकर अधर्म के विरुद्ध लड़ना चाहिए। तनिक सोचिए कि धार्मिक आस्था ही नहीं रहेगी, तो कोई धर्म संप्रदाय कैसे बचेगा? सभी धर्म संप्रदाएं आस्था के आंगन में ही फलते फूलते हैं। अतः जनता की आस्था अनास्था में न बदले इसके लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। नास्तिकता ही धर्म विरोधी शक्ति है, उसे ही निरस्त करने का प्रयास होना चाहिए। धर्म संप्रदाएं परस्पर एक दूसरे को निरस्त करने का प्रयास क्यों करें? पारस्परिक संघर्षों से नास्तिकता के लिए भूमिका तैयार होती है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	83,978.49	25,763.35
बढ़त	39.78	41.25
प्रतिशत में	0.05	0.16

सोना 1,25,300 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,54,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 4 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2240, रविन्द्रा 2470, फॉर्चुन 13 किग्रा 1970, जय जवान 1990, सचिन 2025, सूरज 1990, अवसर 1895, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1930, क्लासिक (किग्रा) 2145, मोर 2185, चक्र टिन 2330, ब्लू 2160, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2520

निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल : (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : डालमियां NA, पीलीभीत 4440, सितारगंज 4350, धामपुर NA

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4800, मसूरी- 1600, बासमती- 9200, परमल- 3100

दाल दलहन : काला चना- 6000, साबुत चना दाल- 5600, मूंग साबुत- 7400, राजमा- 11100-14000, दाल उड़द- 8000, साबुत मसूर दाल- 6800, मसूर दाल- 5200, उड़द साबुत- 8000, काबुली चना- 10100, अरहर दाल- 10400, लोबिया/करमानी- 6400

अमेरिकी समझौतों से निर्यातकों को मिलेगी राहत

फिच बोली- अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बीच हुए द्विपक्षीय व्यापार समझौते से अनिश्चितता होगी कम

नई दिल्ली, एजेंसी

- वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा- एशियाई देशों की जीडीपी वृद्धि में हो सकती है मामूली बढ़ोतरी

वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने कहा कि अमेरिका और एशिया-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों के बीच हाल में द्विपक्षीय व्यापार समझौते होने से निर्यातकों के लिए अनिश्चितता कम होगी। वहीं आगामी वर्षों में इन देशों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है।

भारत के संदर्भ में फिच ने कहा कि अमेरिका के साथ भले ही व्यापार समझौता अभी नहीं हुआ है, लेकिन भारत पर लगाया 50% शुल्क अधिकांश एशियाई निर्यातकों की तुलना में अधिक है। फिर भी, दोनों देशों के बीच निकट भविष्य में समझौता की संभावना है। फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि 20-30 अक्टूबर के बीच अमेरिका ने चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, मलेशिया, थाइलैंड, ऑस्ट्रेलिया और कंबोडिया के साथ समझौतों की घोषणा की है। इनमें सबसे अधिक आर्थिक प्रभाव चीन पर लगाई गई 20% फेंटानिल-संबंधित अमेरिकी शुल्क को आधा करने से आएगा। इससे चीन पर प्रभावी शुल्क दर 10% तक घट सकती है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि अमेरिका और चीन ने एक वर्ष के लिए अपने हालिया व्यापार प्रतिबंधों को रोकने पर सहमति जताई है, जिनमें चीन द्वारा दुर्लभ तत्वों के निर्यात पर लगाई पाबंदियां और अमेरिका द्वारा अपनी प्रतिबंधित इकाइयों से जुड़ी कंपनियों पर निर्यात लाइसेंसिंग शर्तों का विस्तार शामिल है। फिच ने कहा कि उम्मीद है कि इन घटनाक्रमों का 2026-27 में चीन और अमेरिका की आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक असर पड़ेगा। अन्य एशियाई देशों, खासकर दक्षिण कोरिया और वियतनाम को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होगा। अमेरिका के चीन पर लगाए शुल्क अन्य देशों की तुलना में अब भी अधिक हैं। शुल्क दरों में स्पष्टता से निर्यातकों का भरोसा बढ़ेगा और वे आपूर्ति शृंखलाओं के दीर्घकालिक पुनर्गठन की योजना बना सकेंगे। इससे मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम जैसे देशों में निवेश वृद्धि को सहारा मिल सकता है। ये समझौते अमेरिका की उस नीति को दर्शाते हैं जिसके तहत वह दुर्लभ धातुओं के खनन और उत्पादन को बढ़ाना चाहता है।

भारत, बहरीन ने बातचीत शुरू की

नई दिल्ली। भारत और बहरीन ने सोमवार को महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत शुरू करने और निवेश समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंचने की घोषणा की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बहरीन के अपने समकक्ष अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अलजयानी के साथ आपसी संबंधों को और व्यापक बनाने के लिए बातचीत की। दोनों मंत्रियों ने दोहरा कराधान बचाव समझौते (डीटीएए) के लिए बातचीत शुरू करने को एक साझा समझ विकसित करने पर भी सहमति जताई। अधिकारियों ने कहा कि इससे दोहरे कराधान को खत्म करने, कर निश्चितता बहाल करने और व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। अलजयानी रविवार को दो दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। वह एक ऐसे वक्त में व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जब पश्चिम एशिया भू-राजनीतिक तनाव का सामना कर रहा है।

अबू धाबी में तेल शिखर सम्मेलन, उत्पादन वृद्धि रोकने की योजना

अबू धाबी। अबू धाबी में सोमवार को प्रमुख तेल शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया है। इससे कुछ ही घंटे पहले 'ओपेक प्लस' संगठन और उसके सहयोगियों ने बाजार में अत्यधिक आपूर्ति की चिंताओं के कारण 2026 की पहली तिमाही में योजनाबद्ध उत्पादन वृद्धि को रोकने की घोषणा की थी। अमीरात की राजधानी में वार्षिक अबू धाबी अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम प्रदर्शनी और सम्मेलन में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी के प्रमुख सुल्तान अल-जबर ने कहा कि ऊर्जा बाजार को सुदृढ़ीकरण की जरूरत है, प्रतिस्थापन की नहीं। अमेरिका के आंतरिक सचिव डग बर्गम ने अल-जबर की टिप्पणियों की सराहना की और जलवायु अतिवाद से जुड़ी विचारधारा से प्रेरित नीतियों की आलोचना की।

यूपीआई से रिकॉर्ड 27.28 लाख करोड़ का लेनदेन

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनपीसीआई के मुताबिक अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा

त्योहार पर खरीदारी बढ़ने से एकीकृत भुगतान प्रणाली (यूपीआई) के जरिये रिकॉर्ड लेनदेन किया गया। अक्टूबर में कुल 20.7 अरब यूपीआई लेनदेन हुए जिनका मूल्य 27.28 लाख करोड़ रुपये रहा।

यूपीआई का संचालन करने वाले भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, मूल्य के आधार पर यह अबतक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इससे पहले मई, 2025 में 25.14 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड लेनदेन हुआ था, जबकि मात्रा के लिहाज से पिछला उच्चस्तर जुलाई में 19.47 अरब रहा था। अक्टूबर, 2024 की तुलना में इस साल अक्टूबर में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 16% बढ़ गया। वहीं मासिक आधार पर यह वृद्धि 9.5% रही, क्योंकि सितंबर में लेनदेन मूल्य 24.90 लाख करोड़ और मात्रा 19.63 अरब रही थी। दशहरा और दिवाली पर यूपीआई से प्रतिदिन औसतन 66.8 करोड़ लेनदेन हुए जिनका औसत दैनिक मूल्य 87,993 करोड़ रुपये रहा।

स्पाइस मनी के सीईओ दिलीप मोदी ने कहा कि त्योहारी मौसम जैसे व्यस्त बिक्री समय में यूपीआई लेनदेन का बढ़ना भारत की डिजिटल अवसंरचना की मजबूती और वास्तविक समय में भुगतान संपन्न करने की क्षमता को दर्शाता है। डिजिटल भुगतान का व्यवहारगत परिवर्तन अब शहरों से लेकर भारत के गांवों तक मजबूती से स्थापित हो चुका है।

वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर की हो सकती है भारत की जैव-अर्थव्यवस्था : नीति आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- कृषि प्रणाली भारत की आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बनने की रखती है क्षमता

देश की तेजी से बढ़ रही जैव-अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 300 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच सकती है। नीति आयोग की रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। किसी भी देश की जैव-अर्थव्यवस्था में कृषि, वानिकी, मत्स्य और जलीय कृषि समाहित होते हैं।

रिपोर्ट कहती है कि किसी भी देश की संप्रभुता के लिए एक मजबूत कृषि प्रणाली बहुत जरूरी है क्योंकि यह खाद्य सुरक्षा की मूलभूत गारंटी सुनिश्चित करती है। कृषि के नए स्वरूप पर केंद्रित इस रिपोर्ट के मुताबिक, कृषि का तकनीकी रूपांतरण भारत के वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के केंद्र में प्रमुख भूमिका निभाएगा। खाद्य उत्पादन से आगे बढ़ते हुए भारत की कृषि प्रणाली आर्थिक वृद्धि का एक मजबूत इंजन बनने की क्षमता रखती है। तेजी से बढ़ रही जैव-अर्थव्यवस्था के 2030 तक 300 अरब डॉलर के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि हम खेती के हर चरण में प्रौद्योगिकी को समाहित करने वाली एक सहज पारिस्थितिकी तैयार कर रहे हैं। ये नवाचार किसानों को फसल रोगों से निपटने, उत्पादकता बढ़ाने और नई पीढ़ी के बीजों व उपकरणों को अपनाने में मदद कर रहे हैं जिससे लागत घट रही है। डिजिटल एकीकरण केवल दक्षता बढ़ाने का माध्यम नहीं है, यह किसानों को सशक्त भी बना रहा है। रिपोर्ट में जलवायु-प्रतिरोधी बीज, सटीकता-आधारित कृषि, डिजिटल ट्विन्स, एजेंटिक एआई और उन्नत मशीनों के इस्तेमाल जैसी अग्रणी प्रौद्योगिकियों के जरिये उत्पादकता, स्थिरता और आय में वृद्धि का रणनीतिक दृष्टिकोण पेश किया गया है।

जीएसटी सुधार, अच्छी मांग से विनिर्माण क्षेत्र मजबूत

पीएमआई सितंबर माह में 57.7 से बढ़कर अक्टूबर में 59.2 पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती, उत्पादकता में वृद्धि और प्रौद्योगिकी निवेश के दम पर भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अक्टूबर में मजबूत हुईं। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को कहा गया कि मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) सितंबर में 57.7 से बढ़कर अक्टूबर में 59.2 हो गया। यह इस क्षेत्र की स्थिति में तेजी से सुधार का संकेत देता है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर का अंक विस्तार जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है।

एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत का विनिर्माण पीएमआई अक्टूबर में बढ़कर 59.2 हो गया जो पिछले महीने 57.7 था। मजबूत अंतिम मांग ने उत्पादन, नए ऑर्डर और रोजगार सृजन में वृद्धि को बढ़ावा दिया। मूल्य के मोर्चे पर कच्चे माल की लागत में मामूली एवं धीमी वृद्धि हुई फिर भी मुद्रास्फीति की दर सितंबर के लगभग 12 वर्ष के उच्च स्तर के बराबर रही। अक्टूबर में कच्चे माल की कीमतों में नरमी आई जबकि औसत बिक्री कीमतों में वृद्धि हुई क्योंकि कुछ विनिर्माताओं ने अतिरिक्त लागत का बोझ अंतिम उपभोक्ताओं पर डाल दिया। अक्टूबर में रोजगार सृजन लगातार 20वें महीने जारी रहा। विस्तार की दर मध्यम रही और मोटे तौर पर सितंबर के समान ही रही। भविष्य की ओर देखें तो जीएसटी सुधार और अच्छी मांग को लेकर सकारात्मक उम्मीदों से भविष्य की कारोबारी धारणा मजबूत है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने 400 कंपनियों के समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों पर तैयार किया है।

नए ऑर्डरों और घरेलू बाजार की मुख्य भूमिका

पीएमआई रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी में राहत, उत्पादकता बढ़ने और प्रौद्योगिकी में निवेश से विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि की रफ्तार दी है। नए ऑर्डरों में तेजी से वृद्धि हुई है और इसमें घरेलू बाजार की भूमिका रही है, हालांकि विदेशों से मिले ऑर्डरों में बढ़ोतरी सुस्त पड़ी है। कच्चे माल के भंडार में रिकॉर्ड गति से तेजी आई है। विदेशी बिक्री 10 महीने में सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी है। प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मांग मजबूत रहने से अक्टूबर में आउटपुट नये ऑर्डर और रोजगार सृजन में तेजी आई है। लागत मूल्य में कमी आई है जबकि औसत विक्रय मूल्य बढ़ा है। जीएसटी सुधार और मजबूत मांग से सकारात्मक उम्मीदों के कारण भविष्य को लेकर कारोबारी भावना मजबूत बनी हुई है। विनिर्माताओं ने कच्चे माल की खरीद बढ़ा दी और इसमें वृद्धि की रफ्तार 2023 के बाद सबसे अधिक रही। लगातार 12वें महीने नए रोजगारों का सृजन हुए, इसकी रफ्तार सितंबर की तरह धीमी रही।

राजद व कांग्रेस हैं कट्टा और कट्टरपंथी बिहार में फिर चाहिए सुशासन : मोदी

प्रधानमंत्री ने निशाना साधते हुए कहा-राजद ने कांग्रेस नेताओं को 'बौना' बना दिया है

बिहार के सहरसा में जनसभा के दौरान मखाना की माला से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित करते नेता व कार्यकर्ता।

कटिहार/ सहरसा, एजेंसी

- कटिहार और सहरसा की सभा को मोदी ने किया संबोधित

बिहार की तरक्की के लिए 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की डबल इंजन सरकार' को जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस गठबंधन पर आरोप लगाया कि ये दल भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति में लिप्त हैं। कटिहार की सभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि आपका वोट बिहार को समृद्ध बनाएगा। फिर एक बार, बिहार में सुशासन सरकार।

कांग्रेस और राजद पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, "राजद ने कांग्रेस नेताओं को 'बौना' बना दिया है। राजद के पोस्टरों पर कांग्रेस नेताओं की तस्वीरें गायब हैं। दोनों दलों में अंदरूनी कलह चल रही है। कांग्रेस के नामदार नेता ने राजद को जिताने के लिए छठी मइया का अपमान किया। इतना ही नहीं, केरल कांग्रेस नेताओं ने बिहार के लोगों की तुलना 'बीड़ी' से की, यह बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद 'कट्टा और कट्टरपंथी' जैसे हैं। इन्होंने तीन तलाक कानून का विरोध किया । इससे पहले सहरसा की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग विकास की पहचान है जबकि राजद-कांग्रेस विनाश की प्रतीक हैं।

राजग की सरकार बनने पर बनेगा रक्षा गलियारा बाढ़ नियंत्रण आयोग का होगा गठन : शाह

शिवहर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राजग की सरकार बनने पर बिहार में रक्षा गलियारा (डिफेंस कॉरिडोर) तैयार किया जाएगा और प्रत्येक जिले में कारखाने लगाए जाएंगे। शाह ने शिवहर और सीतामढ़ी में चुनावी सभाओं में विश्वास जताया कि 14 नवम्बर को दोपहर एक बजे तक जब चुनाव परिणाम घोषित होंगे, तब तक राजद-कांग्रेस गठबंधन का सफाया हो जाएगा और बिहार में पुन: राजग की सरकार बनेगी। शाह ने कहा कि सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के समय से लेकर प्रधानमंत्री मोदी के काल तक गंडक, कोसी और गंगा नदियों ने बिहार में तबाही मचाई है। राजग की सरकार बनने पर राज्य को बाढ़मुक्त बनाने के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। कोसी नदी के जल का उपयोग कर मिथिलांचल क्षेत्र की 50,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई की जाएगी। राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग (एमएसएमई) और औद्योगिक पार्कों का निर्माण किया जाएगा। सीतामढ़ी से अयोध्या तक 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेन का संचालन मां सीता के मंदिर में उनकी प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर शुरू किया जाएगा।

विपक्ष पर अपमान का आरोप लगाते हैं प्रधानमंत्री वह एक 'अपमान मंत्रालय' बनाएं : प्रियंका गांधी

सोनबरसा/लखीसराय। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें अलग से एक 'अपमान मंत्रालय' बनाना चाहिए ताकि वह विपक्ष पर अपमान का आरोप लगाने में जो समय बर्बाद करते हैं, वह न करें। उन्होंने बिहार के सहरसा और लखीसराय में चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए महिलाओं का आह्वान किया कि वे राज्य सरकार से 10 हजार रुपये ले लें, लेकिन वोट राजग को कतई न दें क्योंकि इस सरकार की नीयत साफ नहीं है और यह 10 हजार रुपये 'राजनीतिक घूस' है। प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में कोई 'डबल इंजन सरकार' नहीं है, बल्कि 'सिंगल इंजन सरकार' है जिसे प्रधानमंत्री मोदी चला रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हमेशा अतीत की बात करते हैं, ये लोग हमेशा कहीं न कहीं से, किसी के अपमान की बात निकाल लेते हैं।

नीतीश को डुबाने की चाल चल रहे मोदी: खरगे

पटना। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पटना में प्रधानमंत्री मोदी के रोडशो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मौजूद नहीं रहने का हवाला देते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि मोदी अब नीतीश को डुबाने की चाल चल रहे हैं। उन्होंने यह कटाक्ष भी किया कि भाजपा ने नीतीश को इस तरह गायब कर दिया है कि अब उन्हें मुख्यमंत्री बनाने का नाम ही नहीं लिया जा रहा है। कांग्रेस प्रमुख ने प्रधानमंत्री के रोडशो का उल्लेख करते हुए कहा, नीतीश कहां थे, नहीं दिखे। राजग सरकार बनाने की बात करने वालों ने उन्हें गायब कर दिया। इतना गायब कर दिए, उनको मुख्यमंत्री बनाने का नाम नहीं लेते।

कट्टा जैसे शब्द किसी प्रधानमंत्री से नहीं सुना

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को प्रधानमंत्री के 'कट्टा' वाले बयान पर कहा कि उन्होंने आज तक किसी प्रधानमंत्री को ऐसे शब्दों का प्रयोग करते नहीं सुना। तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी को लेकर मेरे पास कहने को कुछ नहीं है। मैंने किसी प्रधानमंत्री को इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करते नहीं सुना। यह उनकी सोच को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब प्रधानमंत्री गुजरात जाते हैं तो वहां आईटी फैक्ट्री, सेमीकंडक्टर यूनिट और डेटा सेंटर की बात करते हैं। लेकिन जब बिहार आते हैं तो 'कट्टा' की बात करते हैं।" प्रधानमंत्री ने रविवार को बिहार के भोजपुर और नवादा जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित किया था, जहां उन्होंने राजद की कथित दबंग छवि और सहयोगी दलों के साथ उसके विवादित संबंधों का जिक्र करते हुए यह टिप्पणी की थी।

आवारा कुत्तों को खाना खिलाने के बनेंगे नियम : सुप्रीम कोर्ट

- कुत्तों के खतरे के संबंध में सात नवंबर को जारी होगा शीर्ष निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों सहित उन संस्थानों में आवारा कुत्तों के खतरे के संबंध में सात नवंबर को निर्देश जारी करेगा, जहां कर्मचारी कुत्तों को सहायता, भोजन और उन्हें प्रश्रय देते हैं जिससे वे उस जगह को छोड़कर नहीं जाते। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने इस मामले में सुनवाई की।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि उपस्थिति और हलफनामे आदि दर्ज करने के अलावा हम उन सरकारी, सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य संस्थानों में संस्थागत खतरों के संबंध में भी कुछ निर्देश जारी करेंगे जहां कर्मचारी कुत्तों को सहायता, भोजन और प्रश्रय देते हैं। इसके लिए हम कुछ निर्देश जारी करेंगे। मामले में एक वकील ने पीठ से आग्रह किया कि इस मुद्दे पर निर्देश देने से पहले उनकी बात सुनी जाए। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि माफ करिए हम संस्थागत मामलों में कोई दलील नहीं सुनेंगे। पीठ ने इस बात का संज्ञान लिया कि अधिकतर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव उसके समक्ष उपस्थित थे।

न्यायालय ने केरल के मुख्य सचिव द्वारा दायर छूट के अनुरोध वाले आवेदन को अनुमति दे दी और इस बात को संज्ञान में लिया कि प्रधान सचिव अदालत में उपस्थित हैं। पीठ ने कहा कि भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड को पक्षकार बनाया जाए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि अधिकतर राज्यों ने इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं।

ऑनलाइन जुआ, सट्टेबाजी मंच पर रोक की याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें सरकार को ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी मंचपर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो सोशल और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में संचालित हो रहे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने वकील विराग गुप्ता की दलीलें सुनीं और कहा कि वह मंगलवार को अन्य लंबित याचिकाओं के साथ इस याचिका पर भी सुनवाई करेगी। पीठ ने सरकार से याचिकाकर्ता द्वारा दी गई ऑनलाइन गेमिंग एप की जानकारी पर कार्रवाई करने को कहा। गुप्ता ने केंद्र सरकार को 2,000 सट्टेबाजी और जुआ एप का विवरण सौंपा। न्यायालय सेंटर फॉर अकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टेमिक चेंज (सीएएससी) और शौर्य तिवारी की याचिका पर सुनवाई कर रहा, जिसमें सरकार को इन एप के प्रसार पर रोक लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि ये एप देश में बड़े पैमाने पर सामाजिक और आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे हैं।

धर्मांतरण संबंधी याचिकाओं पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट अवैध धर्मांतरण के खिलाफ राजस्थान में गत माह लागू हुए कानून के कई प्रावधानों की वैधता को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सितंबर में विधानसभा द्वारा पारित राजस्थान गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2025 के खिलाफ याचिकाओं पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब मांगा। पीठ ने याचिकाकर्ताओं के वकील से पूछा कि इसको उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती क्यों नहीं दी।

वक्फ संपत्तियों संबंधी याचिका सूचीबद्ध

सुप्रीम कोर्ट ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की याचिका को सुनवाई के लिए फिर से सूचीबद्ध करने पर सोमवार को सहमति जताई, जिसमें वक्फ बाय यूजर समेत सभी वक्फ संपत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य रूप से पंजीकृत करने की समय सीमा बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। याचिका को पहले 28 अक्टूबर को सूचीबद्ध किया गया था, लेकिन उस दिन सुनवाई नहीं हो सकी।

आंध्र प्रदेश : वाईएसआरसीपी नेता जोगी रमेश नकली शराब के मामले में गिरफ्तार

अमरावती। युवजन श्रमिक रायथु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता जोगी रमेश और उनके भाई को आंध्र प्रदेश में कथित रूप से नकली शराब के निर्माण और मिलावटी शराब की बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया गया है। रमेश और उनके छोटे भाई जोगी रामू को रविवार सुबह आबकारी विभाग स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

साझा की गई रिमांड रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पर नकली शराब के अवैध निर्माण, परिवहन, आयात और बिक्री के आरोप पर हैं। यह गिरफ्तारियां राज्य में कई स्थानों पर संगठित तरीके से हो रहे नकली शराब के निर्माण, वितरण और बिक्री के खुलासे और जब्ती के बाद की गईं। वाईएसआरसीपी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने इस बीच रमेश की गिरफ्तारी को लेकर मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की आलोचना की ।

साहित्यकार सम्मानित, पुस्तकों का लोकार्पण

संवाददाता, नई दिल्ली

अमृत विचार : युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच का 12वां अखिल भारतीय सहित्योत्सव दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के गीतांजलि हाल में हुआ, जिसमें कई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ, साथ ही, साहित्यकारों को सम्मानित किया गया।

'भारतेंदु हरिश्चंद्र शीर्षस्थ सम्मान प्रो. डॉ. मनोज कैन को, 'महादेवी वर्मा शीर्षस्थ महिला लेखन सम्मान' शिमला की मृदुला श्रीवास्तव को, डीपी चतुर्वेदी स्मृति लाइफ टाइम सम्मान' कोटा राजस्थान के डॉ. प्रभात सिंघल को, 'स्व.विनोद झा व आकाश झा स्मृति साहित्य सम्मान' इंदौर के चरण सिंह अमी को, 'केदार नाथ शर्मा अमीर ख़ुसरो युवा सम्मान' प्रयागराज के डॉ. प्रभांशु कुमार को, देवेंद्र शर्मा स्मृति मुंशी प्रेमचंद कथा सम्मान' हैदराबाद की डॉ. रमा द्विवेदी को दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

उत्कृष्ट बाल साहित्य सृजन के लिए 'कमलेश प्रशांत स्मृति बाल साहित्य सम्मान बस्ती के देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को और काव्य व हास्य-व्यंग्य विधा में उल्लेखनीय मौलिक सृजन के लिए प्रथम 'अनूप श्रीवास्तव स्मृति हास्य-व्यंग्य' सम्मान दिल्ली के डॉ. ब्रजपाल सिंह संत को दिया गया। साहित्यिक मंच ने उप्र इकाई के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह 'श्रेयस' को भी सम्मानित किया गया।

आस्था का संगम...

बोधगया के महाबोधि मंदिर में वर्षा ऋतु के समापन के उपलक्ष्य में सोमवार को आयोजित कथिना समारोह में भाग लेते हुए थाईलैंड के श्रद्धालु ।

परमाणु परीक्षण

फिर से खतरनाक होड़

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की बात कही है। इसके पीछे उन्होंने चीन, पाकिस्तान और कुछ अन्य देशों द्वारा परमाणु परीक्षण जारी रखने का हवाला दिया है। परमाणु परीक्षण एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जिसका सीधा प्रभाव वैश्विक सुरक्षा और पर्यावरण पर पड़ता है। परमाणु हथियारों के विकास और परीक्षण ने दुनिया भर में चिंता पैदा कर दी है, क्योंकि इसके दुष्परिणाम न केवल मानव जीवन के लिए खतरनाक हो सकते हैं, बल्कि पर्यावरण को भी भारी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

समाधान क्या है

- **परमाणु निरस्त्रीकरण :** परमाणु निरस्त्रीकरण एक महत्वपूर्ण कदम है जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने में मदद कर सकता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग :** अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परमाणु सुरक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है।
- **पर्यावरण संरक्षण :** पर्यावरण संरक्षण परमाणु परीक्षण के दुष्परिणामों को रोकने में मदद कर सकता है।

परीक्षण के नियम और संधि

- आंशिक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि 1963 के तहत, देशों ने वायुमंडल, अंतरिक्ष और पानी के नीचे परीक्षण पर प्रतिबंध लगाने का समझौता किया।
- व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि : 1996 में हस्ताक्षरित इस संधि के तहत, देशों ने सभी प्रकार के परमाणु परीक्षणों पर प्रतिबंध लगाने का समझौता किया।

परमाणु संधि की निगरानी

- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी : आईएईए जो परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देता है और इसके प्रसार को रोकने के लिए काम करता है।
- व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि संगठन : सीटीबीटीओ अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि की निगरानी करता है।

परमाणु शक्ति संपन्न देश

- दुनिया के परमाणु शक्ति संपन्न देशों में अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, ब्रिटेन, भारत और पाकिस्तान शामिल हैं। जिनके पास दुनिया को नष्ट करने के लिए एटम बम से लेकर विद्युत उत्पादन के लिए परमाणु रिएक्टर भी हैं। ईरान और उत्तर कोरिया जैसे कुछ अन्य देश भी परमाणु परीक्षण में लगे हुए हैं।

परीक्षण के दुष्परिणाम

- **विकिरण :** परमाणु परीक्षण से विकिरण निकलता है, जो जीव-जन्तुओं और पर्यावरण के लिए हानिकारक हो सकता है।
- **पर्यावरण प्रदूषण :** परमाणु परीक्षण से पर्यावरण प्रदूषित हो सकता है, जिससे जल, वायु, और मिट्टी प्रदूषित हो सकते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

रियाद में दिखी भारतीय संस्कृति की झलक

नई दिल्ली। सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय ने अपनी 'ग्लोबल हार्मनी' पहल के दूसरे संस्करण के तहत रियाद में जारी उत्सवों के दौरान 'भारत सप्ताह' की शुरुआत की और इसमें भारतीय संस्कृति पर आधारित कार्यक्रम किए गए। भारतीय संस्कृति पर आयोजित यह कार्यक्रम एक सप्ताह तक जारी रहेंगे। रियाद के सुवैदी पार्क में कार्यक्रम की शुरुआत रविवार को हुई। कार्यक्रम में संगीत, नृत्य, भोजन, कला और हस्तशिल्प के माध्यम से भारत की समृद्ध विरासत संबंधित सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

यूक्रेन को और पैट्रियट प्रणालियां मिलीं

कीव। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूस के दैनिक हमलों का मुकाबला करने में मदद के लिए यूक्रेन को अमेरिका निर्मित और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणालियां प्राप्त हुई हैं। इस बीच रूसी ड्रोनों द्वारा रात में किए गए नवीनतम हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि उसके परिवार के पांच सदस्य घायल हो गए जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। रूस द्वारा शहरी क्षेत्रों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं।

इराक-तुर्की में जल समझौते पर हस्ताक्षर

बगदाद। इराक और तुर्की ने रविवार को जल सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किया। इराकी प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने इसे इराक में जल संकट के स्थायी समाधानों में से एक कहा। प्रधानमंत्री अल-सुदानी के मीडिया कार्यालय के बयान में कहा गया कि इस समझौते पर इराकी विदेश मंत्री फुआद हुसैन और उनके तुर्की समकक्ष हकान फिदान ने हस्ताक्षर किए।

ट्रंप ने परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने के फैसले को सही ठहराया

पाकिस्तान और चीन द्वारा किए जा रहे परमाणु परीक्षणों का दिया हवाला

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तीन दशक के अंतराल के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करने की अपनी योजना को सही ठहराते हुए कहा कि पाकिस्तान और चीन उन देशों में शामिल हैं जो परमाणु हथियारों का परीक्षण कर रहे हैं। ट्रंप ने गत गुरुवार को दक्षिण कोरिया में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ अपनी बैठक से पहले घोषणा की थी कि अमेरिका प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ बराबरी के आधार पर परमाणु हथियारों का परीक्षण शुरू करेगा। ट्रंप ने विवार को सीबीएस न्यूज की नोरा ओ डोनेल को दिए एक एक साक्षात्कार में रूस, चीन, उत्तर कोरिया और पाकिस्तान को परमाणु हथियार परीक्षण करने वाले देश बताया। उन्होंने कहा कि रूस और चीन परीक्षण कर रहे हैं, लेकिन वे इसके बारे में बात नहीं करते। आप जानते हैं, हम एक खुला समाज हैं। हम अलग हैं। हम इसके बारे में बात करते हैं... हम परीक्षण करेंगे, क्योंकि वे परीक्षण करते हैं और दूसरे भी परीक्षण करते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि निश्चित रूप से उत्तर कोरिया परीक्षण कर रहा है। पाकिस्तान भी परीक्षण कर रहा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले सप्ताह कहा था कि रूस ने पोसाइडन परमाणु-सक्षम 'सुपर टॉरपीडो' का परीक्षण किया है। ट्रंप ने अपने वक्तव्य में परमाणु हथियारों के परीक्षण की प्रक्रिया पुनः शुरू करने के अपने निर्णय को दृढ़तापूर्वक उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि हथियारों की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण आवश्यक है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वे (दूसरे देश) परीक्षण करते हैं, और हम परीक्षण नहीं करते। हमें परीक्षण करना ही होगा। रूस ने भी कुछ दिन पहले थोड़ी धमकी दी थी जब उसने कहा था कि वे कुछ अलग स्तर के परीक्षण करने वाले हैं। लेकिन रूस परीक्षण करता है, चीन परीक्षण करता है, और हम भी परीक्षण करने वाले हैं।

उन्होंने कहा कि आप परमाणु हथियार बनाते हैं और फिर उनका परीक्षण नहीं करते। आप ऐसा कैसे करेंगे? आपको कैसे पता चलेगा कि वे काम करते हैं या नहीं? अमेरिकी मीडिया के मुताबिक अमेरिका की सेना नियमित रूप से अपनी उन मिसाइलों का परीक्षण करती है जो परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं, लेकिन उसने 1992 के बाद से परमाणु हथियारों का वास्तविक परीक्षण नहीं किया है।

ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिये साक्षात्कार में एक बार फिर मई में भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष तथा सात अन्य संघर्षों को रोकने का श्रेय लिया। उन्होंने कहा कि इस बीच, मैंने आठ युद्ध रोके हैं। मैंने आठ युद्ध समाप्त कर दिए हैं। मेरे पास आठ युद्ध थे। ट्रंप ने रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में कहा कि यह एकमात्र ऐसा युद्ध है जिसमें मैं अभी तक सफल नहीं हुआ हूं, लेकिन इसमें भी सफलता मिलेगी।

पाकिस्तान भी कर रहा परीक्षण

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि पाकिस्तान परमाणु परीक्षण कर रहा है और दावा किया कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रुकवाया था। ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका भी परमाणु परीक्षण करेगा क्योंकि रूस, चीन तथा उत्तर कोरिया जैसे देश भी परमाणु परीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भी परमाणु परीक्षण कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध होने से रूकवाया।

हमारे पास दुनिया को डेढ़ सौ बार उड़ाने को एटम बम

ट्रंप ने कहा कि हमारे पास किसी भी अन्य देश से ज़्यादा परमाणु हथियार हैं। रूस दूसरे नंबर पर है। चीन तीसरे नंबर पर है, लेकिन पांच साल में वे बराबरी पर आ जाएंगे। कहा कि वे तेज़ी से परमाणु हथियार बना रहे हैं, मुझे लगता है कि हमें परमाणु निरस्त्रीकरण के बारे में कुछ करना चाहिए, मैंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी के साथ इस पर चर्चा की थी। परमाणु निरस्त्रीकरण एक बहुत बड़ी बात है। हमारे पास दुनिया को 150 बार उड़ाने के लिए पर्याप्त परमाणु हथियार हैं। रूस के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, चीन के पास भी बहुत होंगे।

खुद को फर्जी एटीएस प्रमुख बताकर ठग लिए 10 लाख रुपये

नई दिल्ली। स्वयं को आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) का प्रमुख बताकर एक व्यक्ति ने दिल्ली के 32 वर्षीय एक व्यक्ति पर पुलवामा आतंकवादी हमले में शामिल होने का आरोप लगाकर उससे नौ लाख रुपये से अधिक की ठगी कर ली। चौदह अक्टूबर को एक मामला दर्ज किया गया, जब करोल बाग निवासी शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 13 अगस्त को उन्हें कई अज्ञात नंबर से कॉल आईं और कॉल करने वालों ने उस पर 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया। पुलिस ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि आरोपियों ने दावा किया कि कश्मीर में पीड़िता के नाम से खोले गए बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा कराए गए हैं।

पुलिस से कहा कि मेरे मोबाइल नंबर पर तीन अलग-अलग नंबरों से फोन आए, जिनमें कॉल करने वालों ने मुझ पर कश्मीर में पुलवामा हमले में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और कहा कि कश्मीर में मेरे नाम से खोले गए बैंक खाते में 50 लाख रुपये जमा किए गए हैं। प्राथमिकी में कहा गया है कि कॉल करने वालों ने पीड़ित को मामले को गुप्त रखने की चेतावनी दी कि यह अकाउंट उसके पहचान पत्र से जुड़ा है और इसमें 'प्रभावशाली लोग' शामिल हैं। इसके बाद, कॉल करने वालों ने उसे अपना कैमरा चालू करने, अपना कमरा बंद करने और अपने परिवार के सदस्यों को सूचित नहीं करने को कहा।

उत्तरी अफगानिस्तान में भूकंप, 20 की मौत

भूकंप से नष्ट एक घर के मलबे में खोज करते स्थानीय लोग।

काबुल, एजेंसी

- रिक्टर स्केल पर 6.3 तीव्रता, 300 से अधिक घायल
- खुल्म से 22 किमी दूर 28 किमी की गहराई में था केंद्र

उत्तरी अफगानिस्तान में रविवार देर रात 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 300 से अधिक अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के खुल्म से 22 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में 28 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप स्थानीय समयानुसार रविवार रात 12 बजकर 59 मिनट पर आया। सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने बताया कि भूकंप में कम से कम 20 लोग मारे गए और 320 लोग घायल हो गए।

अफगानिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि अधिकतर घायलों को मामूली चोटें आई हैं और उन्हें प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि बचाव और आपातकालीन सहायता दल रविवार रात आए भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित बल्ख और समांगन प्रांतों में पहुंच गए हैं तथा उन्होंने घायलों को निकालने और प्रभावित परिवारों की सहायता करने सहित बचाव कार्य शुरू कर दिया है। बल्ख और समांगन प्रांतों में सबसे अधिक क्षति हुई है।

तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर कहा कि भूकंप ने अफगानिस्तान के बल्ख, समांगन और बगलान प्रांतों को प्रभावित किया, जिससे लोग हताहत हुए और वित्तीय नुकसान हुआ। उन्होंने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि संबंधित सरकारी संगठन भूकंप से प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं।

श्रीलंका नौसेना ने 35 मछुआरों को गिरफ्तार किया

चेन्नई। श्रीलंकाई नौसेना ने सोमवार तड़के दो अलग-अलग घटनाओं में तमिलनाडु के 35 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया । इस घटना के बाद मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर को एक पत्र लिखकर राजनयिक प्रयासों के जरिए मछुआरों की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

रिपोर्टों में बताया गया है कि नागपट्टिनम के 31 मछुआरों को मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जो अपनी तीन मशीनीकृत नौकाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पार करके श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे।

भूख की असली वजह खाना नहीं है, बल्कि गलत फैसले

संयुक्त राष्ट्र, दोहा

- संरा महासभा अध्यक्ष एनालेना ने राष्ट्राध्यक्षों से कही बात

संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि दुनिया में का भूख का संकट संसाधनों की कमी से नहीं आता , बल्कि यह असमानता, संघर्ष और नीतिगत फैसलों का परिणाम होता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बैरबॉक ने यहां सोमवार को राष्ट्राध्यक्षों, मंत्रियों और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 67 करोड़ से अधिक लोगों ने भूख का अनुभव किया, जबकि 2.3 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसका अर्थ है अरबों लोग यह सोचने पर मजबूर हैं कि उनका अगला भोजन कहाँ से आएगा, और माता-पिता अपने बच्चों को भूखे सोते हुए देख रहे हैं। यह उस दुनिया में हो रहा है जो हर दिन एक अरब से अधिक भोजन बर्बाद करती है। सुश्री बैरबॉक ने कहा कि भूख का संकट भोजन की कमी का नहीं है बल्कि यह पूरी तरह से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि असफलता पहुंच, वहनीयता और सामाजिक सुरक्षा में है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को भूख का तेज़ी से बढ़ता कारण बताया।

फर्जी पासपोर्ट मामले में ईडी ने तीन को हिरासत में लिया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के चकदाह इलाके में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने फर्जी पासपोर्ट घोटाले के सिलसिले में एक व्यक्ति के घर पर छापेमारी के बाद तीन लोगों को हिरासत में लिया गया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जिस व्यक्ति के घर पर छापा मारा गया वह पेशे से बढ़ई है। आरोपी व्यक्ति, उसके भाई और पिता को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए केंद्रीय एजेंसी के कोलकाता कार्यालय लाया गया।

अधिकारी ने बताया कि हमने तलाशी अभियान के बाद चकदाह से तीन लोगों को हिरासत में लिया है।

नेपाल में हिमस्खलन के कारण तीन की मौत, चार पर्वतारोही लापता

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल के पूर्वोत्तर स्थित यालुंग री पर्वत पर हुए एक भीषण हिमस्खलन में एक विदेशी पर्वतारोहियों सहित कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लापता हैं। हिमस्खलन के बाद बागमती प्रांत के दोलखा जिले की रोलवालिंग घाटी स्थित 5,630 मीटर ऊंचे पर्वत के आधार शिविर में पांच अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस उपाधीक्षक ज्ञान कुमार महतो ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे हुए हिमस्खलन में एक फ्रांसीसी पर्वतारोही और दो नेपाली गाइड की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने शुरूआत में मृतकों की संख्या सात बताई थी। अभियान दल में कुल 12 लोग थे जिसमें सात नेपाली गाइड और पांच विदेशी पर्वतारोही थे। घटना के बाद से कनाडा, जर्मनी और इटली के नागरिकों सहित चार विदेशी पर्वतारोही लापता हैं और बचाव अभियान सोमवार शाम तक जारी रहा। घायल हुए पांच नेपाली नागरिकों को वहां से निकाल लिया गया है। महतो ने बताया कि सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस के जवानों ने एक हेलीकॉप्टर की मदद से तलाश अभियान चलाया, लेकिन खराब मौसम के कारण इसमें बाधा आई। उन्होंने कहा कि तलाश अभियान मंगलवार को भी जारी रहेगा।

भारतीय दूतावास में बनी एकता की दीवार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने 31 अक्टूबर को एकता दिवस के मौके पर नये चांसरी परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की विरासत को समर्पित विशेष दीवार का अनावरण किया।

भारत में पटेल जयंती यानी 31 अक्टूबर के दिन को 'एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। चांसरी परिसर में स्थापित 30 फुट ऊंची और 14 फुट लंबी दीवार पर 182 मीटर ऊंचे 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का मनोरम दृश्य प्रदर्शित किया गया है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा कि एकता की दीवार अमेरिका के उत्तर-पश्चिम प्रशांत क्षेत्र के पर्यटकों के बीच भारत की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देने में भी मददगार साबित हो सकती है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 नवंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 22.36 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

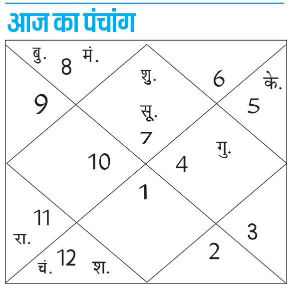

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- रेवती 12.34 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज आपको शारीरिक कष्ट से राहत मिलेगी। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहने वाला है। व्यापारिक व्यक्तियों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे। शत्रु आपके ऊपर भारी पड़ सकते हैं। ससुराल पक्ष से धन लाभ हो सकता है।

वृष — आज अनावश्यक बातों पर अधिक ध्यान देना उचित नहीं है। परिजन आपसे किसी कारणवश नाराज हो सकते हैं। मन में नकारात्मक विचार लाने से बचें। विदेश में काम कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। शाम के समय आपको सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

मिथुन — आज आपको नया काम सौंपा जा सकता है। बच्चों के करियर को लेकर चिंता दूर होगी। व्यवसाय में अटका हुआ धन आपको प्राप्त होगा। प्रत्येक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को जॉब के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क — आज गुरुतुल्य व्यक्ति से मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। आयात-निर्यात के कार्यों में बड़ा धन लाभ मिल सकता है। मन में जो करियर को लेकर चिंता थी वह दूर होगी। मित्रों के साथ गंभीरता से किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

सिंह — आज व्यापारियों को नकदी की कमी का सामना करना पड़ सकता है। गूढ़ विषयों में अधिक रुचि न लें। थकान के कारण चिड़चिड़ापन हो सकता है। जीवनसाथी को कड़वी बातें न बोलें। कमीशन संबंधी कार्यों में निवेश करना शुभ नहीं है।

कन्या — आज दांपत्य जीवन में प्रेम भाव बढ़ेगा। रिलेशनशिप को लेकर परेशानियां दूर होंगी। शाम के समय कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है। माता की सेहत का ध्यान रखें। सरकारी काम में रुकावटें आ सकती हैं। परिजनों की अनुमति के बिना कोई काम न करें।

तुला — आज नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। अपनी इच्छाओं के अनुसार काम करने से लाभ होगा। आपके व्यक्तित्व में अत्यंत सकारात्मक सुधार होगा। आपके सभी काम आसानी से बनते नजर आयेंगे। सेहत को लेकर गिरावट आ रही है तो चिकित्सीय परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

वृश्चिक — आज आप आसपास के लोगों के व्यवहार का सटीकता से आकलन करेंगे। नए प्रेम संबंध विकसित हो सकते हैं। महिलाएं अपनी सेहत को लेकर सजग रहें। बाहरी लोगों से अपने काम की बातें शेयर न करें।

धनु — आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। पिताजी का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। अपने मित्रों पर अधिक विश्वास न करें। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। कड़ी मेहनत का सुखद परिणाम मिलेगा। शाम के समय लवमेट्स के साथ घूमने जा सकते हैं।

मकर — आज का दिन काफी शानदार रहने वाला है। किसी काम को लेकर जल्दबाजी नहीं करेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी। सभी महत्वपूर्ण कार्यों को समय पर पूर्ण कर लेंगे। जीवनसाथी के साथ धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं। घर के छोटे सदस्यों की सेहत का ध्यान रखें।

कुंभ — आज परिवार में अशांति का वातावरण रहेगा। नकारात्मक बातों में अपना समय बर्बाद करना उचित नहीं है। जरूरी सामान खरीदने के लिए बाजार जा सकते हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा में परेशानी का सामना करना पड़ेगा। घर के सदस्यों का अपमान न करें।

मीन — आज अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर लेना आपके लिए उचित होगा। व्यस्तता के बावजूद आप अपनों को समय अवश्य देंगे। एक से अधिक कार्य करने से बचें। आपकी इच्छायें पूरी होने के योग बन रहे हैं। पुरानी बीमारी से छुटकारा मिलेगा।

सुडोकू -150

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1						2	
			3	4	5			
3	6							
4			8	7				
								5
7				9	4			
		2					9	3
		3		2	6			
	7						8	

सुडोकू - 149 का हल

1	6	7	8	2	9	3	4	5
8	4	3	5	7	1	6	2	9
9	2	5	6	4	3	7	8	1
6	1	9	4	3	2	5	7	8
7	3	2	1	5	8	9	6	4
5	8	4	7	9	6	2	1	3
4	5	1	3	6	7	8	9	2
3	9	6	2	8	4	1	5	7
2	7	8	9	1	5	4	3	6

स्टेडियम
हल्द्वानी, मंगलवार 4 नवंबर 2025
अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

सिनर फिर बने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी

पेरिस : यानिक सिनर पेरिस मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद फिर से दुनिया के नंबर एक पुरुष टेनिस खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने फाइनल में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 6-4, 7-6 (4) से हराया। इटली के चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर ने छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्काराज की जगह शीर्ष स्थान हासिल किया है। सिनर ने फाइनल में ब्रेक प्वाइंट का एक भी मौका नहीं गंवाया और एक भी सेट गंवाए बिना टूर्नामेंट जीता। पिछले कुछ महीने शानदार रहे हैं। मैंने एक खिलाड़ी के तौर पर खुद को बेहतर बनाने की कोशिश की और इस तरह का नतीजा देखकर मुझे बेहद खुशी होती है। यह साल शानदार रहा।

ओमेक्स की बनीं ब्रांड एंबेस्डर हरमनप्रीत

नई दिल्ली : रियल एस्टेट कंपनी ओमैक्स लिमिटेड ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर 52 रनों की जीत के साथ पहला आईसीसी महिला विश्व कप खिताब रविवार को अपने नाम किया था। रियल एस्टेट कंपनी ने सोमवार को कहा कि ओमेक्स ने कौर को कंपनी का ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। ओमेक्स ने कहा कि हरमनप्रीत कौर के साथ कंपनी की साझेदारी खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने तथा ऐसे बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के उसके दृष्टिकोण को मजबूत करती है.. जो एथलीट के लिए उचित हो। हरमनप्रीत कौर ने कहा कि मुझे ब्रांड एम्बेसडर के रूप में ओमेक्स के साथ जुड़ने और एक ऐसी कंपनी के साथ आने से खुशी है जो युवाओं को सशक्त बनाने व समुदायों को मजबूत करने का काम करती है, ओमेक्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है।

गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर खिताबी अभियान पूरा किया : हरमनप्रीत

भारतीय कप्तान ने बताया जीत का मंत्र, मध्यक्रम लड़खड़ाने के बावजूद टीम ने बनाया बड़ा स्कोर

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला विश्व कप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय कप्तान बनीं हरमनप्रीत कौर ने कहा कि लीग चरण में इंग्लैंड से मिली हार ने टीम की आंखे खोल दी और उसने गलतियों को नहीं दोहराने का सबक लेकर अपना खिताबी अभियान पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया से ग्रुप चरण में हार के बाद इंग्लैंड के खिलाफ 289 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम एक समय तीन विकेट पर 234 रन बनाकर जीत की ओर बढ़ रही थी लेकिन मध्यक्रम के लड़खड़ाने के बाद टीम छह विकेट पर 284 रन ही बना सकी। इस हार के बाद टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन उसने शानदार वापसी की।

भारतीय कप्तान ने विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराने के बाद कहा इंग्लैंड के खिलाफ हारने के बाद हर किसी को लगा कि यह मैच तो हमारे लिए जीतने वाला था, हमारी पारी ऐसे कैसे लड़खड़ा गयी। उन्होंने कहा हमारे साथ पहले भी ऐसा हो चुका था और सर (कोच अमोल मजूमदार) ने भी कहा था कि आप एक ही गलती बार-बार नहीं दोहरा सकते हैं। आपको यह बाधा पार करनी होगी और उस मैच के बाद हमारी सोच में काफी बदलाव आया। उन्होंने कहा कि फाइनल मुकाबले से पहले टीम अतिआत्मविश्वास से बचते हुए जीत को लेकर सकारात्मक थी। उन्होंने कहा हमें पहली गेंद से लग रहा था कि हम जीतेंगे क्योंकि पिछले तीन मैचों के प्रदर्शन से हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा टॉस तो हम जीतते नहीं है इसलिए पता था कि हमें पहले बल्लेबाजी करनी होगी। स्मृति और शेफाली को श्रेय मिलना चाहिये उन्होंने

खुशी के पल

पहले 10 ओवर अच्छे से संभाल कर रखे। भारतीय कप्तान ने कहा कि गेंदबाजी में काबिलियत के कारण टीम ने प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद शेफाली वर्मा को मौका दिया। उन्होंने शेफाली के चयन को 'डेस्टिनी (नियति)' करार देते हुए कहा मुझे लगता है कि यह डेस्टिनी थी। हम बिल्कुल नहीं चाहते थे प्रतिका (रावल) को कुछ ऐसा हो। विश्व कप से पहले ही यास्तिका भाटिया भी चोटिल होकर बाहर हो गयी थी तब हर कोई भावुक हो गया था। यह टीम ऐसी ही है, यह बहुत खास है, हम एक दूसरे के साथ रहते हैं और अच्छे-बुरे समय में एक दूसरे का पूरा समर्थन करते है। उन्होंने कहा शेफाली जब टीम में आयी तो हम चाहते थे कि उसे ऐसा महसूस ना हो कि वह बाहर से आ रही है। सबने हर एक चीज सकारात्मक तरीके से ली और हम बस यही सोच रहे थे कि हमारा अंतिम लक्ष्य यह खिताब है।

हरमनप्रीत ने कहा शेफाली के टीम से जुड़ने से पहले प्रतिका कुछ ओवर गेंदबाजी कर रही थी और शेफाली इस दौरान घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रही थी। सर (मजूमदार) ने उन्हें कहा था कि जरूरत पड़ी तो दो-चार ओवर गेंदबाजी करनी पड़ेगी तो शेफाली ने कहा कि मैं 10 ओवर डालने के लिए तैयार हूं। इससे उसका आत्मविश्वास झलक रहा था। मैदान में अचानक से मेरे दिगाम में ख्याल आया कि मुझे शेफाली से गेंदबाजी करवानी चाहिए क्योंकि आज उसका दिन है। यह थोड़ा जोखिम भरा था। हरियाणा की 21 साल की शेफाली ने शुरुआती दो ओवरों में सुने लुस और मारिजान काप के विकेट के साथ मैच का रूख पलट दिया। हरमनप्रीत और स्मृति मंधाना पिछले कुछ सालों में कई बार बड़े टूर्नामेंटों में हार का सामना किया है लेकिन विश्व कप खिताब जीतने के बाद दोनों ने एक दूसरे को गले से लगा लिया और कुछ देर तक वैसे ही खड़े रहे। भारतीय कप्तान ने कहा मैंने और स्मृति ने एक साथ कई विश्व कप खेले हैं और हारने के बाद जब घर जाते थे तो अपने में ही खो जाते थे।

कप्तान हरमनप्रीत कौर व उपकप्तान स्मृति मंधाना।

दौड़ में थे, बस अंत में चूक गए : वोल्वार्ट

नवी मुंबई, एजेंसी

महिला विश्व कप के फाइनल में भारत से रविवार को यहां 52 रन की शिकस्त झेलने के बाद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने कहा कि उनकी टीम ने अपने पहले खिताब के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी टक्कर देने की कोशिश की लेकिन आखिर में जीत से दूर रह गयी। जीत के लिए 299 रन का पीछा करते हुए वोल्वार्ट की लगातार दूसरी शतकीय पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका 246 रन पर आउट हो गया।

वोल्वार्ट ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा हां, मुझे लगा था कि हम बहुत देर तक दौड़ में रहे। मुझे लगता है कि हम उनके साथ बराबरी पर थे। मेरी और (एनेरी) डर्कसन की साझेदारी काफी मजबूत थी। वोल्वार्ड और डर्कसन ने छठे विकेट के लिए 61 रन जोड़े थे। डर्कसन 40वें ओवर में जब आउट हुई तब टीम को 90 रन की जरूरत थी। वोल्वार्ट भी

छलका दर्द

हालांकि 42वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हो गई।

उन्होंने कहा मुझे लगा था कि हम इसे अंत तक ले जाएंगे। फिर जब हम आखिरी 10 ओवरों में पहुंचने की कोशिश कर रहे थे, तभी वह आउट हो गई और फिर मैं भी जल्द आउट हो गई। उन्होंने कहा मुझे अब भी लगा था कि क्लो (ट्रायोन) और नाडेस (नादिन डि क्लार्क) हमें जीत दिला सकते है। लेकिन आखिर में लगा कि हमने डि क्लार्क के लिए बहुत ज्यादा काम छोड़ दिया है। वह आखिर में अकेले पड़ गई। वोल्वार्ट ने विश्व कप में बेहद खराब शुरुआत करने के बाद शानदार वापसी कर फाइनल में पहुंचने पर टीम के जज्बे की तारीफ करते हुए कहा उस मैच (इंग्लैंड के खिलाफ पहले लीग मैच में 69 रन पर आउट होकर 10 विकेट से हार का सामना) के बाद वापसी करना टीम के लिए वाकई बहुत अच्छा रहा।

जश्न में डूबी खेल, राजनीतिक कॉरपोरेट और बॉलीवुड हस्तियां

1983 ने एक पूरी पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। आज हमारी महिला क्रिकेट टीम ने सचमुच कुछ खास उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने देश भर में अनगिनत युवा लड़कियों को बल्ला और गेंद उठाने, मैदान में उतरने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित किया है कि वे भी एक दिन ट्रॉफी उठा सकती हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए एक निर्णायक क्षण है। शाबाश, टीम इंडिया। आपने पूरे देश को गौरवान्वित किया है।

-सचिन तेंदुलकर

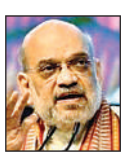

विश्व चैंपियन भारतीय टीम की जितनी भी सराहना की जाए वह कम है। यह देश के लिए एक गौरवशाली क्षण है, क्योंकि हमारी टीम ने महिला विश्व कप जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया है। आपके शानदार क्रिकेट कौशल ने लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त किया है। पूरी टीम को बधाई।

-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री

विश्व चैंपियन। मैं दो दशकों से भी अधिक समय से भारतीय महिला टीम को विश्व कप ट्राफी उठाते हुए देखने का सपना देख रही थी। यह सपना आखिरकार आज रात सच हो गया। विश्व क्रिकेट की नई चैंपियनों, आपने सिर्फ एक ट्रॉफी ही नहीं जीती, आपने भारतीय महिला क्रिकेट के लिए धड़कने वाले हर दिल को जीत लिया।

-मिताली राज, पूर्व कप्तान

यह गर्व का क्षण है। हमारी महिला खिलाड़ियों ने इतिहास रचा और करोड़ों दिलों में अपनी जगह बनाई। आपके साहस, धैर्य और शालीनता ने भारत को गौरव दिलाया है और अनगिनत युवा लड़कियों को निडर होकर सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। आपने सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं उठाई, आपने एक राष्ट्र की भावना को ऊपर उठाया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी

इतिहास रचा गया। हमारी महिला खिलाड़ियों ने क्या शानदार प्रदर्शन किया। 140 करोड़ भारतीय इस गौरवशाली क्षण को संजो रहे हैं। बधाई हो, विश्व चैंपियन।

-मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, आपने अपने साहसिक क्रिकेट और विश्वास से प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया है। आप सभी प्रशंसा के हकदार हैं और इस पल का पूरा आनंद लें। शाबाश हरमन और टीम। जय हिंद।

-विराट कोहली

भारतीय महिला क्रिकेट.. विश्व चैंपियन। आपने हम सभी को गौरवान्वित किया है। बधाई, बधाई, बधाई।

-अमिताभ बच्चन

यह लड़कियां इसलिए आगे बढ़ी ताकि आप दौड़ सकें। महिला क्रिकेट अब पहले जैसा कभी नहीं रहेगा। इस टीम की हर लड़की को इसे संभव बनाने के लिए धन्यवाद। इस अद्भुत टीम पर बहुत गर्व है।

-प्रीति जिंटा

विश्व चैंपियन! भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहली बार महिला वनडे विश्व कप खिताब जीतने पर बधाई। क्या शानदार प्रदर्शन किया।

-नीरज चोपड़ा

टीम इंडिया को बधाई। दक्षिण अफ्रीका भी अपना सिर ऊंचा रखे। विश्व भर में महिला क्रिकेट फल फूल रहा है। क्या शानदार फाइनल था। क्या शानदार टूर्नामेंट था।

-एबी डिविलियर्स

1983 और 2011 की यादें ताज़ा हो गईं। टीम इंडिया को बधाई, मुझे यकीन है कि यह पूरी पीढ़ी को प्रेरित करेगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए भी यह टूर्नामेंट शानदार रहा।

-सुंदर पिचाई, गूगल के सीईओ

चैंपियन। हर चौके हर विकेट, आपने अपने जज्बे से पूरे देश का दिल जीत लिया। हमें अपनी विश्व चैंपियन लड़कियों पर गर्व है। क्या शानदार जीत रही। हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम ने पूरी पीढ़ी को सपना दे दिया जीतने का, लड़ने का, चमकने का।

-वीरेंद्र सहवाग

यह सचमुच एक प्रेरणादायक प्रदर्शन है जिसने न केवल देश को गौरवान्वित किया है, बल्कि एक पीढ़ी को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित भी किया है। यह एक ऐसी जीत है जिसकी गूंज पीढ़ियों तक सुनाई देगी।

-वीवीएस लक्ष्मण

आपकी भावना, धैर्य और विश्वास ने विश्व कप घर ला दिया। टीम इंडिया को बहुत-बहुत बधाई!

-अजिंक्य रहाणे

इतिहास रच दिया गया। हमारी महिलाओं ने सपनों को हकीकत में बदल दिया है। भारत के लिए विश्व कप जीत लिया। आपने सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं जीती, आपने एक अरब दिल जीते। हर भारतीय को आप पर गर्व है – सच्ची चैंपियन। भारतीय क्रिकेट के लिए क्या ही पल है।

-मोहम्मद शमी

टीम को 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार देगा बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम और उसके सहयोगी स्टाफ को पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप खिताब जीतने के लिए सोमवार को 51 करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बताया बीसीसीआई विश्व कप जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को सम्मान के तौर पर 51 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देगा। इसमें सभी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य शामिल हैं। बोर्ड ने खिलाड़ियों, सहायक स्टाफ और चयन समिति के लिए 51 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

धनवर्षा

रेणुका सिंह को एक करोड़ देने की घोषणा

शिमला : हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने विश्व चैंपियन बनी भारतीय महिला विश्व कप टीम की सदस्य तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। रेणुका शिमला जिले के रोहड़ू की रहने वाली हैं।

क्रांति गौड़ को भी मिलेंगे एक करोड़

भोपाल : मध्यप्रदेश सरकार ने विश्व कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य क्रांति गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सोमवार को एक करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहामैं हमारी राज्य की बेटी और देश की बेटियों को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने कल रात क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया।

मैंने एक सीनियर खिलाड़ी जैसा प्रदर्शन किया : दीप्ति

मुंबई : भारत की महिला क्रिकेट टीम की विश्व कप में खिताबी जीत की नायिकाओं में से एक दीप्ति शर्मा ने कहा कि अपनी धरती पर आईसीसी विश्व खिताब जीतना टीम की नियति में था। दीप्ति ने फाइनल में पांच विकेट लेने के साथ 58 रन भी बनाए। उन्होंने 22 विकेट लेने के साथ 215 रन बनाकर 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' का पुरस्कार जीता।

दीप्ति ने कहा मुझे अच्छा लग रहा है। विश्व कप में पहले मैच से लेकर मैंने वैसा ही प्रदर्शन किया जो एक सीनियर खिलाड़ी के तौर पर करना चाहती थी। फाइनल में ऐसा प्रदर्शन करने से बढ़कर कुछ नहीं हो सकता। विश्व कप जीतने में काफी समय लगा लेकिन ईश्वर ने हमारी नियति में यही लिखा था।

22 गज और जीत का नया गीत 'रहेगा सब से ऊपर, हमारा तिरंगा'

नवी मुंबई, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की पुरुष क्रिकेट टीम की संस्कृति का हिस्सा रहे हैं टीम गीत और एशेज से लेकर विश्व कप जीतने तक स्टीव वॉ, रिकी पोंटिंग या स्टीवन स्मिथ को 'अंडर द सदर्न क्रॉस' गाते हुए देखा गया है। भारतीय क्रिकेट टीम का कभी कोई थीम गीत नहीं रहा लेकिन स्टेडियमों में 'चक दे इंडिया' और 'सुनो गौर से दुनिया वालो' या फिर 'लहरा दो सरजमीं का परचम' जैसे गीत बजते रहे हैं। लेकिन विश्व कप जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम, कोच और सहयोगी स्टाफ जब बाईस गज की पिच के आसपास घेरा बनाकर खेड़े हुए तो पहली बार एक 'विजय गीत' सुनाई दिया।

पूरी टीम ने ' रहेगा सब से ऊपर , हमारा तिरंगा। हम हैं टीम इंडिया' गाया तो रोंगटे खड़े हो गए।

मुख्य कोच अमोल मजूमदार की आवाज दूर से सुनाई दे रही थी। सभी ने मिलकर गाया,'साथ में चलेंगे, साथ में उठेंगे, हम हैं टीम इंडिया, साथ में जीतेंगे।'

तिरंगे के साथ जश्न मनातीं प्रतिका रावल व टीम की अन्य खिलाड़ी।

स्टेडियम से दर्शकों के जाने के बाद भारतीय टीम ने यह गीत गाया जो पहले कभी नहीं सुना गया था। विश्व कप में भारत के लिये सर्वाधिक रन (434) बनाने वाली बल्लेबाज बनी स्मृति मंधाना दोनों हाथों में ट्रॉफी लेकर अपने साथी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ मैदान के बीच पहुंची । आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में नाबाद 127 रन बनाने वाली जेमिमा रौड्रिग्स दर्शकों की नूरे नजर बनी हुई थीं ।

डी वाई पाटिल स्टेडियम पर पूरे मैच में जेमी-जेमी का शोर साफ सुनाई दे रहा था। अपने परिवार और दोस्तों से घिरे भारतीय खिलाड़ियों के पास पीछे मुड़कर देखने का समय ही नहीं था लेकिन फाइनल में हारे दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों को गले लगाकर ढांढस बंधाना वे नहीं भूले। मारिजाने काप की आंखें भर आई थी लेकिन जेमिमा और राधा यादव ने उन्हें कसकर गले लगाया।

भारत के खिलाफ आखिरी दो टी-20 में नहीं खेलेंगे हेड

होबार्ट : सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड को एशेज सीरीज की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ आखिरी दो टी-20 मैचों से फारिग कर दिया गया है और वह आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में खेलेंगे।

हेड यहां दस नवंबर से तस्मानिया के खिलाफ साउथ आस्ट्रेलिया के लिये खेलेंगे। एशेज सीरीज 21 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद से यह उनका पहला प्रथम श्रेणी मैच है।

वह पिछले महीने सफेद गेंद के क्रिकेट में कुछ खास नहीं कर सके और आठ पारियों में सर्वोच्च स्कोर 31 रन रहा। हेड आस्ट्रेलिया की टी20 टीम के उन तीन खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने पांच मैचों की एशेज टेस्ट श्रृंखला की तैयारी को प्राथमिकता दी है। जोश हेजलवुड और सीन एबोट अन्य दो खिलाड़ी हैं।

कहानी एक कोच की

मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था– मानो इस जीत से पुराने जख्मों पर मरहम लगा हो

'चक दे इंडिया' के कबीर खान की याद दिलाते हैं मजूमदार

नई दिल्ली, एजेंसी

लगभग पांच दशक के इंतजार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जब पहली बार विश्व कप थामा तो खिलाड़ियों के साथ पूरा देश खुशी से झूम उठा, लेकिन वहीं मैदान पर खड़े एक इंसान की आंखों में आंसू, चेहरे पर मुस्कुराहट के साथ संतोष का भाव था मानो यह जीत कई पुराने जख्मों पर मरहम लगा गई।

यह थे भारतीय महिला टीम के कोच अमोल मजूमदार। घरेलू क्रिकेट में 20 सत्र और 11000 से अधिक प्रथम श्रेणी रन बनाने के बावजूद भारत की जर्सी पहनने का उनका सपना अधूरा ही रहा। बतौर खिलाड़ी कई बार दिल टूटा, कई मलाल रह गए लेकिन इस जीत ने उनके सफर को मुकम्मिल कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जीत के बाद 'गुरु' मजूमदार के पैर छूए और गले लगकर रो पड़ी तो टीवी के आगे नजरे गड़ाये जीत का जश्न देख रहे हर क्रिकेटप्रेमी की आंख भी भर आई ।

इसी महीने अपना 51वां जन्मदिन मनाने जा रहे मजूमदार की कहानी शाहरूख खान की फिल्म 'चक दे इंडिया' के हॉकी कोच कबीर खान की याद दिलाती है जो हर कयास को गलत साबित करके टीम को विश्व कप दिलाता है और यह जीत उसके अतीत के कई घावों पर मरहम भी लगा जाती है। जीत मिलने के बाद वह जश्न के बीच अपने भीतर जज्बात के तूफान को समेटने की कोशिश करता नजर आता है लेकिन चेहरे पर सुकून साफ दिखाई देता है। दो साल पहले टीम के कोच बने मजूमदार की नजरें हमेशा से इस विश्व कप पर थी लेकिन तब यह असंभव सा लग रहा था क्योंकि भारतीय महिला क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था । खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं थी लेकिन नतीजे नहीं मिल रहे थे। पिछले पांच साल में रमेश पोवार, डब्ल्यू वी रमन और फिर पोवार कोच रह चुके थे। रमन के कार्यकाल में भारत आस्ट्रेलिया में 2020 में टी20 विश्व कप के फाइनल में जरूर पहुंचा लेकिन उसके अलावा वैश्विक स्पर्धाओं में निराशा ही हाथ लगी। यही नहीं टीम के भीतर गुटबाजी, विश्वास की कमी और अनुशासनहीनता की भी खबरें गाहे बगाहे आ रही थी।

मैं उनसे (भारतीय खिलाड़ियों) यही कहता था कि हम हार नहीं रहे हैं। बस उस बाधा को पार करने से चूक जा रहे हैं। हम उन तीनों मैचों (लीग चरण में दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ मैच) में काफी प्रतिस्पर्धी रहे और ये सभी मैच काफी करीबी थे।

- अमोल मजूमदार, महिला टीम के कोच

सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता

मजूमदार के आने से पहले करीब दस महीने तक भारतीय टीम के पास पूर्णकालिक कोच नहीं था। पोवार को दिसंबर 2022 में हटा दिया गया था और बीच में रिषिकेश कानिटकर तथा नूशीन अल कादिर अंतरिम तौर पर काम देख रहे थे। सबसे पहले उन्होंने अपनी टीम का भरोसा जीता। सभी खिलाड़ियों से स्पष्ट संवाद रखा। अच्छे प्रदर्शन पर पीठ थपथपाई तो बुरे दौर में साथ खड़े दिखे। आलोचनाओं के बीच अपने खिलाड़ियों के लिये ढाल बनकर खड़े नजर आये और यहीं से नींव पड़ी विश्वास के ऐसे रिश्ते की जिसकी परिणिति विश्व कप ट्रॉफी के रूप में 'गुरुदक्षिणा' के साथ हुई।